जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 17 मई, 2026

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

इंटरनेशनल वेकेशन की क्या जरूरत
जब वर्ल्ड क्लास एमेनिटीज घर के साथ मिले

NO MIDDLE MEN

हर महीने 5 लाख रेट बढ़ रही है

FIXED PRICE

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	PRESENT RATE	31 MAY 2026	30 JUNE 2026	31 JULY 2026	31 AUG. 2026	30 SEPT. 2026	31 OCT. 2026	30 NOV. 2026	30 DEC. 2026
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 Lacs	66 Lacs	68 Lacs	70 Lacs	72 Lacs	74 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs	82 Lacs	84 Lacs	86 Lacs	88 Lacs	90 Lacs
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 Lacs	82.5 Lacs	85 Lacs	87.5 Lacs	90 Lacs	92.5 Lacs	95 Lacs	97.5 Lacs	1 Cr
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 Cr	1.075 Cr	1.10 Cr	1.125 Cr	1.15 Cr	1.175 Cr	1.20 Cr	1.225 Cr	1.25 Cr
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.26 Cr	1.29 Cr	1.32 Cr	1.35 Cr	1.38 Cr	1.41 Cr	1.44 Cr	1.47 Cr	1.50 Cr
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.60 Cr	1.65 Cr	1.70 Cr	1.75 Cr	1.80 Cr	1.85 Cr	1.90 Cr	1.95 Cr	2 Cr

KEDIA® | 1800-120-2323 | info@kedia.com | www.kedia.com | 78770-72737 | SCAN QR FOR • LOCATION • ROUTE MAP • SITE 360 TOUR • E-BROCHURE • WALKTHROUGH

*T&C Apply

आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™ Pavitra

FIXED PRICE

क्रायोजेनिक ग्राइंडिंग से बना
भारत का एक मात्र
धनिया पाउडर

माइनस 100 डिग्री तक के तापमान पर डबल पैरट साबुत धनिया से तैयार, क्रायोजेनिक ग्राइंडिंग द्वारा प्रोसेस किया गया, जो मसालों का अरोमा, नेचुरल ऑयल और असली फ्लेवर को पूरी तरह बरकरार रखता है।

ट्रिपल लेयर पैकिंग के साथ 1 साल की शेल्फ लाइफ

हमारे अन्य क्रायोजेनिक ग्राइंडिंग से बने मसाले

लाकाडोंग हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर

BLENDED SPICES RANGE

किचन किंग मसाला • गरम मसाला • सब्ज़ी मसाला • शाही पनीर मसाला • दाल मखनी मसाला • राजमा मसाला • चना मसाला
पाव भाजी मसाला • सांभर मसाला • चाट मसाला • छाछ मसाला • रायता मसाला • जलजीरा मसाला • पोहा मसाला
चाय मसाला • अमचूर पाउडर • हिमालयन पिंक रॉक सॉल्ट

NEW LAUNCH : तूफानी हींग, कच्ची घानी सरसों तेल, फिल्टर्ड मूंगफली तेल

कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800-120-2727

For joining us as Distributor or Business Development Officer
Email ID : bdm@kediapavitra.com | Call : +91 76888-66333

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP | ORDER ON ZEPTO

T & C Apply
MRP ₹ Incl. of all taxes

विचार बिन्दु

मनुष्य का कत्तर्व्य है कि वह उदार बनने से पहले त्यागी बने। –डिकेंस

आयुर्वेदोक्त भोजन से जरा-व्याधि-मुक्त भारत की परिकल्पना साकार हो सकती है

आयुर्वेद में आहार का विज्ञान बहुत विशाल है जो, रसायन और औषधियों के साथ मिलकर, हमें स्वस्थ रखने और रोगों को दूर करने में मदद करता है। आधुनिक वैज्ञानिक शोध से अब यह बात स्पष्ट हो चुकी है कि शरीर में फ्री-रेडिकल्स के बढ़ने से होने वाला ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, यह दो बाते हैं जो अंततः मानव शरीर के नाश का कारण बनती हैं। अतः यदि इन दोनों को नियंत्रित कर लें तो जरा व्याधि से मुक्ति मिल सकती है। शोध से यह भी सिद्ध हो चुका है कि आयुर्वेद-सम्मत भोजन और रसायन यही दोनों काम-एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटीइन्फ्लेमेटोरी कार्य-बेहद मज़बूत तरीके से करते हैं।

वर्ष 2016 का चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार जापानी जीवविज्ञानी योशीनोरी ओहसुमी को जिस शोध के लिये मिला है उससे एक संभावना और उभरी है कि आयुर्वेदोक्त भोजन और रसायन, ऑटोफैगी नामक प्रक्रिया को बढ़ावा देने का कार्य भी करते हैं। ऑटोफैगी एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें हमारे शरीर की कोशिकायें स्वयं को खाकर द्रव्यों का पुनर्चक्रण कर लेती हैं। इस प्रक्रिया के बाधित होने पर पार्किनसन और मधुमेह जैसी बीमारियां हो सकती हैं। ऑटोफैगी एक मौलिक प्रक्रिया है जिसका हमारे स्वास्थ्य एवं बीमारियों के सन्दर्भ में महत्वपूर्ण स्थान है।

महर्षि चरक के अनुसार आयुर्वेद के दो मूल उद्देश्य हैं (च.सं., सू.स्था., 30.26): स्वस्थस्य स्वास्थ्यरक्षणम् आतुरस्य विकारप्रशमनम्। अर्थात, स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा और पीड़ित व्यक्ति के विकार का शमन। आचार्य सुश्रुत द्वारा दी गयी स्वास्थ्य की परिभाषा के अनुरूप उपयुक्त आहार हमारे शरीर के दोष, अग्नि, धातु, व मलक्रिया को सम करता है एवं प्रसन्नता प्रदान करता है: समदोषः समाग्निश्च समधातु मलक्रियः। प्रसन्नात्मेन्द्रियमनाः स्वस्थइत्यभिधीयते।। (सु.सं.,सू.स्था.,15.41)। जिस व्यक्ति के दोष, अग्नि, धातु, और मल-त्याग सन्तुलित हों, इन्द्रिय, आत्मा एवं मन प्रसन्न हो, वही स्वस्थ कहलाता है। आहार से संतुष्टि, तत्क्षण शक्ति, और संबल मिलता है, तथा आयु, तेज, उत्साह, याददाश्त, ओज, एवं पाचन में वृद्धि होती है: आहारः प्रीणनः सद्योबलकृद्देहधारकः। आयुस्तेजःसमुत्साहस्मृत्योजोऽग्निविवर्द्धनः।। (सु.सं., चि.स्था. 24.68)।

यहाँ भोजन से प्राप्त होने वाला ओज जीने के लिये बहुत महत्वपूर्ण है, जैसा कि आचार्य चरक ने लिखा है (च.सं., सू.स्था., 17.73-74): बिभेति दुर्बलोऽभीक्ष्णं ध्यायति व्यथितेन्द्रियः। दुश्छायो दुर्मना रूक्षः क्षामश्चैवौजसः क्षये।। हृदि तिष्ठित यच्छुद्धं रक्तमीषत्सपीतकम्। ओजः शरीरे संख्यातं तन्नाशान्ना विनश्यति।। सार यह है कि ओजस के क्षय हो जाने से भय, दुर्बलता, चिंता, अकर्मण्यता, पीड़ा, निरुत्साह, निस्तेज इन्द्रियाँ, शरीर की चमक में फीकापन, मन में दुःख, चेहरे में शुष्कता, और दमदार आवाज में कमी आ जाती है। ओजस हृदय में पाया जाता है और ओजस का नाश होने से शरीर विनष्ट हो जाता है। तथाकथित-व्यंजनों के नाम पर बाज़ार में उपलब्ध कचरा-भोजन या जंक-फूड के भरोसे ओजस का सत्यानाश हो रहा है। साफ़ बात यह है कि यदि हम आयुर्वेद में दी गयी सलाह के अनुसार अपना भोजन लें तो ओजस को नष्ट होने और अंततः शरीर को नष्ट होने से बचा सकते हैं। इस दिशा में सात बातें महत्वपूर्ण हैं।

सबसे पहली बात यह है कि भोजन करने के पूर्व शरीर के समस्त आवेग शान्त हों। मन प्रसन्न व निर्मल हो। अपने स्वाभाविक भोजन-समय से बहुत पहले या बाद में भोजन करना अनुचित रहता है। रातमें भोजन नहीं करना चाहिये। आधुनिक विज्ञान में हुये शोध, अनुभवजन्य ज्ञान एवं शास्त्रोक्त विचारों को एकीकृत करते हुये वर्तमान परिप्रेक्ष्य में यह मान लेना उचित होगा कि ग्रीष्मकाल में रात्रि 8.00 बजे, शरदऋतु में 7.00 बजे एवं वर्षा ऋतु में सूर्यास्त के पूर्व ही भोजन करना हितकारी होगा। यथासंभव जमीन पर सुखासन या पालथी लगा कर, अपनों के साथ, प्रसन्न मन से संतुलित, पोषक और स्वादिष्ट भोजन करनेका अपना आनंद है।

दूसरी बात यह है कि भोजन हितकारी, पोषकऔर संतुलित हो तथा अपनी पाचन शक्ति को देखते हुये ही ग्रहण किया जाये। भोजन में छः रसों-मधुर, अम्ल, लवण, कटु, तिक्त, व कसाय-का होना आवश्यक है।आहार की मात्रा व प्रकार, और इन दोनों के संदर्भ में शरीर की क्षमता, ये तीनों बहुत महत्वपूर्ण संकेतक हैं। उदाहरण के लिये, शालि व साठी चावल, मूंग आदि भले ही शीघ्र पचने वाले होते हैं परंतु इन्हें भी ठूँस-ठूँस कर खा लिया जाये तो पाचन में कठिनाई होती है। इसके विपरीत रोटी, पूड़ी, हलवा, गुड़, चीनी, दूध से बनी रबड़ी, खोवा, तिल, उड़द आदि स्वभाव से गरिष्ठ होते हैं, किन्तु समुचित या अल्प मात्रा में ग्रहण करने पर यह भी पच जाते हैं। लघु या हलके तथा सुपाच्य खाद्य पदार्थ वायु व अग्नि गुण प्रधान होने के कारण पाचकाग्नि को प्रदीप्त करने वाले स्वभाव के होते हैं और इन्हें तृप्तिपूर्वक खा लेने पर भी बहुत अधिक दोष उत्पन्न नहीं होते। किंतु गुरू या गरिष्ठ द्रव्य पृथ्वी तथा सोम गुण की अधिकता होने के कारण अग्नि को उदीप्त नहीं कर पाते, अतः जब तक कठोर व्यायाम से अग्नि-बल बढ़ा न लिया गया हो, तब तक इन्हें तृप्तिपूर्वक खाते ही दोष खड़े होने लगते हैं। अतः गरिष्ठ भोजन खाने से पूर्व अपने अग्नि-बल की हैसियत का खयाल रख लेना चाहिये। आचार्य चरक ने कहा है कि गरिष्ठ भोजन को पेट के आधे भाग की तृप्ति तक ही लेना चाहिये। लघु पदार्थों को भी उचित मात्रा में ही खाना चाहिये, क्योंकि समुचित मात्रा में किया गया भोजन ही हमें बल, वर्ण, सुख तथा आयु प्रदान करता है।

> **सार यह है कि ओजस के क्षय हो जाने से भय, दुर्बलता, चिंता, अकर्मण्यता, पीड़ा, निरुत्साह, निस्तेज इन्द्रियाँ, शरीर की चमक में फीकापन, मन में दुःख, चेहरे में शुष्कता, और दमदार आवाज में कमी आ जाती है। ओजस हृदय में पाया जाता है और ओजस का नाश होने से शरीर विनष्ट हो जाता है। तथाकथित-व्यंजनों के नाम पर बाज़ार में उपलब्ध कचरा-भोजन या जंक-फूड के भरोसे ओजस का सत्यानाश हो रहा है।**

पीठी की तरह गूंथे गये आटे व उड़द आदि की पीठी से बना हुआ भोजन भी गरिष्ठ होता है। अतः भोजन करने के पश्चात् पीठी से निर्मित व्यंजन, चावल या चेवड़ा आदि को अत्यल्प मात्रा में ही खाना चाहिये। असल में बहुत तेज भूखे होने पर ही इस प्रकार के खाद्य पदार्थों का लेना उचित रहता है। सुखाई हुई सब्जियाँ, कमल की जड़, कमल की नाल आदि भी गुरू द्रव्य हैं, अतः इनका सेवन भी निरंतर नहीं करना चाहिये। दही या छाछ के साथ दूध को पका कर या फटे हुये दूध से बनाये गये बनाये गये व्यंजन एवं छैना, दही, उड़द, ज़ई आदि को भी लगातार प्रतिदिन नहीं खाना चाहिये।

तीसरी बात यह है कि आयुर्वेद में भोजन व्यक्ति-व्यक्ति की स्थिति, प्रकृति, एवं ऋतुओं के आधार पर तय होता है। उदाहरण के लिये, सूखे मेवे, आलू, टमाटर, सेब, मटर, चना आदि वात को कुपित करते हैं, इसलिये वात प्रकृति के लोगों को इन पदार्थों को कभी-कभार ही लेना चाहये। जबकि मीठे फल, जैसे अंगूर, केला, संतरा, नारियल, व लाल चावल वात प्रकृति के लोगों के लिये लाभकारी हैं। इसी प्रकार अधिक मसालेदार भोजन, मूंगफली का तेल, खट्टे फल, केला, पपीता, टमाटर, लहसुन आदि पित्त दोष को कुपित करते हैं। जबकि, आम, संतरा, नाशपाती, हरी सलाद आदि पित्त दोष को शान्त करते हैं। इसी प्रकार केला, नारियल, खजूर, पपीता, अनन्नास व विभिन्न दुग्ध-उत्पाद कफ को कुपित करते हैं, जबकि सूखे मेवे, अनार, सफ़ेद चावल, अंकुरित अनाज आदि कफ प्रकृति के लोगों के लिये उपयोगी रहते हैं।

चौथी बात, शालिधान्य, गेहूं, जौ, साठी चावल, वनों में मिलने वाले खाद्य, हरड़, आमला, दाख-मुनक्का, परवल, मूंग, खांड, घी, वर्षा का स्वच्छ जल, दूध, मधु, अनार, सैन्धव लवण, और आँखों की ताक़त बढ़ाने के लिये रात में मधु और घी के साथ त्रिफला का सेवन किया जाना चाहिये। इसके साथ ही स्वास्थ्य की रक्षा के लिये या रोगों से मुक्ति के लिये जो भी उपयोगी आहार हो उसे लिया जा सकता है। अनुभव के अनुसार जिन पदार्थों के सेवन से स्वास्थ्य ना बिगड़े या कोई नया रोग उत्पन्न नहीं हो, उन्हें खाया जा सकता है। नियमित भोजन में ऐसे द्रव्यों को भी थोड़ी मात्रा में शामिल किया जा सकता है जो आहार, रसायन और औषधि, तीनों ही प्रकारों में वर्गीकृत हैं। विविध प्रकार व विविध रंगों के स्थानीय मौसमी फल, खजूर, द्राक्षा, मुनक्का, बादाम, तिल, आँवला, लहसुन, सोंठ, कालीमिर्च, पिपली, हल्दी, केसर, जीरा, धनिया, शहद, गुड़, एवं त्रिफला आदि ऐसे द्रव्य हैं जिनका थोड़ा सेवन उपयोगी रहता है। वर्षा से संग्रहित किया हुआ साफ जल ही सबसे उत्तम माना जाता है। भोजन के अंत में पानी पीना हानिकारक है। जरूरी हो तो अत्यल्प मात्रा में ही लेना चाहिये।

पांचवीं बात यह है कि कुछ खाद्य पदार्थ पकाने के बाद देर तक रख देने पर, बासी हो जाने पर या स्वरुप बदल जाने के बाद नहीं खाए जाने चाहिये। सूची तो बड़ी लम्बी है, पर सारांश में देखें तो ठंडा होने पर पुनः गर्म किया हुआ भोजन, सूख जाने के बाद पानी मिलाकर पुनः गीला किया हुआ भोजन,व कांसे के पात्र में कई दिनों तक रखा हुआ घी नहीं खाना चाहिये।अधपका, दुर्गन्धयुक्त, जला हुआ, स्वाभाविक रंग से भिन्नया रंग बदला हुये, पानी छोड़ चुके, बहुत नमक-युक्त, या बार बार गरम किया हुआ बासी भोजन खाना हानिकारक है। गरम की हुई शहद, या शहद लेने के बाद गरम पानी पीना, रात्रि में दही या अधिक मिठाई, भोजन के अंत में मीठा और शुरुआत में तिक्त और कटु पदार्थ, गर्म पेय के तुरंत बाद ठंडा जल वर्जित हैं।

छठी बात यह है कि कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे भी हैं जो प्रायः एक दूसरे के साथ नहीं चलते।दही व छाछ के साथ केला; नमक के साथ दूध; गुड, पिप्पली, शहद व कालीमिर्च के साथ पूड़ी; उड़द की दाल के साथ मूली; दही व दूध के साथ मूली; बासी या सूखी मूली; खट्टे फलों के साथ दूध; खीर, खोया, मलाई, व दूध के साथ खिचड़ी और अल्कोहल; खीर के साथ छाछ; दही के साथ खजूर; कमल-ककड़ी के साथ अंकुरित अनाज; शहद के साथ खजूर और दारू; और बराबर मात्रा में घी को शहद के साथ, या शहद, घी, वसा, तेल और जल को एक साथ मिलाकर नहीं खाना चाहिये। शोध में पाया गया है कि ग्रीन चाय के साथ दूध, चाय के साथ लहसुन, अनार-रस के साथ अंगूर-रस, हरे टमाटर और आलू के साथ अल्कोहल नहीं लेना चाहिये।

और अंत में, आयुर्वेद के इतिहास में 5000 वर्षों के दौरान लिखे किये गये अनेकानेक ग्रंथों को खंगाल डालने पर कहीं भी पिज़्ज़ादिवर्ग, बर्गरादिवर्ग, कुर्कुरादिवर्ग, फिंगरचिप्सादिवर्ग या मैग्यादिवर्ग जैसे आहार द्रव्यों का वर्णन नहीं प्राप्त होता। अतः आयुर्वेद के जन्मदाता समाज के मध्य इनका उपयोग वर्ष में एकाध दो बार स्वाद बदलने के लिये ही किया जाना हितकारी हो सकता है!

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंगप्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

एक नई सामाजिक बुराई: लिव-इन रिलेशनशिप

प्रो. कैलाश सोडाणी

दो आत्माओं का आध्यात्मिक, सामाजिक और भावनात्मक मिलन है : विवाह। यह प्रेम, विश्वास, सम्मान और कर्तव्य के साथ जीवन भर साथ निभाने की प्रतिज्ञा है। यह बन्धन परिवार की नींव रखता है जिससे वंश एवं समाज आगे बढ़ता है। जीवनसाथी और बच्चों के प्रति निस्वार्थ सेवा की साधना है। धर्म और कर्म पर आधारित एक आध्यात्मिक यात्रा के लिए सुखद साझेदारी है। यह हिंदू जीवन का सबसे महत्वपूर्ण संस्कार है। गृहस्थ अवस्था विश्व के संतुलन को बनाए रखने में केन्द्रीय भूमिका निभाती है, क्योंकि यह अन्य सभी आश्रमों का आधार है। मनुस्मृति और वेदों जैसे प्राचीन ग्रंथो में विवाह को परिवार, धर्म और संस्कृति को बनाए रखने के लिए एक आवश्यक संस्कार बताया गया है। केवल विवाह के माध्यम से ही व्यक्ति धार्मिक कर्तव्यों का पूर्णतया निर्वाह कर सकता है। मृत्यु के बाद भी यह पवित्र बन्धन बना रहता है, क्योंकि यह दैवीय आशीर्वाद का प्रतीक है।

दुर्भाग्य से भारत में भी पिछले कुछ समय से पाश्चात्य सोच रखने वाले लोग आधुनिकता के परिवेश में विवाह जैसे आध्यात्मिक एवं पवित्र बन्धन के स्थान पर लिव-इन रिलेशनशिप के माध्यम से ईश्वर प्रदत्त इस बहुमूल्य जीवन को अनावश्यक रूप से धूमिल कर रहे हैं। लिव-इन रिलेशनशिप एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें दो लोग (पुरुष और महिला) जिनका विवाह नहीं हुआ है, पति-पत्नी की भाँति साथ रहते हैं। यह संबंध प्रारंभ में स्नेहात्मक एवं गहरा होता है, इसलिए बिना वैवाहिक बंधन एवं सामाजिक सहमति के भी दोनों साथ रहने का साहस कर पाते हैं। शादीशुदा भी आपसी सहमति से लिव-इन में रह सकते हैं। भारत में लिव-इन-रिलेशनशिप के लिए अलग से कोई कानून नहीं बनाया गया है, लेकिन घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के तहत इस संबंध को कानूनी मान्यता भी मिली है। 2010 में सर्वोच्च न्यायालय ने इसे "शादी जैसा रिश्ता" मानकर कानूनी मान्यता दी। बालिग पुरुष एवं महिला का आपसी सहमति से साथ रहना अवैध एवं अपराध नहीं है। लिव-इन में रहने वाली महिला पत्नी की भाँति घरेलू हिंसा कानून के तहत सुरक्षा एवं घर में रहने का अधिकार रखती है और सम्बन्ध समाप्त होने पर भरण - पोषण की पात्रता भी रखती है।

ऐसे रिश्तों में रहने वाले लोगों को शादीशुदा जोड़े जैसे सारे अधिकार तो नहीं मिलते हैं लेकिन उन्हें हमारा कानून सुरक्षा जरूर प्रदान करता है। लिव-इन में रहते हुए यदि उनके बच्चे होते हैं तो उन बच्चों को सभी कानूनी अधिकार मिलेंगे। हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 16 के अनुसार, ऐसे बच्चों को अपने माता-पिता की अपनी कमाई हुई संपत्ति में पूरा कानूनी हक मिलेगा। बच्चों को भरण पोषण का अधिकार तो है ही, साथ ही यदि माता-पिता अलग हो जाते हैं तो बच्चों के भरण पोषण की जिम्मेदारी दोनों की होगी। भारत में लिव-इन रिलेशनशिप के बच्चों के लिए कोई अलग से विशेष कानून नहीं है, इसलिए न्यायालय इन मामलों में शादीशुदा जोड़ों के बच्चों की तरह ही ट्रीट करती है। कोर्ट का सबसे पहला और जरूरी मकसद यह देखना होता है कि बच्चे का भला और भविष्य किसके साथ रहने में है।

कानूनी मान्यता के बावजूद लिव-इन कभी भी वैवाहिक जीवन का विकल्प नहीं बन सकता है क्योंकि लिव-इन रिलेशनशिप में प्रतिबद्धता की कमी, सामाजिक अस्वीकृति, कानूनी अनिश्चितता और भावनात्मक असुरक्षा जैसी कमियाँ है। यह रिश्ता शादी की तुलना में बहुत कमजोर होता है। इसमें पार्टनर के बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के अलग होने की संभावना हर समय बनी रहती है, जिससे मानसिक तनाव और शोषण का खतरा बना रहता है। भारतीय समाज इसे अनैतिक ही मानता है, जिससे परिवार एवं समाज से तिरस्कार का सामना करना पड़ता है। ऐसे रिश्ते में यदि बच्चे होते हैं तो वे पारम्परिक पारिवारिक संरचना से वंचित रहते हैं। समाज भी ऐसे बच्चों को पूरा सम्मान नहीं देता है। पारिवारिक एवं सामाजिक स्नेह की कमी से बच्चों का आत्म-विश्वास टूटता है। लिव-इन से सांस्कृतिक मूल्यों से युक्त संस्कारों की पाठशाला परिवार टूट जाएंगे, बिखर जाएंगे। मित्रों विवाह का आधार त्याग एवं तपस्या है और लिव-इन रिलेशनशिप स्वार्थ एवं अधिकार पर आधारित सम्बन्ध है। यह हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत से विचलन है। आवश्यक रूप से इस विचलन एवं फिसलन को रोकना होगा।

–प्रो. कैलाश सोडाणी,
पूर्व कुलगुरु, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

लोक गायक कालूराम प्रजापति ने राजस्थान संस्कृति की सौंधी महक पूरी दुनिया में फैलाई

मिश्रीलाल पंवार

कालूराम प्रजापति को आज कौन नहीं जानता। वे देश के एक अत्यंत सम्मानित और वरिष्ठ लोक गायक हैं। इन्होंने राजस्थान संस्कृति की सौंधी महक पूरी दुनिया में फैलाई है। उनकी सुरीली आवाज़ और ठेठ राजस्थानी गायकी के लिए विश्व भर में पहचाना जाता है। उन्हें अक्सर वाणी का बेताज बादशाह भी कहा जाता है। साक्षात मां सरस्वती उनके कंठों में निवास करती हैं। कालूराम प्रजापति का जन्म 1941 में जोधपुर में हुआ था। वे रेडियो और आकाशवाणी के दौर के सबसे लोकप्रिय कलाकारों में से एक रहे हैं। अपनी गायकी से उन्होंने लगभग चार पीढ़ियों का मनोरंजन किया है। इन्होंने "कमल कला मंदिर" नामक संस्था का 1981 में गठन किया था। इस संस्थान के बैनर तले उभरती कई नई प्रतिमाओं को आगे बढ़ने का मौका दिया। उन्होंने जोधपुर के ही महाराज उच्च माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक के रूप में सेवाएं दी।

वे केवल गायक ही नहीं, बल्कि एक कुशल गीतकार और संगीतकार भी हैं। वे अपने अधिकांश गीत स्वयं लिखते और कंपोज़ करते हैं। इन्होंने अपने लिखे गीतों की पहली पुस्तक "कमल की पंखुड़ियां" का प्रकाशन 1965 में कराया। यह पुस्तक इतनी लोकप्रिय हुई कि इसी साल में दूसरा व तीसरा संस्करण छपवाना पड़ा। इसके बाद भी गीत-भजन लिखने की इनकी साधना निरंतर जारी रही। लोगों की मांग पर 2002 में गीतों की दूसरी पुस्तक "मारूजी लाखीणो का प्रकाशन कराया।

कालूराम प्रजापति ने अनगिनत लोकगीत और भजन गाए हैं, जिनमें से कई भजन आज भी प्रवासी राजस्थानियों के घरों में गूँजते हैं। उनके लिखे व गाए गीतो ने राजस्थान की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के हर पहलू को छुआ हैं। उनका लिखा व गाया राजस्थानी गीत कुंवारो टाबरियो: (ब्यावं बिनणी बिलखूं म्हैं तो कद परणासी बाबलियों...) उनका सबसे प्रतिष्ठित और लोकप्रिय गीत है। इस गीत की लोकप्रियता देश की सीमाओं से पार विदेशों में धूम मचाती रही है। कालूराम प्रजापति कहते हैं कि जब तक संसार में लड़के कुंवारे रहेंगे, तब तक उनका यह गीत गूंजता रहेगा।

उन्हें राजस्थानी भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2024 में कन्हैयालाल सेठिया राजस्थानी भाषा सेवा सम्मान से नवाज़ा गया। उनकी कला के प्रति समर्पण के लिए मारवाड़ रत्न सम्मान से सुशोभित किया गया। इसी प्रकार उनको अब तक करीब तीन दर्जन से अधिक संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। आज भी 85 वर्ष की आयु में वे मंच पर सक्रिय हैं और अपनी ऊर्जावान प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। देश के सभी शहरों व नगरों में उनके कार्यक्रम हो चुके हैं। इनकी लोकप्रियता इतनी है कि ये जहां भी जाते, इन्हें देखने ,मिलने और सुनने लोगों का जनसैलाब उमड़ पड़ता है।

कानों में मिश्री घोलती अपनी सुरीली व मनमोहनी आवाज़ से जब वे लोक गीत गातें है तो जैसे धरती पर आनंद उतर आता हैं। इनको सुनने व देखने के लिए हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ती है। बड़ी-बड़ी फिल्मी हस्तियां तथा नेतागण इनके साथ फोटो खिंचवाने को लालयित रहते हैं।

रेडियो युग में लोक गायक श्री कालूराम प्रजापति को सुनते,सुनाते ही चार पीढ़ियां बड़ी हुई हैं। वे खुद लिखते हैं, वे खुद कम्पोज करते हैं, वे खुद गाते हैं। उनकी प्रतिभा अद्भुत हैं। वे ऐसे महापुरुष है कि उनके गाये अनगिनत गीत और भजन उनके जीवन काल में ही लोकगीत एवं लोक भजन बन गये। उनके भजन "बोल तम्बूरा भाई रे, इण जग री रीत पराई रे", मत दीजो मावड़ली ने दोष करमा री रेखा न्यारी -न्यारी", "मत कर भोळी आत्मा नुगरा रो हेत रे " आदि उनकी गायन प्रतिभा का लोहा मनवा देते हैं। पिछले साठ बरसों से अब तक निरंतर लोकप्रियता के शिखर पर रहे है। इस लोक प्रसिद्धि का लेश मात्र भी घमंड उनमें नहीं झलकता। वे बेहद सरल, सहज और मिलनसार हैं। उनका सादगी भरा व्यक्तित्व सबको प्रभावित करता हैं। 85 बरस की इस उम्र में उनकी जीवटता देखते ही बनती हैं। वे राजस्थान के गौरव है।

लोक गायक कालूराम प्रजापति

राष्ट्रदूत संवाददाता से बातचीत करते उन्होंने कहा कि सन् 1965 में आकाशवाणी से मेरे गीतों का प्रसारण आरम्भ हुआ । मेरे गीतों को श्रोताओं ने खूब सराहा । फरमाइश कार्यक्रम में गीत बजते रहे। मैं आकाशवाणी का आभारी हूं जिसने मुझे आज इस मुकाम तक पहुंचाया। सर्वप्रथम जयपुर से जीरो, बोल तम्बूरा भाई रे सांवरिया बिना कुणजी बधावै मनै धीर उसके कुछ तक गाता चला आ रहा हूं। सन 1970 से मेरे कार्यक्रम का प्रसारण आकाशवाणी जोधपुर से शुरू हो गया।

सन 1965 की लड़ाई में मेरे देश भक्ति के गीतो का प्रसारण होने लगा। यह क्रम चलता रहा उस समय रणभेरी और रणघोष नाम से गीत पुस्तक का प्रकाशन किया। सन् 1971 की लड़ाई में फिर गीत लिखे। सन् 1984 में निर्दलीय के रूप में जोधपुर से एम. पी. का चुनाव लड़ा मुख्यमंत्री अशोक जी गहलोत के सामने। चुनाव हारने के बाद में फिर किसी प्रकार की राजनीति में भाग नहीं लिया। मैं अपने लेखन कार्य में लग गया। श्री कालूराम प्रजापति राष्ट्रदूत को बहुत पसंद करते हैं। वे पिछले सत्तर वर्षों से राष्ट्रदूत के नियमित पाठक है।आज भी सुबह उठते ही पहले राष्ट्रदूत पढ़ते हैं। उसके बाद अपने सभी मित्रों को राष्ट्रदूत की पीडीएफ भी भेजते हैं।

–मिश्रीलाल पंवार,
लेखक जोधपुर के वरिष्ठ पत्रकार हैं तथा जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) जोधपुर के महासचिव हैं।

आत्मनिर्भरता का नया शंखनाद, संकट के समय में सामूहिक कर्तव्य का आह्वान

डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत

मई 2026 का यह समय वैश्विक इतिहास के पन्नों में एक चुनौतीपूर्ण मोड़ के रूप में दर्ज किया जा रहा है। पश्चिम एशिया में गहराते संघर्ष ने न केवल भूगोल की सीमाओं को प्रभावित किया है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की चूलें भी हिला दी हैं। तेल की बढ़ती कीमतें, आपूर्ति श्रृंखला सप्लाई चेन का टूटना और मुद्रास्फीति का दबाव दुनिया के तमाम देशों पर मंडरा रहा है। ऐसे संक्रमण काल में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से की गई सात प्रमुख अपीलें केवल सरकारी निर्देश नहीं, बल्कि एक सजग राष्ट्र के निर्माण का ब्लूप्रिंट हैं। यह आव्हान भारत को आर्थिक झटकों से बचाने और आत्मनिर्भरता के संकल्प को धरातल पर उतारने का एक महायज्ञ है।

प्रधानमंत्री की अपीलों के केंद्र में भारत की विदेशी मुद्रा भंडार की सुरक्षा और राजकोषीय घाटे को नियंत्रित करना है। भारत अपनी जरूरत का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है, जिसमें कच्चा तेल, सोना और खाद्य तेल प्रमुख हैं। प्रधानमंत्री ने पेट्रोल-डीजल के सीमित उपयोग और सार्वजनिक परिवहन व कारपूलिंग पर जोर दिया है। जब हम मेट्रो या बस का विकल्प चुनते हैं, तो हम केवल अपना पैसा नहीं बचाते, बल्कि देश के उस कीमती डॉलर को बचाते हैं जो कच्चे तेल के आयात में खर्च होता है। वर्क फ्रॉम होम का सुझाव इसी दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है, जो न केवल ईंधन की खपत घटाएगा बल्कि शहरी बुनियादी ढांचे पर दबाव भी कम करेगा।

भारतीय समाज में सोने के प्रति गहरा लगाव है, लेकिन आर्थिक दृष्टि से यह डेड इन्वेस्टमेंट की श्रेणी में आता है। अनावश्यक सोना न खरीदने और गैर-जरूरी विदेशी यात्राओं को टालने की अपील सीधे तौर पर देश के बाहर जाने वाली पूंजी को रोकने का प्रयास है। यह समय देश दर्शन का है, जिससे स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिले और विदेशी मुद्रा की बचत हो।

संकट के इस समय में प्रधानमंत्री ने देश के अन्नदाताओं और रसोई के स्वास्थ्य पर भी ध्यान केंद्रित किया है। रासायनिक उर्वरकों (केमिकल फर्टिलाइजर) पर निर्भरता कम करना और प्राकृतिक खेती को अपनाना मिट्टी की उर्वरता और देश की आर्थिक सेहत दोनों के लिए जरूरी है। फर्टिलाइजर सब्सिडी का एक बड़ा बोझ सरकार पर होता है; प्राकृतिक खेती इसे कम कर किसानों को आत्मनिर्भर बनाएगी।

भारत खाद्य तेलों के लिए विदेशों पर निर्भर है। तेल का कम उपयोग न केवल आयात बिल को कम करेगा, बल्कि देश में जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों को घटाकर एक स्वस्थ समाज के निर्माण में भी सहायक होगा।

प्रधानमंत्री की सातवीं अपील-स्वदेशी अपनाएं-इस पूरे अभियान की आत्मा है। वैश्विक अस्थिरता के इस दौर में वही देश सुरक्षित हैं, जिनकी अर्थव्यवस्था अपनी आंतरिक खपत और उत्पादन पर टिकी है। विदेशी ब्रांडों के बजाय स्थानीय उत्पादों को वरीयता देना छोटे उद्यमियों, कारीगरों और लघु मध्यम उद्योग के लिए संजीवनी के समान है। जब एक भारतीय मेड इन इंडिया उत्पाद खरीदता है, तो वह सीधे तौर पर किसी भारतीय परिवार के घर में समृद्धि का दीपक जलाता है।

किसी भी राष्ट्र की शक्ति उसकी सरकार की नीतियों में नहीं, बल्कि उसके नागरिकों की सामूहिक इच्छाशक्ति में निहित होती है। 1965 के युद्ध के समय लाल बहादुर शास्त्री के एक आ ान पर देश ने एक वक्त का उपवास रखा था। आज, 2026 के इस आर्थिक मोर्चे पर प्रधानमंत्री मोदी वैसी ही नागरिक सहभागिता की अपेक्षा कर रहे हैं।

- डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत,
लेखक

राशिफल रविवार 17 मई, 2026

पंडित अनिल शर्मा

प्रथम ज्येष्ठ मास (अधिक), शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2083, कृत्तिका नक्षत्र दिन 2:32 तक, शोभन योग प्रातः 6:15 तक, किस्तुघ्न करण दिन 11:36 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृष, चन्द्रमा-वृष, मंगल-मेष, बुध-मेष, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज से ज्येष्ठ अधिक (पुरूषोत्तम) मास आरम्भ होगा। आज से गंगादशाश्व मेघ स्नान आरम्भ है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:22 से 9:03 तक, लाभ-अमृत 9:03 से 12:23 तक, शुभ 2:03 से 3:44 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:42, सूर्यास्त 7:04

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

वृष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मिथुन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मन में असंतोष बना रहेगा।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। आज मनोरंजन के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

सिंह
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है।शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है।

वृश्चिक
परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आपसी सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

धनु
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मकर
परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कुंभ
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से अटके हुए कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 283 प्रभात जयपुर, रविवार 17 मई, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

The Ink of Independence

Sulekha Ink's slogan was "Swadeshi industry is the backbone of a nation, foreign factories are adverse to independent India." The ink company became synonymous with India's struggle

"Clay Maestro of Rajasthan"

The Dravidian Echo of Tamil in Pakistan's Balochistan

क्या राहुल गांधी ने अपनी रीति-नीति बदली है?

क्या इस बदली शैली का असर अब कर्नाटक में भी दिखेगा?

- पहले राहुल पार्टी में शांति बनाए रखने की इच्छा से शायद सबको सब तरह के वादे करते थे और इससे अन्ततोगत्वा कोई भी खुश नहीं रहता था व राहुल की छवि भी ढुलमुल नेता की होती जा रही थी।
- केरल में पहली बार, राहुल ने वेणुगोपाल के दबाव को नकारा तथा सतीशन को मु.मंत्री बनाया, जनता का उम्मीदवार मानते हुए।
- कर्नाटक में भी मु.मंत्री सिद्धारमैया का तथाकथित ढाई साल का कार्यकाल पूरा होने पर डीके शिवकुमार को मु.मंत्री पद देने का वादा था, क्या वादा पूरा करेंगे, राहुल? यह मामला अभी तक टलता रहा है, कभी कई राज्यों के चुनाव (बिहार, बंगाल, तमिलनाडु, केरल आदि) के बहाने से।
- पर, अब कर्नाटक का मसला टलने की स्थिति में नहीं है और अब लग रहा है, अपनी बात रखने के लिए राहुल वादा निभाएंगे?
- वर्तमान मु.मंत्री सिद्धारमैया की मंत्रिमंडल के विस्तार की इजाज़त की अर्ज़ी अस्वीकार कर डीके शिवकुमार को कमान सौंपेंगे।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मई। केरल के बाद कांग्रेस का फोकस अब कर्नाटक की ओर स्थानांतरित होने वाला है, जहाँ लंबे समय से नेतृत्व का मुद्दा सुलझाए जाने का इंतज़ार है।

इसे पिछले कई महीनों से टाला जा रहा है, कभी चुनाव के नाम पर, कभी कोई अन्य बहाना लेकर, जो भी नेतृत्व के दिमाग में आता है।

दिलचस्प बात यह है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार डी.के. शिवकुमार के बीच सत्ता संघर्ष के बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कथित रूप से मुख्यमंत्री पद के संभावित उम्मीदवार के रूप में सामने आए हैं।

घटनाक्रम के इस बदलाव को दर्शाने वाले पोस्टर भी नज़र आने लगे हैं।

लेकिन सूत्रों का कहना है कि यह परिदृश्य थोड़ा दूरगामी है।

सिद्धारमैया अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करना चाहते हैं। वे कैबिनेट फेरबदल की अनुमति चाहते हैं ताकि अपनी स्थिति मजबूत कर सकें और सत्ता में शीर्ष पर होने का आभास दे सकें।

डी.के. शिवकुमार से यह वादा किया गया था कि सिद्धारमैया के ढाई साल पूरे होने के बाद उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाएगा।

लेकिन वे अब भी प्रतीक्षा में हैं और आशा कर रहे हैं, पर नेतृत्व की ओर से कोई संदेश नहीं आया है।

सवाल यह उठता है कि राहुल ऐसे वादे और प्रतिबद्धताएं क्यों करते हैं, जिन्हें वे पूरा नहीं कर सकते? ऐसा लगता है कि यह उनके लिए आदत बन गया है।

कई राज्यों में कांग्रेस में अंदरूनी लड़ाई और सत्ता संघर्ष चल रहा है, जो कांग्रेस की पहचान बन गई है और अब कर्नाटक इस संघर्ष का नवीनतम मंच बनने जा रहा है।

'पंजाब में निगम चुनाव बैलेट पेपर से होंगे'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मई। पंजाब में नगर निगम चुनावों की घोषणा के साथ ही, मतपत्र के उपयोग को लेकर तीव्र राजनीतिक बहस शुरू हो गई है।

चुनाव आयोग की पंजाब इकाई ने कहा है कि नगर निगम चुनाव इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की बजाय, मतपत्र के माध्यम से होंगे, जिस पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तुरंत विरोध जताया।

पंजाब भाजपा के अध्यक्ष सुनील जाखड़ की अगुवाई में प्रतिनिधि मंडल ने राज्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात की और मांग की कि चुनाव ईवीएम के माध्यम से कराए जाएँ, जैसा कि पहले की प्रथाओं में होता रहा है।

- पंजाब के चुनाव आयोग के इस आदेश से राज्य में बहस छिड़ गई है। भाजपा ने इस आदेश का कड़ा विरोध किया है।

भाजपा नेता का आरोप है कि आम आदमी पार्टी सरकार संभावित हार के डर से मतपत्र प्रणाली लागू कर रही है, ताकि मतगणना के दौरान वोटों में हेर-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जून के मध्य में भाजपा की केन्द्रीय सरकार व संगठन में भारी फेरबदल?

मोदी सरकार के मंत्रिमंडल की 21 मई की बैठक में इस मुद्दे पर गंभीर चर्चा होगी

- मंत्रिमंडल में उन राज्यों के प्रतिनिधियों को स्थान मिलेगा, जहाँ 2027 में चुनाव होंगे, जैसे उत्तर प्रदेश व पंजाब।
- युवा नेता व महिलाओं को मंत्रिमंडल में नव नियुक्तियाँ मिल सकती हैं। साथ ही पार्टी तेलंगाना को भी महत्व देगी, क्योंकि तेलंगाना में अभी तक भाजपा को ज्यादा सफलता नहीं मिली है। उदाहरण के लिए केके अरूणा का नाम जोरों से चल रहा है महिला कोटा में, मंत्रिमंडल में शामिल होने के लिए।
- यह भी माना जा रहा है कि राघव चड्ढा को भी संगठन में भारी पद मिल सकता है, पंजाब में चुनाव की दृष्टि से।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मई। कभी भी पैरों तले जमीन न छोड़ने वाले संगठन के रूप में विख्यात भाजपा पार्टी के नेतृत्व ने, पश्चिम बंगाल में अपनी शानदार जीत के तुरंत बाद, संगठन और सरकार दोनों के पुनर्गठन का कार्य शुरू कर दिया है।

केन्द्र सरकार में कैबिनेट का फेरबदल लंबित था, क्योंकि एनडीए सरकार के लगातार तीसरे कार्यकाल में 9 जून 2024 को शपथ लेने के बाद कैबिनेट का कोई विस्तार या फेरबदल नहीं हुआ था। इसी समय, नए भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन अपनी नई टीम की घोषणा करने वाले हैं। इस विषय पर प्रारंभिक चर्चा 21 मई को होने वाली केन्द्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक में होने की संभावना है।

केन्द्रीय कैबिनेट में नए शामिल होने वाले चेहरों में उन राज्यों के प्रतिनिधि हो सकते हैं, जहाँ अगले विधानसभा चुनाव 2027 में होने हैं, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश और पंजाब। साथ ही, कुछ अनुभवी मंत्रियों को विशेष रुप से चुनावाधीन राज्यों में संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं।

अटकलें हैं कि केन्द्रीय कैबिनेट का विस्तार जून के दूसरे सप्ताह में होगा, मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के दूसरे वर्ष की समाप्ति से पहले या तुरंत बाद। युवा और महिलाओं को केन्द्रीय कैबिनेट में जगह मिलने की संभावना है। भाजपा नेतृत्व पश्चिम बंगाल को पुरस्कृत करने की योजना बना रहा है,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अगर आप अपना फोन नहीं देंगे तो वो बंदूक निकाल लेंगे'

प्रैस ब्रीफिंग के दौरान पत्रकार पर गरम हुए रूस के विदेश मंत्री लावरोव

- सर्गेई लावरोव की प्रैस ब्रीफिंग के दौरान एक पत्रकार तेज आवाज़ में फोन पर बात कर रहा था, लावरोव ने तीन बार उसे टोका, अंत में वे भड़क गए।
- रूसी भाषा में पत्रकारों से वार्ता कर रहे लावरोव ने तीन बार अंग्रेजी भाषा में उसे चेतवानी दी थी या आप चुप रहें या अपना फोन बंद करें। पर, थोड़ी देर बाद उक्त पत्रकार ने पुनः फोन पर बात की तो लावरोव भड़क गए और बोले, मैं मज़ाक नहीं कर रहा हूँ, अगर आप फोन बंद नहीं करते है तो ये (सुरक्षाकर्मी) गन निकाल लेंगे।
- ज्ञातव्य है कि रूस के विदेश मंत्री नई दिल्ली में चल रहे ब्रिक्स विदेश मंत्रियों के सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आए हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मई। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली में अपनी यात्रा के दौरान रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव का मीडिया के साथ एक तनावपूर्ण पल वायरल हो गया, जब उन्होंने एक पत्रकार को मीडिया ब्रीफिंग के दौरान चेतावनी दी कि अगर व्यवधान जारी रहा तो सुरक्षा कर्मी "बंदूक निकाल सकते हैं।"

मीडिया ब्रीफिंग के दौरान एक पत्रकार, जो कथित तौर पर फोन पर बात कर रहा था, ने बार-बार व्यवधान डाला। इस लगातार व्यवधान के कारण लावरोव ने ब्रेक लिया और सुरक्षा अधिकारियों से हस्तक्षेप करने को कहा।

इस दौरान लावरोव ने कहा, "क्या आप हमें अकेला छोड़ सकते हैं? या तो आप खुद या आपका फोन। इसके बाद उन्होंने ब्रीफिंग फिर से शुरू की।

लेकिन कुछ ही क्षण बाद व्यवधान फिर हुआ, जिससे रूस के विदेश मंत्री ने कड़ा रुख अपनाया।

उन्होंने कहा, "क्या आप हमें छोड़ सकते हैं? मैं मज़ाक नहीं कर रहा। अगर आप अपना फोन नहीं देंगे, तो वे बंदूक निकाल लेंगे।"

लावरोव भारत में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने आए थे और इस दौरान उन्होंने भारतीय नेताओं के साथ कई उच्च-स्तरीय बैठकें भी कीं।

उन्होंने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ, चल रहे अंतरराष्ट्रीय संघर्षों, जिनमें यूक्रेन और पश्चिम एशिया की परिस्थितियाँ भी शामिल हैं, पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, लावरोव ने प्रधानमंत्री को भारत-रूस सहयोग में हुए विकास के बारे में अवगत कराया, जो दिसंबर 2025 में हुई 23वीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पाक तय करे, भूगोल का हिस्सा बनेगा या इतिहास का'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मई। इस्लामाबाद को कड़ी सैन्य चेतावनी देते हुए, सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि अगर पाकिस्तान आतंकवादियों को आश्रय देना, और भारत के खिलाफ गतिविधियाँ जारी रखता है, तो उसे यह "निर्णय लेना होगा कि वह भूगोल का हिस्सा बनना चाहता है या इतिहास का।"

- आर्मी चीफ उपेन्द्रनाथ द्विवेदी ने पाकिस्तान को स्पष्ट चेतावनी देते हुए, भारत विरोधी आतंकी गतिविधियाँ बंद करने को कहा।

दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में 'यूनिफॉर्म अनवील्ड' द्वारा आयोजित एक इंटरैक्टिव सत्र में, जब उनसे पूछा गया कि अगर पिछले साल के ऑपरेशन सिंदूर की परिस्थितियाँ फिर से उत्पन्न होती हैं, तो भारतीय सेना कैसे प्रतिक्रिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीट पेपर लीक में पुणे की बॉटनी प्रोफेसर दिल्ली से गिरफ्तार हुई

उक्त प्रोफेसर मनीषा गुरुनाथ मंडहरे को एनटीए ने बतौर एक्सपर्ट नियुक्ति दी थी

- सीबीआई मनीषा गुरुनाथ मंडहरे से पूछताछ कर रही है। पता चला है कि उसने अप्रैल में एक अन्य आरोपी पुणे की मनीषा वाघमारे के जरिए नीट अभ्यर्थियों से संपर्क किया था और उन्हें अपने घर पर कोचिंग दे रही थी।
- उसने अभ्यर्थियों को बॉटनी व ज़ूलॉजी के वे प्रश्न लीक किए जो 3 मई के पेपर में आए थे।
- सीबीआई ने गत 24 घंटे में देश भर में 6 जगहों पर रेड की, कई दस्तावेज, लैपटॉप, मोबाइल फोन आदि जब्त किए। अब तक दिल्ली, जयपुर, गुडगाँव, नासिक, पुणे व अहिल्या नगर से 9 आरोपी पकड़े जा चुके हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मई। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आज बताया कि पुणे की वनस्पति विज्ञान (बॉटनी) की एक महिला शिक्षक को दिल्ली में नीट-यूजी बायोलॉजी पेपर लीक मामले में गिरफ्तार किया गया है, जिससे गिरफ्तार आरोपियों की कुल संख्या नौ हो गई है।

सीबीआई ने बताया कि पूछताछ किये जाने के बाद वनस्पति विज्ञान की शिक्षक, मनीषा गुरुनाथ मंडहरे, को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया।

सीबीआई ने बताया कि उन्होंने नैशनल टैस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त होने के बाद, नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (अंडरग्रेजुएट) प्रक्रिया में काम किया था।

अप्रैल में, उन्होंने पुणे की एक अन्य आरोपी मनीषा वाघमारे, जो पहली ही गिरफ्तार हो चुकी हैं, के माध्यम से नीट उम्मीदवारों से संपर्क किया और अपने घर पर इन छात्रों को कोचिंग क्लास दी।

सीबीआई के अनुसार, उन्होंने कथित तौर पर बॉटनी और जूलॉजी के महत्वपूर्ण सवालों को छात्रों को बताकर उन्हें नोटबुक में लिखने और अपनी किताबों में मार्क करने को कहा। जांच एजेन्सी ने बताया कि उनमें से अधिकांश सवाल नीट-यूजी की वास्तविक परीक्षा (3 मई को हुई) से मेल खा रहे थे।

सीबीआई ने पिछले 24 घंटों में देशभर के छह स्थानों पर छापेमारी भी की और आपत्तिजनक दस्तावेज़, लैपटॉप, बैंक स्टेटमेंट और मोबाइल फोन जब्त किए। जब्त की गई वस्तुओं का विस्तृत विश्लेषण किया जा रहा है।

अब तक गिरफ्तार नौ आरोपी दिल्ली, जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, पुणे और अहिल्यानगर के निवासी हैं। इनमें से पांच सात दिन के लिये पुलिस हिरासत में हैं; पुणे से गिरफ्तार दो आरोपियों को दिल्ली लाया जा रहा है। शेष से पूछताछ की जा रही है।

ज्यादा बच्चे पैदा करने पर ईनाम देंगे चन्द्रबाबू

आंध्र प्रदेश, 16 मई। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने आज राज्य में घटती जनसंख्या दर को रोकने के लिए बड़ा ऐलान किया। श्रीकाकुलम जिले के नरसन्नापेटा में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान नायडू ने कहा कि तीसरे बच्चे के जन्म पर परिवार को 30 हजार रुपये और चौथे बच्चे पर 40 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। सरकार अगले एक महीने में इस योजना का विस्तृत खाका जारी करेगी।

- कभी जनसंख्या नियंत्रण के समर्थक रहे आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने आंध्र प्रदेश में घटती जन्मदर पर चिंता जताई और घोषणा की कि तीसरे बच्चे के जन्म पर 30 हजार और चौथे पर 40 हजार रु. दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने यह घोषणा "स्वर्ण आंध्र-स्वच्छ आंध्र" कार्यक्रम के दौरान की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अब जनसंख्या वृद्धि को बढ़ावा देने की दिशा में काम करेगी।

नायडू ने कहा, मैंने नया फैसला लिया है। तीसरे बच्चे के जन्म पर 30 हजार रुपये और चौथे बच्चे पर 40 हजार रुपये दिए जाएंगे। क्या यह सही फैसला नहीं है?

दिलचस्प बात यह है कि चंद्रबाबू नायडू पहले जनसंख्या नियंत्रण के समर्थक माने जाते थे। लेकिन अब उन्होंने कहा कि समय बदल चुका है और समाज को जन्म दर बढ़ाने के लिए मिलकर काम करना होगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अदालती आदेश की अवहेलना पर जयपुर कलैक्टर को अवमानना नोटिस

जयपुर, 16 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद अतिक्रमण से जुड़े मामले में अभ्यावेदन तय नहीं करने पर जयपुर कलेक्टर संदेश नायक को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने ये आदेश लक्ष्मण सिंह नरूका की ओर से दायर अवमानना याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

- हाई कोर्ट ने फागी के गाँव में आम रास्ते पर अतिक्रमण के बारे में अभ्यावेदन लेकर 3 सप्ताह में विधि सम्मत कार्यवाही के लिए कहा था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा अपनी विश्वसनीयता स्थापित करने में जुटी बंगाल में

एक तरफ तो हाऊस ऑफ टाटा से पुनः बंगाल में लौटने की गंभीरता से बात चलाई जा रही है

- दूसरी और मु.मंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को निलंबित करने के आदेश दिए, आर.जी. कर हॉस्पिटल एवं मैडिकल कॉलेज में एक युवा डॉक्टर के साथ बलात्कार व हत्या के मामले में पूर्ण निष्ठा से काम नहीं करने के आरोप में।
- तथा मु.मंत्री ने ये आदेश भी दिए कि सड़कों पर नमाज़ पढ़ने की प्रवृति तथा लाउड स्पीकर के धार्मिक स्थानों पर उपयोग को प्रतिबंधित करने के प्रयास होंगे।
- साथ ही ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के चुनाव क्षेत्र, डायमंड हार्बर में उनके सबसे नज़दीकी व शाबाशी प्राप्त समर्थक जहाँगीर खान को भी सार्वजनिक चेतावनी देकर निष्क्रिय करना इस बात को स्थापित करने का प्रयास है कि सरकार बदल गई है।

अंजन रॉय ----
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मई। बंगाल में हाल ही में निर्वाचित भाजपा सरकार ने अपनी विश्वसनीयता साबित करने के लिए राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्रों में तेज़ी से कई कदम उठाए हैं।

नये प्रशासन ने कड़े आदेश जारी किए हैं कि "कट मनी" की किसी भी मांग पर सख्ती से कार्यवाही की जाएगी, सड़कों पर कोई धार्मिक प्रार्थना नहीं होगी, तथा अन्य कई और नियमों के साथ -साथ, धार्मिक स्थलों में लाउडस्पीकर के उपयोग पर रोक लगनी चाहिए।

राज्य में टाटा घराने की फिर से एंट्री को लेकर व्यापक उम्मीदें हैं। पुनर्निर्माण को कुछ व्यवस्थित करने की कोशिश में अनधिकृत इमारतों की एक श्रृंखला को ध्वस्त कर दिया गया है। मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने ममता बनर्जी के भतीजे पर कड़ा रुख अपनाया और अभिषेक बनर्जी की फर्मों की अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई का वादा किया।

ममता बनर्जी के भतीजे, अभिषेक बनर्जी के निर्वाचन क्षेत्र में जाकर, अधिकारी ने मतदाताओं से स्वतंत्र रूप से अपना मतदान करने की अपील की। चुनाव आयोग ने फाल्टा निर्वाचन क्षेत्र में 21 मई को पुन: मतदान घोषित किया है।

अधिकारी ने फाल्टा के लोगों से क्षेत्र के लिए कई नई योजनाओं का वादा किया। उल्लेखनीय है कि लेफ्ट सरकार ने फाल्टा में बंगाल का पहला फ्री ट्रेड ज़ोन स्थापित किया था। लेकिन, अब यह एफ.ई. ज़ैड़ बुरी तरह से बीमारु हालत में है और ज्यादातर बंद हो चुका है। तृणमूल कांग्रेस ने इस निर्वाचन क्षेत्र पर सबसे अधिक दखल दिया था।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने फाल्टा क्षेत्र में मतदान रद्द कर दिया, क्योंकि ई.वी.एम. में छेड़छाड़ हुई थी। अधिकांश बूथों में भाजपा का बटन टेप से चिपका हुआ पाया गया।

अभिषेक बनर्जी ने डायमंड हार्बर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से सात लाख वोट के अंतर से जीत का देश भर में रिकॉर्ड बनाया था। मुख्यमंत्री अधिकारी ने बनर्जी के करीबी सहयोगी जहाँगीर खान को चेतावनी दी थी कि किसी भी अवैध कार्रवाई से सख्ती से निपटाया जाएगा।

खान ने क्षेत्र के मतदाताओं को मतदान के लिए बाहर जाने पर गंभीर परिणामों की धमकी दी थी। खान और उनके गुंडों ने लोगों के घरों में प्रवेश कर उन्हें धमकाया; कई लोगों को बलात्कार और हत्या की धमकी दी गई थी।

एक बहुत महत्वपूर्ण कदम के रूप में, विवादास्पद आर.जी. कर अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में हुए बलात्कार और हत्या मामले में तीन आई.पी.एस.अधिकारियों को तत्काल निलंबित करने का आदेश दिया गया। नए मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने आज कोलकाता में सस्पैंशन का आदेश दिया और इसकी घोषणा की।

ज्ञातव्य है कि एक युवा महिला डॉक्टर को राज्य के आर.जी. कर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संक्षिप्त

ऑनलाइन आवेदन 22 तक

निवाई। राजकीय महाविद्यालय में प्रथम वर्ष के लिए ऑनलाइन आवेदन 22 मई तक होंगे एवं 1 जुलाई से कक्षाओं का शुभारंभ होगा। स्नातक प्रवेश प्रभारी प्रो. मदनमोहन महावर ने बताया कि कॉलेज शिक्षा आयुक्तलय ने सरकारी कॉलेज में स्नातक प्रथम वर्ष सेमेस्टर प्रथम में प्रवेश तिथि में 22 मई तक की वृद्धि की है। उन्होंने बताया कि शैक्षिणक सत्र 1 जुलाई से शुरू होगा। सभी अभिभावकों एवं छात्रों को इस सत्र में विशेष ध्यान रखकर समय पर आवेदन करना है जिससे वह आवेदन से वंचित नहीं रहे। महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर कला एवं विज्ञान संकाय में गणित एवं जीव-विज्ञान विषय में आवेदन मांगे जा रहे हैं। ऑनलाइन आवेदन 22 मई तक भरे जाएंगे और वरीयता सूची एवं प्रतीक्षा सूची का प्रकाशन 26 मई को होगा। वरियता सूची एवं प्रतीक्षा सूची के सभी विद्यार्थियों के महाविद्यालय में डाक्यूमेंट सत्यापन करवाने के बाद एवं ईमित्र पर फीस जमा करवाएं। फीस जमा करवाने की अंतिम तिथि 30 मई है। उन्होंने बताया कि ट्रांसजेंडर व शहीदों के पुत्र पुत्रियों व जिनके माता-पिता दोनों अथवा जिन छात्राओं के पति की मृत्यु कोविड से हो गई है, उन्हें भी न्यूनतम उत्तीर्णांक पर प्रवेश दिया जाएगा। सह शिक्षा वाले कॉलेज में 30 फीसदी सीट छात्राओं के लिए रिजर्व रहेंगे। प्राचार्य प्रो. मीनाक्षी बघेल ने बताया कि विद्यार्थियों की आवेदन ऑनलाइन भरना होगा या आवेदन ई मित्र तथा अपने स्तर पर विद्यार्थी भर सकेंगे आवेदन में सबसे पहले संबंधित विद्यार्थी को एसएसओ आईडी बनानी होगी। इसी के माध्यम से फॉर्म भरने की प्रक्रिया होगी। इसमें सिटीजन सोशल एप्लीकेशन में इसकी प्रक्रिया करनी होगी। ऑनलाइन आवेदन भरते समय अपने जन आधार नंबर को सही भरें। कक्षा 10 वीं 12 वीं की मार्कशीट कैटिगरी सर्टिफिकेट जो निर्धारित शर्तें पूरी करता है तो बोनस अंक के लिए क्लेम वाले प्रमाण पत्र सहित अन्य दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड करने होंगे।

साइबर सुरक्षा से जागरूक किया

कोटपूतली । जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के निर्देशानुसार एलीट फाउण्डेशन संस्था के छात्र-छात्राओं को महिला सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता के तहत पुलिस थाना कोटपूतली परिसर का भ्रमण करवाया गया। संस्था द्वारा अधिकारियों-कर्मचारियों को हरित-पौधा देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को थाना की कार्यशैली, पुलिस कार्यप्रणाली एवं आमजन की सुरक्षा हेतु किए जाने वाले कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों द्वारा छात्राओं को साइबर अपराधों से बचाव, सोशियल मीडिया का सुरक्षित उपयोग, ऑनलाईन ठगी, फर्जी कॉल, ओटीपी फ्रॉड एवं साइबर हैल्पलाईन 1930 के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी देकर जागरूक किया गया। साथ ही छात्राओं को महिला सुरक्षा से संबंधित कानूनों, हैल्पलाईन नंबरों एवं पुलिस की सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी गई। पुलिस द्वारा छात्राओं को किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि, साईबर अपराध अथवा महिला उत्पीडन की घटना होने पर तुरंत पुलिस को सूचना देने हेतु प्रेरित किया गया। जिला पुलिस द्वारा आमजन एवं छात्र-छात्राओं को जागरूक करने हेतु इस प्रकार के अभियान लगातार जारी रहेंगें। इस मौके पर डीएसपी राजेन्द्र बुरडक, थानाधिकारी राजेश शर्मा, साईबर सैल के कर्मचारी व पुलिसकर्मी मौजूद रहें।

परीक्षा 20 मई को

टोंक। जिला समन्वयक प्रो. लोकेश कुमार शर्मा ने बताया कि वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा टॉक जिले में दिनांक 20 मई 2026 को प्री.डी.ईएल.ईडी. परीक्षा 2026 का आयोजन किया जायेगा। इस परीक्षा में टोंक में लगभग 16646 परीक्षार्थी परीक्षा हेतु पंजीकृत है। टोंक जिले में इस परीक्षा हेतु 23 केन्द्र (06 राजकीय एवं 17 निजी) बनाये गये है। जिनपर दो पारीयों में (प्रथम पारी प्रात: 09.00 से दोपहर 12.00 बजे तक एवं द्वितीय पारी दोपहर 02.30 बजे से सांय 05.30 बजे तक) आयोजित होगी। जिला सह समन्वयक डॉ. महेश कुमावत ने बताया कि विश्वविद्यालय की बेबसाईट से 15.05.2026 से प्रवेश-पत्र डाउनलोड होना शुरू हो चुके है। अत: परीक्षार्थी ऑनलाईन अपना प्रवेश पत्र प्राप्त कर ले। डॉ. कुमावत ने बताया की परीक्षार्थियों को प्रवेश की अनुमती प्रात: पारी में 07.30 से 08.30 बजे तक एवं द्वितीय पारी में दोपहर 01.00 से 02.00 बजे तक होगी। निर्धारित समय के बाद परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश सम्भव नहीं होगा।

कुएं में डूबने से 17 वर्षीय बालिका की मौत

■ समाज के लोगों व भीम सेना के पदाधिकारियों ने कार्रवाई करने की मांग को लेकर बस स्टेण्ड पर किया विरोध प्रदर्शन

निवाई/टोंक। कुएं में डूबने से एक 17 वर्षीय बालिका की मौत हो गई। उक्त मामले को लेकर सैंकड़ों लोगों ने बालिका की हत्या करने की आशंका पर अति शीघ्र मामले का खुलासा करने, पारदर्शी जांच करने, आरोपितों पर कठोर कार्रवाई करने एवं परिजनों को सरकार से मुआवजा दिलवाने की मांग को लेकर बस स्टेण्ड पर विरोध प्रदर्शन किया। जिससे बस स्टेण्ड पर जाम लग गया।

गांव दहलोद में कुएं में गिरने से एक 17 वर्षीय बालिका की मौत हो गई थी। जिसकी सूचना पर डीवाईएसपी रवि प्रकाश शर्मा व थानाधिकारी हीरालाल वर्मा मय जाब्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से बालिका के शव को कुएं से बाहर निकाला। शव को उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। बालिका के पिता ओमप्रकाश बैरवा ने कि मृतक बालिका 13 मई से लापता थी। जिसकी 14 मई को दतवास थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। परिजनों व पुलिस लगातार बालिका की तलाश में जुटी हुई थी। तीन दिन बाद शनिवार की सुबह करीब 7:30 बजे बालिका के निवास स्थान से करीब 200 मीटर की दूरी पर स्थित एक कुएं में बालिका का शव तैरता हुआ मिला। उक्त मामले को लेकर शंकरलाल हाथीवाल, रमेशचन्द मीणा, योगराज गंगवाल, बनवारीलाल बैरवा, शिवराज गोठवाल, ज्ञानचन्द टाटावत व संजीव निरंकारी सहित समाज के लोगों व भीम सेना के पदाधिकारियों ने बालिका की हत्या करने की आशंका जताते हुए पुलिस के अधिकारियों से मामले का अति शीघ्र खुलासा करवाने व दोषियों पर कठोर कार्रवाई करने एवं बालिका के परिजनों को मुआवजा दिलवाने की मांग को लेकर बालिका का शव लेने से इनकार कर दिया और बस स्टैण्ड पर धरना प्रदर्शन करने लगे।

जिस पर थानाधिकारी घासीराम मीणा, सदर थानाधिकारी राजेंद्र प्रसाद व दतवास थानाधिकारी हीरालाल वर्मा ने करीब सवा घंटे तक काफी समझाइश एवं आश्वसन के बाद बालिका शव लेने को परिजन राजी हुए। पुलिस ने शव का पोस्ट मार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

पुलिस ने निवाई बस स्टैण्ड पर प्रदर्शन कर रहे लोगों से समझाइश की।

कुंवर नटवर सिंह को याद किया

भरतपुर (निस)। पदम भूषण से सम्मानित पूर्व विदेश मंत्री कुंवर नटवर सिंह के 97 वें जन्म दिवस पर श्री हनुमान मंदिर भूरी सिंह व्यायामशाला भरतपुर में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें सर्व समाज व सभी दलों के नेताओं ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए व उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। पूर्व सांसद पंडित रामकिशन ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि आज दुनियां में जो हो रहा है उस पर अगर आज वो जीवित होते तो उनके विदेश नीति के अनुीाव भारत सरकार को लाभान्वित करते। विदेश मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल सराहनीय रहा।

व्यायामशाला के संचालक जिला कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुन्नी कप्तान ने कु. नटवर सिंह के प्रथम बार सांसद चुने जाने पर भरतपुर में 1984 से 1989 तक के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि धोरमुई तेल डिपो की स्थापना व किसानों के लिए खाद उपलव्धता सराहनीय कार्य था । जाट सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेमसिंह कुंतल ने उनके राजदूत विदेश सचिव व विदेश मंत्री तक के कार्यों की कजानकारी दी। अन्य वक्ताओं में शहर कांठोस अध्यक्ष डॉ. दयाचंद पचोरी, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष राजाराम भूतोली, पूर्व रेंजर बाबूसिंह, भाजपा के उपाध्यक्ष रज्जन सिंह महुआ, दुर्गेश बूटोलिया, गोविन्दसिंह भगोर, नोनिहाल सिंह डागुर, राकेश फौजदार, पूर्व पार्षद रमेश पाठक, गंगाराम, पंडित अनिल भारद्वाज, जीवनलाल, ईश्वर सिंह बछामदी, हरी सिंह पूर्व तहसीलदार, संजय चंदेला, बृजेश शर्मा, रमेश सतीजा, ओमप्रकाश ठाकुर थे।

सीएम का गांव मंढा में ग्रामीणों से संवाद

■ रोजगार, शिक्षा, जनजाति विकास तथा अन्य स्थानीय विषयों पर विस्तार से चर्चा की

पावटा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के गांव मंढा में वीसी के माध्यम से देर रात तक ग्राम विकास चौपाल में महिलाओं, किसानों, युवाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों से आत्मीय संवाद किया। चौपाल में मुख्यमंत्री ने वर्चुअल खेती, सिंचाई, पेयजल, सड़क, बिजली, रोजगार, शिक्षा, जनजाति विकास तथा अन्य स्थानीय विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

ग्राम मंढा में आयोजित ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम में ग्रामीण विकास, किसान कल्याण एवं जनहित योजनाओं को लेकर उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में राजस्थान के मुख्यमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से जुड़कर किसानों, युवाओं, पशुपालन, पर्यावरण संरक्षण एवं ग्रामीण विकास से जुडे विषयों पर विस्तार से संबोधित किया। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसान देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं तथा राज्य सरकार किसानों के हितों के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। कार्यक्रम में विधायक कुलदीप धनकड ने कहा कि राज्य सरकार गांव, गरीब और किसान के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि ग्राम विकास चौपाल जैसे कार्यक्रमों से सरकार और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित होता है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं का त्वरित समाधान संभव हो पाता है। विधायक ने कहा कि क्षेत्र में सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं तथा किसानों के हित सर्वोपरि हैं। इस दौरान जिला कलेक्टर अर्पणा गुप्ता, पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह, पावटा एसडीएम साधना शर्मा, विराटनगर एसडीएम कपिल उपाध्याय, विराटनगर वृत्ताधिकारी उमेश निठारवाल, मंढा सरपंच सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं ग्रामीण मौजूद रहे। चौपाल के दौरान ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी ।

बेजुबान पक्षियों के लिए लगाए परिंडे

■ जगह जगह मंदिर परिसर में बेजुबान पक्षियों के लिए दाना पानी एवं आवास की व्यवस्था के लिए परिंडे लगाए गए

सांभरझील, (निसं) । कस्बा सहित आसपास के क्षेत्र में लगाए जा रहे हैं बेजुबान पक्षियों के लिए परिंडे लगाकर पुनीत कार्य को अंजाम दिया जा रहा है। मंगलानंद सेवा संस्था के द्वारा नेकी की दीवार योजना अंतर्गत जन सहभागिता के माध्यम से भीषण गर्मी को देखते हुए समाजसेवियों,भामाशाहों के सहयोग से जगह जगह मंदिर परिसर में बेजुबान पक्षियों के लिए दाना पानी एवं आवास की व्यवस्था के लिए परिंडे लगाए गए।

ज्येष्ठ अमावस्या श्री शनिदेव जयंती के शुभ अवसर पर ऐतिहासिक पौराणिक एवं धार्मिक देवयानी सरोवर पर विराजमान श्री जागेश्वर भोलेनाथ मंदिर परिसर में बेजुबान पक्षियों के परिंडे लगाए गए।इस अवसर पर मंगलानंद सेवा संस्था अध्यक्ष आनन्द प्रकाश वर्मा, मंदिर पुजारी छल्लू नाथ महाराज सहित समाजसेवी पूर्व पालिका उपाध्यक्ष मुन्ना लाल शर्मा, भोजराज तंवर,आसकरण खारडियां, रामसिंह, नारायण दास, सहित काफी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे। ग़ौरतलब है कि सांभर कस्बे में संचालित मंगलानंद सेवा संस्था सांभरलेक द्वारा बेजुबान पक्षियों के परिंडे लगातार संचालित करने की जिम्मेदारी लेने वाले समाजसेवियों को संस्था की ओर से पक्षियों के लिए दाना पानी डालने के साथ साथ पक्षियों के रहने की व्यवस्था के परिंडे ही नहीं अपितु अनेकों प्रकार के मिश्रित अनाज का डिब्बा भी निशुल्क उपलब्ध कराया जाता रहा है।

सांभरझील में मंगलानंद सेवा संस्थाकी ओर से गर्मी के मददेनजर पक्षियों के लिए परिंडे लगाए।

श्रद्धा और उल्लास से मनाई शनि जयंती, मंदिर बना आस्था का केंद्र

■ हवन-यज्ञ के बाद हजारों श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर पाई प्रसादी, देर रात तक गूंजते रहे जयकारे

किशनगढ़ बास। शनिदेव की आराधना का पर्व शनि जयंती शुक्रवार को किशनगढ़ बास में पूर्ण श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। अलवर रोड स्थित प्राचीन शनि मंदिर में सुबह ब्रह्ममुहूर्त से ही भक्तों का रेला उमड पडा। पूरा दिन मंदिर परिसर 'ॐ शं शनैश्चराय नम:' और 'जय शनिदेव' के जयकारों से गुंजायमान रहा।

मंदिर के पुजारी पप्पू राम स्वामी ने बताया कि शनि जयंती पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई। सुबह 5 बजे से ही दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। भक्तों ने शनिदेव का तेलाभिषेक कर काले तिल, उड़द, नीले पुष्प और सरसों का तेल चढ़ाकर शनि पीड़ा से मुक्ति की कामना की। नवग्रह शांति के लिए मंदिर परिसर में विद्वान पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में यजमानों ने आहुतियां दीं।

दोपहर 12 बजे से मंदिर के सामने स्वर्णकार समाज के पूजन स्थल पर मंदिर समिति की और से विशाल भंडारे का शुभारंभ हुआ। श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर प्रसादी ग्रहण की। देर शाम तक बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसादी पाई। भंडारे में श्रद्धालु भक्तों ने बढ़-चढ़कर सहयोग दिया।

शुक्रवार सायं करीब 6 बजे मंदिर से शनिदेव की भव्य झांकी निकाली गई। आकर्षक ढंग से सजे रथ में शनिदेव की प्रतिमा विराजमान थी। झांकी अलवर रोड, मुख्य बाजार, होते हुए पुन: मंदिर पहुंची। रास्ते में जगह-जगह पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं ने स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों और डीजे पर भजनों की धुन पर युवा भक्त जमकर थिरके। झांकी में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे शामिल हुए।

आयोजन को सफल बनाने में मंदिर समिति के सदस्यों और सैकडों सेवादारों ने दिन-रात एक कर दिया। प्रसादी वितरण, जल सेवा, पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था में युवाओं ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया। पुजारी पप्पू राम स्वामी ने सभी भक्तों और सेवादारों का आभार जताया।

अघोषित बिजली कटौती से हाल-बेहाल

■ उल्लेखनीय है कि प्रदेश में भीषण गर्मी का दौर चल रहा है, भीषण गर्मी से लोगो के हाल बेहाल हो गये है।

दौसा। राजस्थान इस समय भीषण गर्मी से जूझ रहा है। ऐसे में अघोषित बिजली कटौती से लोगों में सरकार के लिए आक्रोश बढ़ गया है। हालांकि भजनलाल सरकार ने प्रदेश में निर्बाध बिजली-पानी आपूर्ति के निर्देश दिये हैं, लेकिन अधिकारियों की अनदेखी एवं लापरवाही के चलते दौसा जिले में मुख्यमंत्री के निर्देश बेमानी साबित हो रहे है। अघोषित बिजली कटौती का असर शहर की जलापूर्ती पर भी पड रहा है, जिसके चलते लोगो में लगातार आक्रोश बढता ही जा रही है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में भीषण गर्मी को दौर चल रहा है, भीषण गर्मी से लोगो के हाल बेहाल हो गये है। इधर दौसा जिले में जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के आला अधिकारियों की अनदेखी एवं लापरवाही के चलते अघोषित बिजली कटौती से जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित हो गया है, वही शहर की जलापूर्ती भी पूरी तरह से गडबडा गई है। हालांकि प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भीषण गर्मी को देखते हुये निर्बाध-पानी आपूर्ति एवं मोनेटरिंग के निर्देश जारी किय है, इन निर्देशों के बावजूद दौसा के आला अधिकारी की अनदेखी के चलते शहर एवं आसपास के ठामीण क्षेत्रों में लगातार अघोषित बिजली कटौती की जा रही है। मुख्यमंत्री के आदेश बेसअर दिखाई दे रहे है। इस अघोषित बिजली कटौती के बीच बिजली विभाग के जिम्मेदार जूनियर इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर हो या जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के सीनियर इंजीनियर भी फोन नहीं उठाते हैं। सभी अधिकारियों के पास जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड का हेल्पलाइन नंबर है। इतना होने के बाद यह अधिकारी बेपरवाह और लापरवाही की सारी हदें पार करने में लगे है। भीषण गर्मी में अघोषित बिजली कटौती होने से आमजन के पसीने छूट रहे है। दफ्तर में बैठे विद्युत विभाग के आलाधिकारी में बैठकर गर्मी से बेहाल लोगों की समस्या समझ नहीं सकते है।

साथ ही दौसा जिले के अलग अलग इलाकों में बिजली कटौती, ट्रिपिंग और कम वोल्टेज की सैकड़ों शिकायत दफ्तरों में या ऑनलाइन तरीकों से दर्ज करा रहे है, लेकिन विद्युत विभाग के अधिकारियों के द्वारा कोई सुनवाई नहीं हो रही है। अघोषित बिजली कटौती से जिले के कई इलाकों पर पेयजल का खतरा मंडराने लगा है। जिला प्रशासन द्वारा शीघ्र ही अघोषित बिजली कटौती पर नियंत्रण नही किया गया तो जिले में कानून व्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

जिला स्तरीय बैठक में किये जाते है बडे बडे दावें : निगम के अधिकारी जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में होने वाली बैठको में बिजली आपूर्ति को लेकर बडे बडे दावे किये जाते है साथ ही उपभोक्ताओं की समस्याओ का तत्काल प्रभाव से समाधान किये जाने की जानकारी भी दी जाती है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और ही है, शिकायत दर्ज होने के बावजूद उपभोक्ताओ की समस्याओ का समाधान नही होता है। ना ही अघोषित बिजली कटौती की जानकारी दी जाती है। हाल ही में दौसा जिला मुख्यालय पर मेन्टीनेंश के नाम पर तकरीबन एक पखवाडे तक बिजली कटौती की गई थी, इस दौरान निगम के अधिकारियों ने बिजली आपूर्ती मे बाधक बन रहे पेड पौधे, पक्षियों के घोंसले हटाने की महज खानापूर्ती की है। शहर के अधिकांश हिस्सो में बिजली की लाईन के आसपास भारी भरकम पेड लगे हुये हल्की सी आंधी आने के साथ ही बिजली प्रभावित हो जाती है।

गोवर्धन धाम मथुरा के लिए पदयात्रा रवाना

सिरस। श्रीगिर्राज पदयात्रा संघ खलीलाबाद मौजा के तत्वावधान में गोवर्धन धाम मथुरा के लिए 15 वीं पदयात्रा गाजे बाजे के साथ रवाना हुई। पदयात्रा संघ के संचालक श्योजीराम भामू ने बताया कि सुबह 4 बजे राधागोविंद जी के मंदिर में पद यात्रियों ने ध्वज पूजन कर जयकारों के साथ पदयात्रा को रवाना किया। पदयात्रा में गिरिराज महाराज के भजनों पर श्रद्धालु नाचते गाते चल रहे थे। पद यात्रियों ने छीला वाले बालाजी मंदिर में दर्शन करने करके सिरस गांव में केशवराय भगवान के मंदिर में दर्शन किए। पदयात्रा लालसोट, पपलाज माता, घूमना, सिकराय, मेहंदीपुर बालाजी, महुआ, बहरामदा, सिंनसनी व बदनगढ़ होते हुए 22 मई को पूछरी का लोटा गोवर्धन धाम पहुंचकर गिरिराज महाराज की परिक्रमा करेंगे। पदयात्रा में संतरा देवी, संतोष देवी, कांता देवी, रूकमणि देवी, ममता देवी, श्योजीराम भामू, मनीष रजवास, बजरंग बूरी, धारासिंह खटाना, गिरिराज बराला, हनुमान गेट मौज, सत्यनारायण जाट शिवसिंहपुरा, कैलाश गोस्वामी सिरस व धन्ना लाल अभयपुरा सहित कई पदयात्री शामिल थे।

सार-समाचार

अतुल मित्तल दूसरी बार जिलाध्यक्ष निर्वाचित

भरतपुर (निस)। जिला अग्रवाल महासभा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी राकेश गोयल सर्राफ संरक्षक अनुराग गर्ग, राजेश मित्तल एडवोकेट की देखरेख में हुए। जिसमें जिलाध्यक्ष पद पर अतुल मित्तल सीए लगातार दूसरी बार निर्विरोध निर्वाचित हुए। जबकि जिला महामंत्री पद पर ओमप्रकाश गुप्ता अचार वाले, उपाध्यक्ष पद पर प्रमोद कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पद पर अनिल कुमार तथा सदस्य पद पर डॉ.अशोक अठावाल, विशन गुप्ता, प्रीतेश गर्ग, सत्यव्रत आर्य, हेमन्त कुमार गर्ग, राजीव मित्तल एवं दीनदयाल गुप्ता भी निर्विरोध निर्वाचित हुए। जिला निर्वाचन अधिकारी राकेश गोयल सर्राफ ने बताया कि जिला अठावाल महासभा भरतपुर-डीग की संयुक्त जिला कार्यकारिणी का चुनाव 19 मई को होना था,16 मई को अध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष,प्रबन्ध कार्यकारिणी के सात सदस्य पद की नामांकन प्रक्रिया हुई। उन्होंने बताया कि 16 मई को ही सभी पदाधिकारी व सदस्य निर्विरोध चुने गए। इस अवसर पर महासभा के पूर्व जिलाध्यक्ष अनुराग गर्ग, शिक्षाविद् वासुदेव प्रसाद गुप्ता, अठावाल संगठन के राष्ट्रीय उपमहामंत्री मनोज जिन्दल बयाना के विजय अठावाल, नदबई के फूलचन्द गर्ग, उद्योगपति रामकुमार गुप्ता, ओमप्रकाश सिंहल, नवरत्न गर्ग, विष्णु मित्तल, रामकिशोर गर्ग, व्यापार महासभा के जिलाध्यक्ष संजीव गुप्ता, नरेन्द्र सिंघल, पवन गुप्ता, विनोद सिंघल सहित डीग, कामवन, पहाडी, ब्रजनगर, कुम्हेर, बयाना, हैलेना, नदबई, जनूथर, रारह, उच्चौन, कस्वाबाडी, भुसावर, वैर नदबई, जनूथर, रारह, उच्चौन, भुसावर, वैर, अस्तावन, सेवर, छोकरवाडा कला , खनुआ, जुरहरा सहित भरतपुर शहर की समस्त अठावाल समाज के पदाधिकारी, महासभा के सदस्य तथा गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

बिजली सप्लाई आज रहेगी बाधित

फुलेरा। रविवार को 11 केवी पांच बत्ती फीडर के हाई रिस्क पॉइंट पर सुधार कार्य किए जाने के कारण कई क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। विद्युत निगम के जेईएन उमेश कुमार यादव ने बताया कि 11 केवी पांचबत्ती फीडर में क्रॉसिंग होने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से सुबह 7:30 बजे से 9:00 बजे तक 33 केवी सांभर, 33 केवी त्यौद, 33 केवी सुरसिंहपुरा एवं 33 केवी रिको फुलेरा सहित संबंधित लाइनों की सप्लाई बंद रहेगी। जिसके चलते सांभर रोड, ठामीण क्षेत्र, त्यौद, रसूलपुरा, रिको फुलेरा, फुलेरा शहर, अनु विहार, मेन बाजार फुलेरा, सुरसिंहपुरा, सिनोदिया एवं तेजा का बास क्षेत्र प्रभावित रहेंगे।

शनि मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

निवाई। न्याय के देवता भगवान शनि देव की जयंती एवं शनि अमावस्या का एक साथ योग बनने से शनिवार को शहर में स्थित शनि मंदिरों में भगवान के दर्शन एवं तेल अभिषेक करने के लिए शनि भक्तों की भीड़ लग गई। सुबह 6 बजे से ही भक्तों का शनि मंदिरों में पहुंचना शुरू हो गया जो शाम तक जारी रहा। शिवाजी पार्क के समीप स्थित शनि मंदिर में शनिवार को भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। मंदिर पुजारी राधेश्याम शर्मा ने बताया कि शनि जयंती पर सुबह 6 बजे से शाम 4 बजे तक भगवान शनि देव की निज मूर्ति पर शनि भक्तों ने तेलाभिषेक किया। इसके बाद शाम को भगवान शनि देव, शिव पंचायत व हनुमान जी की विशेष सज्जा कर फूलों से झांकी सजाई गई। शाम को महाआरती का आयोजन हुआ। उन्होंने बताया कि शनि जयंती के उपलक्ष में शुक्रवार की रात मंदिर परिसर में भव्य जागरण का आयोजन हुआ जिसमें भजन गायकों ने भगवान शनि के चरित्र से संबंधित विभिन्न भजन प्रस्तुत किए। भजन सत्संग पूरी रात चला। इसी प्रकार चिंताहरण गणेश जी के मंदिर के समय पर स्थित शनि मंदिर व रेलवे स्टेशन के समीप स्थित शनि मंदिर में सनी भक्तों ने न्याय के देवता का तेल से अभिषेक किया।

ज्येष्ठ अमावस्या पर वट सावित्री व्रत रख वट पूजा की

मनोहरपूर । सौभाग्यवति सुहागिन महिलाओं ने वट सावित्री व्रत रखकर अपने पति की लंबी उम्र की कामना के साथ परिवार के लिए सुख समृद्धि की कामना की। विवाहित महिलाओं ने सुबह स्नान के बाद स्वच्छ वस्त्र पहनकर वट सावित्री व्रत का संकल्प लिया। महिलाओं ने पूजा की थाली में दीपक, रोली, मोली, कच्चा सूत, पानी का लोटा, चावल, फूल, फल, अगरबत्ती, सिंदूर, मिठाई एवं सुहाग सामठी लेकर बरगद (वट) के पेड़ के नीचे जाकर बरगद के पेड़ की पूजा अर्चना की। बरगद के पेड़ को सूत एवं मोली बाँधने के बाद वहीं पेड़ के नीचे बैठकर सावित्री सत्यवान की कथा सुनी गई। हर वर्ष ज्येष्ठ महिने की अमावस्या को वट सावित्री व्रत रखा जाता है। धार्मिक सनातन परम्परा एवं आयुर्वेद में बरगद (वट) वृक्ष को दीर्घायु स्थिरता व प्राण शक्ति का प्रतीक माना गया है। यह व्रत केवल पति की लंबी आयु ही नहीं धैर्य, निष्ठा, एवं पारिवारिक सुख समृद्धि का भी प्रतीक माना जाता है। विवाहित महिलाओं द्वारा प्रत्येक वर्ष ज्येष्ठ माह की अमावस्या को वट सावित्री व्रत रखा जाता है। इस बार शनिवार व शनि जयंती एवं शनिश्चरी अमावस्या का भी शुभ संयोग इस व्रत को और खास बनाता है। पर्यावरण की शुद्धि के लिए भी बरगद का पेड़ अच्छा माना जाता है, इसलिए भी आयुर्वेद एवं धर्म ठांथों में इसकी पूजा का विधान है। महाभारत एवं सकन्द पुराण में भी वट सावित्री व्रत का वर्णन मिलता है। गांव की महिलाओं ने बरगद के पेड़ की पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की। कस्बे की श्रीमती कांता डी के सोनी श्रीमती सरोज इंद्र अठावाल श्रीमती नेहा विमल अठावाल ने बताया की इस दिन सावित्री माता ने यमराज से अपने पति के प्राणों को वापिस लिया था वह दिन ज्येष्ठ माह की अमावस्या थी इसलिए सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु व परिवार में सुख समृद्धि की कामना के लिए वट सावित्री व्रत रखती हैं।

श्रीभन्दे बालाजी का मेला 15 जून से

फुलेरा। क्षेत्र के प्रसिद्ध आस्थाधाम श्रीभन्दे बालाजी का 58 वां तीन दिवसीय वार्षिक मेला 15 जून से 17 जून तक आयोजित किया जाएगा। मेले को लेकर शुक्रवार को श्रीभन्दे हनुमान सेवा समिति की बैठक समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश पुनिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई। समिति मंत्री हनुमान प्रसाद बालोदिया ने बताया कि बैठक में मेले की व्यवस्थाओं एवं संचालन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए छाया, पेयजल, सुरक्षा तथा अन्य व्यवस्थाओं हेतु एक दर्जन से अधिक अस्थायी कमेटियों का गठन किया गया। बैठक में कोषाध्यक्ष सीताराम बडीवाल, हरजीराम चौधरी, दुर्गालाल सोराण, गोपाललाल नेमीवाल, गोगराज गुर्जर, लक्ष्मीनारायण कुमावत, बालूराम जाखड़, ओमप्रकाश हुडी, हरिनारायण कुमावत, धनसिंह, सुरेश सैनी, भंवरलाल वर्मा, राजेंद्र बरड़वाल, भागचंद भटेसर, सत्यनारायण कुमावत एवं हंसराज कुमावत सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

वट सावित्री की पूजा

निवाई। वट सावित्री का व्रत विवाहित महिलाएं पति की लम्बी आयु के लिए रखती हैं। पौराणिक मान्यता है कि इस व्रत को करने से पति की आयु लम्बी होने के साथ रोगमुक्त जीवन के साथ सुख-समृद्धि की प्राप्ति भी होती है। वट सावित्री के दिन महिलाएं सुबह जल्दी उठकर स्नान करती हैं और अखंड सौभाग्य के लिए व्रत रखकर वट वृक्ष की पूजा करने के साथ व्रत सावित्री की कथा भी सुनती है। इस दौरान हरीतिमा पारीक, दीक्षा शर्मा व प्रीति पारीक सहित कई महिलाए मौजूद थी।

करीरी में पांच कुण्डीय शनि महायज्ञ

मनोहरपूर । ग्राम करीरी स्थित प्राचीन श्री शनिदेव मंदिर में शनिवार को शनि जन्मोत्सव एवं शिखर स्थापना महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। महोत्सव के तहत पांच कुण्डीय शनि महायज्ञ आयोजित किया गया, जिसमें वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 51 हजार आहुतियां अर्पित कर विश्व शांति, उत्तम वर्षा और जनकल्याण की कामना की गई। महोत्सव से पूर्व 121 महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भव्य कलश यात्रा निकाली। यात्रा श्री नृसिंह मंदिर से रवाना होकर गांव के मुख्य मार्गों से होते हुए श्री शनिदेव मंदिर पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश स्थापित किए गए। जयकारों और बैंड-बाजों के साथ निकली यात्रा से पूरा गांव भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम बड पीपली बालाजी धाम, झोटवाड़ा के महंत परमेंद्रनाथ जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित हुआ। यज्ञाचार्य पंडित नरेंद्र शर्मा के निर्देशन में यजमान दंपत्तियों ने हवन में आहुतियां दीं। महंत परमेंद्रनाथ जी महाराज ने कहा कि शनिदेव न्याय और कर्मफल के देवता हैं तथा सच्ची श्रद्धा और सत्कर्म से उनकी कृपा प्राप्त होती है । इस अवसर पर शनिदेव महाराज का विशेष अभिषेक एवं आकर्षक श्रृंगार किया गया।

बंदूक की नोंक पर एक करोड़ रुपए की फिरौती मांगने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

सांगानेर थाना इलाके में स्कोर्पियो सवार बदमाशों ने किया था युवक का अपहरण

जयपुर (कासं)। सांगानेर थाना पुलिस ने एक युवक का अपहरण कर एक करोड़ रुपए की भारी-भरकम फिरौती मांगने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो बदमाशों को दबोचा है। वही इस कार्रवाई में दो आरोपी स्कॉर्पियों छोडकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने स्कॉर्पियों जब्त कर फरार दोनो अपहरणकर्ताओं की तलाश शुरु कर दी है।

डीसीपी ईस्ट रंजीता शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रियकांत मीणा उर्फ गोलू (21) निवासी सदर (दौसा) और जसमीत सिंह बग्गा (25) निवासी कोतवाली (सवाई माधोपुर) के रूप में हुई है। वहीं इस मामले में शामिल दो अन्य मुख्य आरोपी दिलखुश मीणा और आशीष उर्फ बंटी फिलहाल फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस टीमें अलग-अलग ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व ने बताया कि पीड़ित युवक ने सांगानेर थाने में 13 मई को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 13 मई की शाम वह अपने दोस्त से मिलने मालवीय नगर जा रहा था। जब मैं प्रभुदयाल मार्ग पर पहुंचा। तभी पीछे से एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो आकर रुकी। गाड़ी से 4-5 लड़के नीचे उतरे, उन्होंने आते ही मेरे साथ मारपीट शुरू कर दी और जबरन खींचकर स्कॉर्पियो के अंदर डाल दिया। गाड़ी में बैठते ही उन्होंने पीड़ित कि आंखों पर पट्टी बांध दी ताकि वो रास्ता न देख सके। गाड़ी के भीतर बदमाशों ने उसका फोन छीन लिया और फिरौती के लिए दबाव बनाने लगे। एक बदमाश ने चिल्लाकर कहा, इसका फोन दूसरी गाड़ी में दे दो, वहां चेक कर लेंगे।" इसके बाद उन्होंने एक करोड़ रुपए की डिमांड की। जब युवक ने मना किया तो बदमाशों ने बेल्ट से उसकी बेरहमी से पिटाई की। तभी दूसरे बदमाश ने 50 लाख रुपए का इंतजाम करने को कहा और पैसे नहीं मंगवाने पर बंदूक जान से मारने की धमकी दी। बदमाश युवक को बंधक बनाकर शहर से बाहर ले जाने की फिराक में थे, लेकिन इसी बीच पुलिस की गश्ती गाड़ी (चेतक) को पीछे आता देख किडनैपर्स के होश उड़ गए। पुलिस को पीछे देखकर बदमाश घबरा गए।

- **बदमाशों ने पहले 1 करोड़ और फिर 50 लाख रु. फिरौती मांगी, जमकर मारपीट भी की**
- **पुलिस की गश्ती जीप को पीछे आता देखकर युवक व गाड़ी को छोड़ भागे बदमाश**
- **दोनों अपहरणकर्ताओं की पहचान कर आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस**

पकड़े जाने के डर से बदमाश युवक को चोटिल हालत में स्कॉर्पियो सहित सड़क पर ही छोड़कर गलियों के रास्ते फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज होने के महज कुछ ही दिनों के भीतर तकनीकी सर्विलांस और मुखबिरों की मदद से दो आरोपियों को दबोच लिया। फिलहाल पुलिस आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस गैंग ने पहले भी ऐसी कितनी वारदातों को अंजाम दिया।

यूट्यूब से सीखा एटीएम तोड़ने का तरीका, दो बदमाश दबोचे

वारदात अंजाम देने दिल्ली से जयपुर आए थे आरोपी

जयपुर (कासं)। मुरलीपुरा थाना पुलिस ने आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम को तोड़कर कैश लूटने का प्रयास करने वाले दिल्ली-एनसीआर के दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त बिना नंबर की चोरी की मोटरसाइकिल, लोहे की बड़ी छिन्नी, भारी हथौड़ा, सफेद कपड़ा और ग्लव्स बरामद किए हैं। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने एटीएम तोड़ने और कैश बॉक्स निकालने का तरीका सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यूट्यूब से सीखा था। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि मुरलीपुरा थाना पुलिस ने आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम को तोड़कर कैश लूटने का प्रयास करने वाले दिल्ली-एनसीआर के शातिर बदमाश रज्जद (23) निवासी पलमरवा जिला गिरडी (झारखंड) हाल गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) और उत्तम (30) निवासी दक्षिण दिल्ली को गिरफ्तार किया है।

- **पुलिस की सतर्कता से टली बड़ी बैंक लूट की वारदात**

पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्होंने यूट्यूब से वीडियो और लिंक डाउनलोड कर एटीएम मशीन का लॉक तोड़ने और कैश बॉक्स निकालने की तकनीक सीखी थी। वारदात को अंजाम देने के लिए दोनों आरोपी पहले दिल्ली से हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल चोरी कर जयपुर पहुंचे थे। पहचान छिपाने के लिए उन्होंने चेहरे पर सफेद कपड़ा बांधा और हाथों में दस्ताने पहन रखे थे। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि दोनों बदमाश दिल्ली, गाजियाबाद और जयपुर के अन्य इलाकों में भी एटीएम रेकी या चोरी की वारदातों में शामिल रहे हो सकते हैं।

थानाधिकारी वीरेन्द्र कुरील ने बताया कि 15 मई की देर रात समाजकंटकों और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि थाना क्षेत्र स्थित आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम को तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू किया। अतिरिक्त पुलिस पश्चिम उपायुक्त राजेश गुप्ता के सुपरविजन तथा सहायक पुलिस आयुक्त (झोटवाड़ा) आलोक कुमार सैनी के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने सीसीटीवी फुटेज और रात के मूवमेंट के आधार पर दो संदिग्धों को घेराबंदी कर दबोचा।

वाहन चोर और खरीददार गिरफ्तार

जयपुर । कालवाड़ थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी की वारदातों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक शातिर वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मुख्य वाहन चोर और चोरी की बाइक खरीदकर ठिकाने लगाने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 10 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त (जयपुर पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि कालवाड़ थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चुराने वाले मुख्य आरोपी राहुल मीणा (23) निवासी जोबनेर जिला जयपुर और सुरेश कुमार भौचल्या (31) निवासी रेनवाल जिला जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर चोरी की 10 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं।

कालवाड़ थाना पुलिस ने वाहन चोर और खरीददारों के कब्जे से चुराई हुई 10 बाइक जब्त की।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी राहुल मीणा मास्टर चाबी की मदद से बाजारों और सुनसान स्थानों से चंद सेकंड में बाइक चोरी कर लेता था। इसके बाद वह चोरी की बाइकें सुरेश कुमार भौचल्या को सस्ते दामों में बेच देता था। सुरेश कुमार भौचल्या इन वाहनों को चाकसू और नांगल सिरस क्षेत्र के जंगलों व सुनसान स्थानों पर छुपाकर रखता था, ताकि बाद में उन्हें खपाया जा सके। पुलिस अब आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है। अधिकारियों को उम्मीद है कि पूछताछ में जयपुर शहर और आसपास के क्षेत्रों में हुई कई अन्य वाहन चोरियों के मामलों का भी खुलासा हो सकता है।

दिनदहाड़े सूने मकान में हाथ साफ करने वाला गिरफ्तार

जयपुर। नाहरगढ़ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दिनदहाड़े सूने मकान में हाथ साफ करने वाले एक शातिर नकबजन को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की गई पूरी रकम भी बरामद कर ली है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि नाहरगढ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दिनदहाड़े सूने मकान में चोरी करने वाले एक शातिर नबकजन इब्राहिम (22) को गिरफ्तार किया है। आरोपित मूल रूप से नाहरी का नाका शास्त्रीनगर जयपुर का रहने वाला है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी दिन के समय रिहायशी इलाकों में घूमकर सुनसान और सूने मकानों की रेकी करता है और मौका मिलते ही चंद मिनटों में वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाता है। थानाधिकारी दशरथ ने बताया कि पकडा गया आरोपी इब्राहिम आदतन अपराधी और शातिर नकबजन है। उसके खिलाफ पूर्व में भी जयपुर के विभिन्न थानों (विशेषकर शास्त्री नगर) में चोरी, आरपीजीओ और एनडीपीएस एक्ट के तहत करीब 5 से 6 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

आरोपी इब्राहिम

बस की चपेट में आने से स्कूटी सवार युवक की मौत, दो साथी घायल

जयपुर । गलता गेट थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी मामूली घायल हो गए। हादसे के बाद पुलिस ने बस को जब्त कर चालक को राउंडअप कर लिया है। थानाधिकारी धर्म सिंह ने बताया कि हादसे में रामगंज स्थित फूटा खुर्रा निवासी मोहम्मद रईस (21) पुत्र मुमताज अली की मौत हो गई। जो शुक्रवार देर रात अपने दो साथियों के साथ स्कूटी से गलता गेट से घर लौट रहा था। पुलिस के अनुसार धोबी घाट से निकलते समय पंजाब नंबर की एक बस के चालक ने स्कूटी को ड्राइवर साइड से ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान आगे मोड़ आने पर चालक ने बस को घुमाया, जिससे स्कूटी बस के टायर और डिवाइडर के बीच आ गई। हादसे में मोहम्मद रईस गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को एसएमएस हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं स्कूटी पर सवार उसके दो साथियों को मामूली चोटें आईं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। मामले में बस को जब्त कर चालक से पूछताछ की जा रही है तथा दुर्घटना के कारणों की जांच जारी है।

सूडान के दो विदेशी नागरिक ड्रग्स सहित गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पुलिस ने सूडान के दो विदेशी नागरिकों को मादक पदार्थ एमडीएमए के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त अपराध संजीव नैन ने बताया कि रामनगरिया थाना क्षेत्र स्थित एसके आईटी कॉलेज के गेट नंबर-3 के सामने घेराबंदी की। पुलिस ने संदिग्ध अवस्था में घूम रहे दो विदेशी नागरिकों को रोककर तलाशी ली, उनके कब्जे से 11.95 ग्राम अवैध ड्रग जब्त की।

सार-समाचार

नेहल को 12वीं बोर्ड परीक्षा में ए-1 ग्रेड

जयपुर (कासं)। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा के परिणाम में जयपुर निवासी नेहल को ए1 ग्रेड मिली है। केंब्रिज कोर्ट वर्ल्ड स्कूल मानसरोवर की छात्रा नेहल को अंग्रेजी, इतिहास, राजनैतिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, योगा, कार्य अनुभव, शारीरिक शिक्षा, गणित और सामान्य ज्ञान समेत तमाम विषयों में ए1 ग्रेड मिली है। नेहल ने अपनी सफलता का श्रेय पिता नरेन्द्र कुमार व मां शालिनी शर्मा व परिवारजनों व शिक्षकों को दिया है।

फोरम की नई टीम ने संभाली जिम्मेदारी

जयपुर । कभी केवल डेस्टिनेशन वेडिंग्स के लिए पहचाना जाने वाला राजस्थान अब देश की इवेंट इंडस्ट्री का अगला बड़ा केंद्र बनने को तैयार है। तेजी से बदलते इस लैंडस्केप के बीच फेडरेशन ऑफ राजस्थान इवेंट मैनेजर्स (फोरम) की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह शुक्रवार रात आमेर रोड स्थित एक होटल में हुआ। समारोह में पूर्व अध्यक्ष मोहित माहेश्वरी ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष हितेंद्र शर्मा को कार्यभार सौंपा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्रैमी अवॉर्ड विजेता और पद्म भूषण से सम्मानित प्रसिद्ध संगीतज्ञ विश्व मोहन भट्ट रहे। उनके साथ उनके पुत्र सलिल भट्ट भी कार्यक्रम ने उपस्थित थे। नई कार्यकारिणी में अजय चौहान और विनीत जैन ने उपाध्यक्ष, भुवनेश अग्रवाल (चावल वाला) ने जनरल सेक्रेटरी, कुलदीप सिंह ने कोषाध्यक्ष तथा सुनील विजयवर्गीय, यश माहेश्वरी, रोहित अजमेरा और अक्षत पुरोहित ने कार्यकारिणी सदस्य के रूप में शपथ ली। समारोह में पूर्व अध्यक्ष, महावीर प्रताप शर्मा, हरप्रीत बग्गा और इवेंट गुरु अरशद हुसैन सहित इवेंट, होटल, ट्रैवल और वेडिंग इंडस्ट्री से जुड़े कई लोग शामिल हुए। इस अवसर पर इस साल आयोजित किए जाने वाले इंटरनेशनल वेडिंग एंड टूरिज्म कॉन्क्लेव व इवेंटस्थान की भी घोषणा भी की गई।

शिवदासपुरा में फर्नीचर फैक्ट्री में आग

जयपुर। शिवदासपुरा इलाके में शनिवार सुबह एक फर्नीचर फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी विकराल थीं कि दमकल विभाग को फैक्ट्री के बाहरी हिस्से की दीवार तोड़ने के लिए जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। करीब 10 दमकल गाड़ियों ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। सीतापुरा फायर स्टेशन की फायर ऑफिसर ऊषा शर्मा ने बताया कि जगतपुरा के रामचंद्रपुरा विधानी स्थित रामचंद्र मोतीलाल नाम की फर्नीचर फैक्ट्री में शनिवार सुबह करीब सवा दस बजे जैसे ही फैक्ट्री खुली, उसके कुछ ही देर बाद अचानक चिंगारियां उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। गनीमत यह रही कि आग भड़कते ही अंदर मौजूद सभी कर्मचारी और श्रमिक तुरंत बाहर भाग निकले, जिससे एक बड़ा जनहानि का हादसा टल गया। फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में सूखी लकड़ी और तैयार फर्नीचर होने के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया और आसमान में धुएं का गुबार छा गया।

भगवान शनिदेव का जन्मोत्सव मनाया

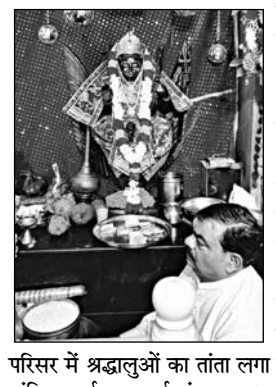

जयपुर। स्वेज फार्म स्थित श्री शनिदेव मंदिर में श्री शनिदेव का जन्मोत्सव बड़ी धूम-धाम से मनाया गया जिसमें महंत भगवती प्रसाद ने बताया कि पुजारी राहुल शर्मा और पुजारी अंकित शर्मा ने भगवान शनिदेव का दूध अभिषेक और तेल अभिषेक कर नई पोशाक धारण करवाई तथा ठंडी शरबत व खीर इमरती का भोग लगाया। इसके बाद हजारों श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई। शाम को महाआरती का आयोजन बैंड-बाजे के साथ हुआ। दिनभर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। आयोजन की व्यवस्था में पुजारी अंकित शर्मा, राजापार्क मंडल उपाध्यक्ष गजराज सिंह शेखावत, समाचार पत्र वितरक महासंघ के हनुमान सैनी, रोहित राजपूत, राकेश, प्रकाश, दिनेश, सुभाष तथा शिवसेना अध्यक्ष राहुल शर्मा उपस्थित रहे।

पुष्पा गोस्वामी की जयन्ती पर कार्यक्रम

जयपुर। प्रौढ शिक्षा समिति में पिछले दिनों स्व.पुष्पा गोस्वामी की जयन्ती पर भावपूर्ण कार्यक्रम आयोजित हुआ। पारिवारिक लोगों में विशेषत कार्तिकेय, पल्लवी और दिनेश ने अच्छी खासी रुपरेखा तैयार की। भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी, प्रतिष्ठित कवि और साहित्यकार हेमंत शेष ने कहा कि पुष्पाजी अच्छी कथाकार और उम्दा कवयित्री थी। उनका अधिकांश साहित्य संवेदनशील और भावपूर्ण रहा है। पुष्पाजी कहा करती थी कविता समय और सम्वेदनाओं की प्रतिध्वनि है। कार्तिकेय और पल्लवी का माँ के प्रतिआत्मीय भाव बहुत सराहनीय है। प्रसिद्ध साहित्यकार और चित्रकार अशोक आत्रेय ने कहा कि पुष्पाजी की सृजन धर्मिता काबिले तारीफ है। उन्होंने मरूधरा के मोती पुस्तक लिखकर राजस्थान की कला, संस्कृति और प्रतिभाओं और अधिक उजागर किया है।पुष्पा जी इस कृति की भूमिका मुझसे ही लिखवाई थी।वे कथा तरंग संस्था की सक्रिय सदस्य थी।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में आरोपी दोषमुक्त

जयपुर। खाटूश्यामजी दर्शन करने के बहाने से नाबालिग के साथ दुष्कर्म से जुड़े प्रकरण में पोक्सो एक्ट मामलों की विशेष अदालत में न्यायाधीश विकास खंडेलवाल ने अभियोजन कहानी को पूर्णतया विश्वसनीय एवं संदेहास्पद मानते हुए मेडिकल साक्ष्य के अभाव में मामले में आरोपी 21 वर्षीय विकास झींगनिया निवासी झोटवाड़ा को दोषमुक्त करने के आदेश दिए हैं । अदालत ने आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष ने मामले में लगाए आरोपों को युक्तियुक्त संदेह से परे साबित करने में पूर्णतया असफल रहा।

एडवोकेट अजीत सिंह देवंदा, हर्ष गोस्वामी व निधि गुप्ता ने मामले में आरोपी रहे विकास झींगनिया की ओर से पैरवी करते हुए विशेष अदालत में बताया कि मामले में बिना कोई अपराध गठित हुए तथाकथित पीड़िता की माता परिवादिया ने एफ. आई. आर. 2025 में दर्ज कराई थी। अदालत में पेश हुए गवाहों ने अभियोजन की कहानी लेश मात्र भी संपुष्ट नहीं की है। करधनी पुलिस की कहानी व पत्रावली पर मौजूद तथ्यों में भारी विरोधाभास है, बिना किसी साक्ष्य व सबूत के तथाकथित घटना बताते हुए झूठे आरोप लगाए थे। अधिवक्ता अजीत सिंह देवंदा और हर्ष गोस्वामी ने न्यायालय को बताया कि मेडिकल साक्ष्य में (डी.एन.ए व एफ.एस.एल रिपोर्ट) कोई अपराध साबित नहीं हो रहा।

मुख्य सचिव ने किया भामाशाह टेक्नो हब का दौरा

आधुनिक सुविधाओं से स्टार्टअप्स को मिल रहा सशक्त मंच : वी. श्रीनिवास

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को झालाना, जयपुर स्थित भामाशाह टेक्नो हब का दौरा कर वहां संचालित स्टार्टअप्स, इनक्यूबेशन सेंटर तथा वहां किए जा रहे नवाचारों का अवलोकन किया। उन्होंने युवा आंत्रप्रेन्योर्स से संवाद कर उनके स्टार्टअप्स, नवाचारों एवं कार्यप्रणाली की जानकारी ली। उन्होंने भामाशाह टेक्नो हब में मिल रही आधुनिक सुविधाओं का भी अवलोकन किया। उन्होंने इन्क्यूबेशन सेंटर, स्टार्टअप्स को उलब्ध करवाए जा रहे सीटिंग स्पेस, टिंकरिंग लैब, स्लीपिंग पॉड्स, कॉन्फ्रेंस हॉल, जिम्नेजियम, कैफेटेरिया आदि सुविधाओं की जानकारी ली।

मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में नवाचार एवं उद्यिमता को प्रोत्साहन देने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार कर रही है, जिससे स्टार्टअप्स को आगे बढ़ने के व्यापक अवसर प्राप्त हो रहे हैं। आने वाले दिनों में इसे और गति दी जाएगी। उन्होंने (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथेमेटिक्स) शिक्षा को बढ़ावा देने, स्टार्टअप इकोसिस्टम से जुड़े विभागों के साथ लिंकेज बनाने और इंजीनियरिंग कॉलेजों के साथ अधिक से अधिक एंगेजमेंट के अवसर प्रदान करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि अब स्टार्टअप्स को क्यूरेट कर अगले स्तर तक ले जाने की आवश्यकता है, ताकि वे रोजगार सृजन कर आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन के प्रभावी माध्यम बन सकें। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अधिकाधिक सेवाएं फिजिकल प्लेटफॉर्म से ई-प्लेटफॉर्म की ओर स्थानांतरित हो रही हैं, क्योंकि डिजिटल माध्यम बेहतर प्राइवेसी एवं डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। इसी दिशा में आईस्टार्ट राज्य सरकार का ऐसा सफल मॉडल है, जिसने प्रदेश में स्टार्टअप संस्कृति को नई पहचान दी है। इस दौरान मुख्य सचिव ने परिवहन सुविधा आधारित स्टार्टअप , सस्टेनेबल फैशन आधारित तथा परफॉर्मेंस मार्केटिंग आधारित जैसे कई स्टार्टअप्स के नवाचारों की जानकारी ली। उन्होंने टिंकरिंग लैब का निरीक्षण कर 3-डी प्रिंटिंग की जानकारी ली तथा आरकेसीएल (राजस्थान नॉलेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड) के विद्यार्थियों से संवाद किया। इसी प्रकार उन्होंने एवीजीसी इन्क्यूबेशन लैब में स्टार्टअप (वर्चुअल रियलिटी) द्वारा विकसित स्पेक्टेकल्स आधारित यूनिक डिस्प्ले तकनीक अनुभव किया। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के शासन सचिव डॉ. रवि कुमार सुरपुर ने कहा कि आईस्टार्ट कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश में स्टार्टअप्स के लिए एक सशक्त भौतिक एवं संस्थागत वातावरण तैयार किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत स्टार्टअप्स को उचित मेंटरशिप, मार्गदर्शन, नेटवर्किंग एवं संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को झालाना स्थित भामाशाह टेक्नो हब में युवा आंत्रप्रेन्योर्स से संवाद कर उनके स्टार्टअप्स, नवाचारों एवं कार्यप्रणाली की जानकारी ली।

बुजुर्ग की मौत के बाद सवाई मानसिंह अस्पताल में हंगामा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी के सबसे बड़े सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल में शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब इलाज के दौरान एक बुजुर्ग की मौत से आक्रोशित परिजनों ने रेजिडेंट डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ के साथ विवाद करते हुए हंगामा कर दिया। आरोप है कि विवाद के दौरान एक परिजन ने वार्ड में फल काटने वाला चाकू उठाकर मेडिकल स्टाफ को डराने का प्रयास किया। सूचना पर पहुंची एसएमएस थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हंगामा कर रहे परिजनों को हिरासत में ले लिया।

पुलिस के अनुसार खैरथल-तिजारा निवासी 69 वर्षीय किशनलाल को पैरों में असहनीय दर्द की शिकायत पर गुरुवार रात करीब 12 बजे परिजन एसएमएस अस्पताल की इमरजेंसी में लेकर पहुंचे थे। हालत गंभीर होने पर उन्हें देर रात कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस) वार्ड में भर्ती किया गया। जांच में सामने आया कि मरीज के पैरों की नसें ब्लॉक थी।

- **परिजनों ने किया रेजिडेंट डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टॉफ के साथ विवाद**
- **अस्पताल परिसर में चाकू लहराने से मची अफरा-तफरी**

परिजनों का आरोप है कि मरीज रातभर दर्द से तड़पता रहा, लेकिन ड्यूटी स्टाफ ने सीनियर डॉक्टर के आने के बाद ही इलाज शुरू करने की बात कही। शुक्रवार सुबह उपचार के दौरान बुजुर्ग की मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा और उनकी रेजीडेंट डॉक्टरों से तीखी बहस हो गई।

मेडिकल स्टाफ के मुताबिक विवाद के दौरान एक परिजन ने पास के बेड पर रखी टेबल से फल-सब्जी काटने वाला चाकू उठा लिया और वार्ड में लहराने लगा। इससे वहां मौजूद डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ और मरीजों में दहशत फैल गई। अस्पताल के सुरक्षा कर्मियों ने तत्काल हस्तक्षेप कर स्थिति को संभाला और संबंधित लोगों को पकड़ लिया।

घटना के बाद रेजीडेंट डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताते हुए अस्पताल अधीक्षक को लिखित शिकायत दी तथा आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीटीवीएस यूनिट हेड डॉ. रामगोपाल यादव भी एसएमएस थाने पहुंचे और पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में जूनियर डॉक्टरों से वार्ता कर मामला शांत कराने का प्रयास किया। घटना के बाद अस्पताल परिसर में देर शाम तक तनावपूर्ण माहौल बना रहा। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

बैंकों में 5 दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करे सरकार : सूरजभान सिंह आमेरा

जयपुर। ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉईज एसोसिएशन के जनरल कौंसिल सदस्य तथा ऑल इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक एम्पलाईज फैडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सूरज भान सिंह आमेरा ने केन्द्र सरकार से मांग की है कि बैंकों में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की मांग उठाई है। बैंक कर्मचारी नेता आमेरा का कहना है कि, वैश्विक युद्ध संकट के बीच भारत देश में ईधन बचत के लिए यह निर्णय अहम कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि वैश्विक युद्ध संकट के कारण कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता, आपूर्ति श्रृंखला और विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ा है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से ईंधन बचत और विदेशी मुद्रा संचय का आव्हान किया है।

संयोजक महेश मिश्रा ने कहा कि हम देश की 1.29 लाख शहरी-ग्रामीण बैंक शाखाओं में काम करने वाले 16.50 लाख बैंक कर्मचारी-अधिकारी, प्रधानमंत्री के संदेश का समर्थन करते हैं। आमेरा ने बताया कि वर्तमान ईधन संकट में पाँच दिवसीय कार्य सप्ताह पूरी तरह से प्रासंगिक और आवश्यक है। ईंधन की बचत: देशभर के लाखों बैंककर्मियों का प्रतिदिन आवागमन बंद होने से पेट्रोल-डीजल की भारी बचत होगी, जो राष्ट्रीय संकट के समय महत्वपूर्ण है।प्रदूषण में कमी आयेगी, साप्ताहिक एक अतिरिक्त अवकाश से वाहनों का उपयोग घटेगा और कार्बन उत्सर्जन कम होगा। सहकार नेता आमेरा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय मानक में विश्व के अधिकांश देशों और भारत के बीमा, नाबार्ड, सेबी, केंद्र राज्य सरकारी विभागों, सरकारी उपक्रमों में पहले से ही 5 दिन का सप्ताह लागू है।

बैंकिंग क्षेत्र को भी इसके अनुरूप लाना समय की मांग है, इससे कार्यक्षमता में वृद्धि होगी, बैंककर्मियों को पर्याप्त विश्राम मिलने से कार्य क्षमता बढ़ेगी और ग्राहक सेवा और बेहतर होगी। डिजिटल और मोबाइल बैंकिंग, एटीएम के युग में सप्ताह में 5 दिन शाखा खुलना ग्राहकों के लिए भी पर्याप्त है।

यूएफबीयू के संयोजक महेश मिश्रा ने बताया कि 5 दिन के बैंक सप्ताह की माँग को लेकर शनिवार को देशभर के सभी बैंककर्मियों ने काली पट्टी, ब्लेक बेज धारण कर और काली ड्रेस पहनकर बैंक शाखाओं में विरोध जताया।

ARBiT
it happens here...

Celebrate Sweet Moments This World Baking Day

World Baking Day, celebrated every year on the third Sunday of May, encourages people to rediscover the joy of baking and sharing homemade treats with loved ones. From simple cookies and breads to elaborate cakes and pastries, the day highlights baking as both a creative hobby and a comforting tradition. It is also a reminder of how food brings people together, whether in family kitchens or community gatherings. Many baking enthusiasts use the occasion to try new recipes, experiment with flavours, and spread happiness through freshly baked goodies that celebrate warmth, creativity, and togetherness.

राष्ट्रदूत
SUNDAY
17 May 2026
A-B

#SCULPTOR

"Clay Maestro of Rajasthan"

One of his most celebrated creations is the beautiful statue "Arjun Ki Bani Thani," a delicate clay sculpture portraying a woman with a veiled face

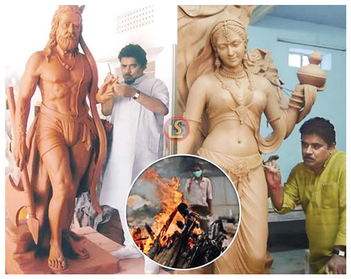

Arjun Prajapati, a renowned sculptor from Rajasthan, earned widespread recognition for his extraordinary mastery of terracotta and stone sculptures, which led many to call him the "Clay Maestro of Rajasthan."

Born in 1957, Prajapati developed a deep interest in art from a young age. Even though his path did not follow the conventional academic route, his passion for sculpture guided him towards learning from respected gurus and refining his skills. Through dedication and years of practice, he became one of the most respected figures in modern Rajasthani sculpture.

One of his most celebrated creations is the beautiful statue "Arjun Ki Bani Thani," a delicate clay sculpture portraying a woman with a veiled face. The piece is admired for its intricate craftsmanship, subtle expressions, and emotional depth, which reflect both artistic brilliance and cultural elegance. This remarkable work brought him national recognition and helped him receive prestigious honours, including the Padma Shri in 2010 and the Shilp Guru Award in 2016.

Arjun Prajapati's artistic work extended across many forms, from mythological figures and cultural icons to portraits of important personalities. Using materials such as marble, sandstone, and terracotta, his sculptures beautifully captured stories of Indian heritage and tradition. Although he passed away in 2020 due to COVID-19, his legacy continues through the timeless artworks he created and the artists he inspired and mentored. His work stands as a lasting symbol of India's rich artistic heritage and the enduring power of creativity.

The Ink of Independence

Sometime between 1930 and 1934, when the Swadeshi Movement was at its peak, Indians were responding to the calls of Mahatma Gandhi to boycott foreign goods. But at one crucial juncture, Gandhi found himself in troubled waters. During that time, there was no concept of local inks.

To pen down any document, one needed to use foreign ink. Gandhi thought to himself that it would be rather ironic if he had to write a manifesto banning foreign goods using foreign ink. It was then that he decided that India ought to have its own, locally-manufactured ink.

The new bottles of Sulekha Ink.

#SULEKHA

A Sulekha Ink poster.

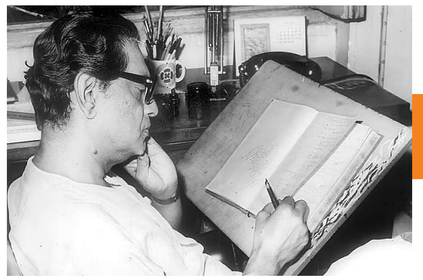

Satyajit Ray writing with a fountain ink.

Kaushik Maitra with new range of Sulekha inks.

● Bulbul Joshi

In the story of India's freedom movement, people often remember marches, speeches, prisons, and revolutionaries. Far less remembered are the quieter acts of resistance, the making of paper, cloth, salt, and even ink. Yet, one of the most fascinating industrial stories of the nationalist era began with something as ordinary as a bottle of writing ink.

According to popular accounts from Bengal's nationalist circles, Mahatma Gandhi was deeply uncomfortable with India's dependence on imported British products, including writing ink such as Stephens'. During the freedom movement, when every symbol of self-reliance mattered, the idea that Indian writers, lawyers, students, and revolutionaries still relied on foreign ink felt contradictory to the spirit of *swadeshi*.

Fountain pens may be a rare sight today but there was a time, not too long ago, when a Bengali gentleman of letters would be incomplete without the quintessential fountain pen in his coat or shirt pocket. And all of the pens had India's first homegrown ink, Sulekha, flowing through them. Fountain pens were found everywhere, with teenagers returning from school with ink-stained hands and ink-blotched shirts, in the vanity bags of ladies, in government offices, hospitals, business establishments, you name it! And the ink in all of those fountains pens was, you guessed it, all Sulekha.

Post globalization, thousands of ink companies have flooded the Indian market but to date, none has left a more indelible mark than Sulekha. Sulekha, an almost century-old ink company, has a rich history with its roots in Bangladesh. It is a tale of an old successful ink company that has been used by legendary revolutionaries, dignified poet laureates, and the common folks of India and Bangladesh.

Sometime between 1930 and 1934, when the Swadeshi Movement was at its peak, Indians were responding to the calls of Mahatma Gandhi to boycott foreign goods. But at one crucial juncture, Gandhi found himself in troubled waters. During that time, there was no concept of local inks. To pen down any document, one needed to use foreign ink. Gandhi thought to himself that it would be rather ironic if he had to write a manifesto banning foreign goods using foreign ink. It was then that he decided that India ought to have its own, locally-manufactured ink.

But Gandhi's concern was not merely political. There was also a practical problem. British-made inks were generally formulated for machine-produced European paper, which was smoother, chemically treated, and more durable. Indian handmade and locally produced paper of the time was very different, often fibrous, absorbent, and less chemically processed. The acidic nature of many imported inks caused the paper to deteriorate rapidly over time. Letters faded. Documents became brittle. Ink literally ate into the page.

The issue reached the attention of Satish Chandra Dasgupta, a brilliant Bengali chemist associated with the nationalist movement and known for his scientific work and commitment to indigenous industry. Dasgupta believed chemistry could serve the freedom struggle just as much as politics could.

Dasgupta was an activist in the revolutionary liberation movement and also had ties to Bengal Chemicals. He had once prepared his own ink named 'Krishna Dhara.' He handed over its formula to two brothers from Rajshahi (a city in present-day Bangladesh), Nanigopal and Sankaracharya Maitra and encouraged them to open an ink factory that would outperform any foreign ink brand. The two brothers also managed to secure a heavy investment from their father, Ambikacharan Maitra, who poured his lifelong savings into the Swadeshi dream.

The company began humbly: a tiny room, a single stove, improvised equipment, and immense determination. It was not born in a grand factory but in the atmosphere of anti-colonial self-reliance that defined Bengal during the nationalist era.

Sulekha Ink's slogan was "Swadeshi industry is the backbone of a nation, foreign factories are adverse to independent India." The ink company became synonymous with India's struggle for independence. In a short span of time, Sulekha Ink gained mass popularity. The two brothers quickly realized that there was a huge demand for swadeshi ink in Calcutta, and so, in 1936, Sulekha Ink opened a showroom at the Mahatma Gandhi Road in Kolkata. In 1938, a new Sulekha Ink factory was opened in the Bowbazar region, which moved consequently to Kasba and Jadavpur in the coming years, in relation to demographics and demand. In 1946, Sulekha became a private limited company, and by the end of 1948, its annual turnover exceeded one lakh rupees, which was an incredible amount of money back in the day.

The name Sulekha is a Bengali word, which literally translates to 'good writing.' Although there is no official document supporting this claim, the Maitra family says that the person behind the naming of the ink company was none other than the great Rabindranath Tagore. There are some who claim that it was Gandhi who came up with the name.

As India's freedom movement intensified, indigenous ink gained symbolic importance. Students, activists, journalists, lawyers, and underground revolutionaries used locally produced writing materials to create pamphlets, manifestos, letters, and banned political literature. Ink became part of resistance.

One of the enduring claims surrounding Sulekha's early formulations is particularly striking: many pamphlets and handwritten materials from India's revolutionary period remain legible today because the ink was gentler on paper than many imported alternatives. In contrast, numerous colonial-era documents written with highly acidic formulations have deteriorated badly over time, with paper weakened or consumed by chemical corrosion.

Modern archivists know that acidic inks can indeed damage paper severely over decades, especially in humid climates like India's. Paper preservation depends on many factors, storage, humidity, paper quality, and ink chemistry among them. While not every historical claim can be scientifically verified document by document, the broader principle is true: pH-balanced inks are significantly less destructive to paper than strongly acidic formulations.

> Modern archivists know that acidic inks can indeed damage paper severely over decades, especially in humid climates like India's. Paper preservation depends on many factors, storage, humidity, paper quality, and ink chemistry among them. While not every historical claim can be scientifically verified document by document, the broader principle is true: pH-balanced inks are significantly less destructive to paper than strongly acidic formulations.

Modern archivists know that acidic inks can indeed damage paper severely over decades, especially in humid climates like India's. Paper preservation depends on many factors, storage, humidity, paper quality, and ink chemistry among them. While not every historical claim can be scientifically verified document by document, the broader principle is true: pH-balanced inks are significantly less destructive to paper than strongly acidic formulations.

That makes the Sulekha story larger than a tale of stationery. It represents a forgotten dimension of India's freedom struggle, the effort to build indigenous scientific capability instead of merely rejecting colonial goods. The movement was not only political rebellion; it was also technological adaptation.

A bottle of ink became a declaration that Indians could design for Indian realities.

And in countless fading archives, notebooks, prison letters, and revolutionary pamphlets, traces of that declaration may still survive.

Quickly, Sulekha became a household name. Several dignitaries have fashioned fountain pens while endorsing Sulekha. Legends such as Gandhi, former prime minister Morarji Desai, former West Bengal chief minister Dr. Bidhan Chandra Roy, and legendary filmmaker Satyajit Ray wrote with pens with Sulekha's ink. The ink bottles of Sulekha Ink even made cameos in Satyajit Ray's renowned stories about the exploits of the great Bengali sleuth, Feluda. Ask any Bengali about Sulekha, and they will recall it with fond nostalgia. Sulekha Ink reached its zenith during the 1960s to the '80s, selling almost a million bottles per month.

It came as harsh news when Sulekha shut down in 1989. However, as the whole world was wrestling with the fatal pandemic, amidst the lockdown in 2020, something miraculous happened. Some Sulekha loyalists opened a Facebook group named Sulekha Ink Lovers and started pushing the authorities. The group shared their nostalgic memories with the ink and received an overwhelming response from Greece, Australia, the UK, the USA, Bangladesh, Nepal, and undoubtedly, India. Orders began to pour in and so much so that the stakeholders of Sulekha Ink realized the potential of the market, and decided to bring it back in 2020, that too in Sulekha's classic Swadeshi-themed packages.

The news spread like wildfire and has delighted fountain pen aficionados all across the globe. Sulekha has once again returned to its birthplace, Rajshahi. Currently, Sulekha Ink is imported to Bangladesh by only one person, Mizanur Rahman Mizan. On the ground floor of Gausul Azam Super Market in Dhaka's Nilkhet area, Mizan has a shop named "Dolphin International" where the ink is available for purchase. He also takes orders through his Facebook page "Pen Bazar BD" and offers a home delivery service. History has a way of repeating itself, and somehow, the past has a way of catching up to you in all sorts of new ways. If one knew the story of Sulekha, they would agree with me. We are seeing a considerable rise in the popularity of fountain pens more than it was even five years ago. No one knows what the future holds in store. Maybe, Sulekha Ink will once again be restored to its glory days, and in the streets, you will find people sporting a de rigueur fountain pen in their shirt pockets.

rajeshsharma1049@gmail.com

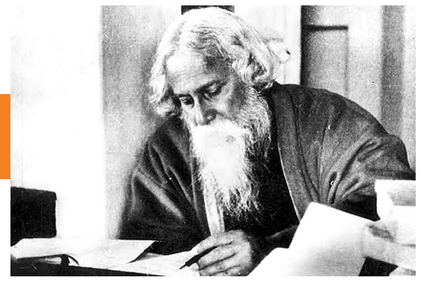

Rabindranath Tagore writing with a fountain ink pen.

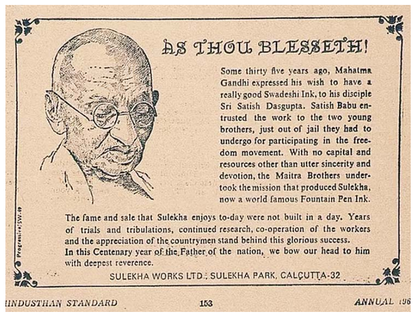

A newspaper clipping about Mahatma Gandhi's request to start Sulekha Ink.

A Double Decker Bus in Kolkata with a Sulekha Ink advertisement.

Sulekha Ink.

#BRAHUI

The Dravidian Echo of Tamil in Pakistan's Balochistan

Brahui exists in Balochistan, making it a linguistic outlier, often described as a "Dravidian island" surrounded by Indo-Iranian languages

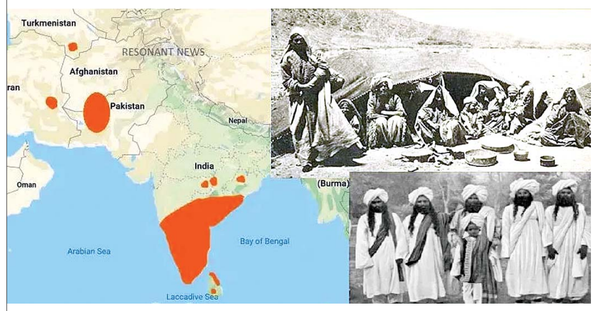

Languages often reveal unexpected stories of migration and connection, and one of the most fascinating examples lies in Pakistan's Balochistan region. Here, communities speak Brahui, a language that has intrigued linguists for decades because of its deep structural relationship with Tamil and the Dravidian language family of South India.

At first listen, Brahui does not sound like Tamil. Its vocabulary carries strong influences from neighbouring languages such as Balochi, Persian and Sindhi, reflecting centuries of cultural exchange in the region. Yet, when linguists began to analyse the language more closely, they discovered something remarkable: beneath the borrowed words lies a grammatical framework strikingly similar to Tamil and other Dravidian languages.

The connection goes far beyond shared vocabulary. Brahui and Tamil share complex grammatical structures, including similar sentence patterns, verb formations and ways of adding suffixes to convey tense, mood and relationships. These deep structural parallels suggest a shared linguistic ancestry, pointing to ancient migrations or cultural links that predate modern national borders by thousands of years. This discovery reshaped how scholars understand the spread of the Dravidian language family. Today, most Dravidian languages are concentrated in southern India, including Tamil, Telugu, Kannada and Malayalam. Brahui, however, exists hundreds of kilometres away in Balochistan, making it a linguistic outlier, often described as a "Dravidian island" surrounded by Indo-Iranian languages. Over centuries, Brahui speakers lived alongside diverse communities, and the language gradually absorbed local sounds and vocabulary. This process explains why Brahui no longer resembles Tamil in everyday speech. Its pronunciation and word stock reflect its environment, while its grammar quietly preserves a much older heritage.

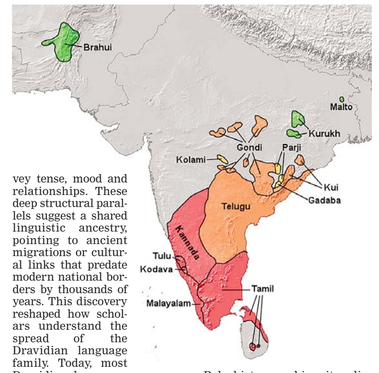

The survival of Brahui highlights how languages evolve while still carrying traces of their origins. It stands as a living reminder that South Asia's linguistic history is deeply interconnected, shaped by movement, trade and cultural exchange across vast landscapes.

THE WALL

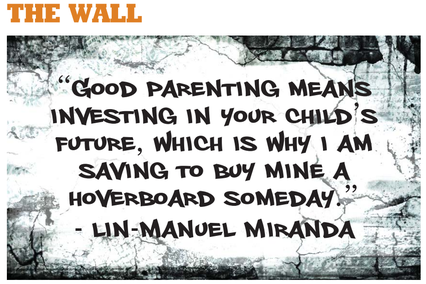

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

श्रीगंगानगर में शेयर मार्केट में मुनाफे का झांसा देकर 14 लाख की ठगी

ठगों ने शेयर मार्केट और एमसीएक्स में इन्वेस्ट कराया, अब धमकी दे रहे हैं

- आरोपियों ने श्री श्याम एसोसिएट्स के नाम से ऑफिस चलाकर लोगों को फंसाया
- कोतवाली पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया

श्रीगंगानगर, (निसं)। शेयर मार्केट और एमसीएक्स में प्रॉफिट कमाने का झांसा देकर लाखों रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने भाटिया पेट्रोल पंप के पीछे श्री श्याम एसोसिएट्स के नाम से ऑफिस चलाकर लोगों को जाल में फंसाया। कोतवाली पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

शिकायतकर्ता सौरभ धूड़िया निवासी इंद्रप्रस्थ इन्क्लेव, श्रीगंगानगर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि आरोपी संजय से उनकी 4-5 साल पुरानी जान-पहचान थी। मई 2025 में संजय ने उनसे संपर्क किया और कहा कि वह श्री श्याम एसोसिएट्स में काम करता है। उसे एमसीएक्स और शेयर मार्केट में निवेश करने पर अच्छा-खासा मुनाफा होगा। सौरभ ने शुरू में निवेश करने से मना कर दिया, लेकिन संजय के बार-बार दबाव डालने के बाद वे ऑफिस पहुंचे। वहां रायसिंह सिहाग, सुभाष, नीरज और संजय मौजूद थे। आरोपियों ने उन्हें विश्वास में लेकर कई डॉक्यूमेंट पर साइन करवाए। आधार कार्ड, पैन कार्ड और पांच खाली चेक भी ले लिए। अक्टूबर 2025 में सौरभ ने पहले 1 लाख रुपए दिए। कुछ दिनों बाद आरोपियों ने उसे बताया कि शेयर के भाव बढ़ गए हैं और 15-18 हजार रुपए का मुनाफा हो रहा है। जिससे सौरभ को भरोसा हो गया। इसके बाद आरोपियों ने अब अच्छा मौका है कहकर और पैसे मांगे और सौरभ से 14 लाख रुपए निवेश करवा लिए गए। आरोपियों ने शुरू में थोड़ी रकम लौटाकर भरोसा बना लिया, जिसके बाद में अचानक बताया गया कि शेयर नुकसान में चले गए हैं और पैसे लगाने होंगे। जब सौरभ ने पैसे लगाने से मना किया तो आरोपियों ने धमकी दी कि अगर पुलिस या कोर्ट गए तो झूठे मुकदमे में फंसाएंगे और गंगानगर में रहना मुश्किल कर देंगे। आरोपियों ने कहा कि उनकी बड़े अधिकारियों तक पहुंच है।

पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी रायसिंह सिहाग श्याम ट्रेडिंग कंपनी के नाम से कारोबार दिखाता था। संजय पीड़ित को लाने-फुसलाने का काम करता था, जबकि सुभाष लेन-देन और नीरज-संजय ऑफिस संभालते थे। कोतवाली पुलिस ने रायसिंह सिहाग, सुभाष, नीरज और संजय के खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। सभी आरोपी श्रीगंगानगर के राधेश्याम कोठी रोड इलाके के रहने वाले बताए जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

दो कारों व ट्रैक्टर-ट्रॉली से 539 किलो डोडा-चूरा बरामद

नारकोटिक्स टीम ने कोटा में दो जगह अलग-अलग कार्रवाई की

- ड्रग तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर पास के जंगल वाले इलाके में भाग गए

कोटा, (निसं)। प्रदेश में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी व तस्करों की गिरफ्तारी को लेकर केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की टीम लगातार कार्रवाई को अंजाम दे रही है। केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की दो अलग-अलग टीमों ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक टीम ने जंगल में मिली दो लावारिस कारों से अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा के 32 बैग बरामद किये, वहीं दूसरी टीम ने कार्रवाई के दौरान एक ट्रैक्टर-ट्रॉली से 5 बैग डोडा-चूरा के बरामद किया। दोनों का वजन लगभग 539 किलो बताया जा रहा है। उक्त दोनों कार्रवाई केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो कोटा के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निर्देशन में की गई।

उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि चित्तौड़गढ़ से मारवाड़ इलाके में दो कारों में भारी मात्रा में अवैध डोडा-चूरा सप्लाई होने वाला है। उक्त सूचना पर सीबीएन चित्तौड़गढ़ पी एण्ड आई सेल के अधिकारियों की टीम गठित की गई और टीम को मौके के लिये रवाना किया गया। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि गठित टीम ने बस्सी रोड पर पहुंचने के बाद मौके पर निगरानी रखी और गाड़ियों के आने का इंतजार किया। लगभग 3-4 घंटे इंतजार करने के बाद, जब कारें नहीं आई, तो टीम ने आस-पास के इलाके में गहन तलाशी ली तो तलाशी के दौरान टीम को जंगल में झाड़ियों के बीच एक कच्चे रास्ते पर दो वाहन लावारिस हालत में छिपे हुए मिले। टीम ने मौके पर दोनों वाहनों की अच्छी तरह तलाशी लेने पर टीम ने दो कारों से 32 बैग अवैध डोडा-चूरा बरामद किया जिनका वजन 464.940 किलोग्राम था। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद, बरामद अवैध डोडा-चूरा और दोनों गाड़ियों को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत् जब्त कर लिया गया है। प्रकरण में आगे की जांच प्रक्रिया जारी है।

वहीं नारकोटिक्स टीम ने एक अन्य कार्रवाई करते हुए पांच बैग अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा जब्त किया जिसका कुल वजन 74.820 किलोग्राम था। उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि गांव रिछावाड़ा से कल्याणपुरा तक अंदरूनी रोड पर बिना रजिस्ट्रेशन नंबर वाले ट्रैक्टर ट्रॉली में अवैध डोडा-चूरा ले जाया जा रहा है। उक्त सूचना पर सीबीएन प्रतापगढ़ सेल के अधिकारियों की एक टीम बनाई गई और टीम को मौके पर भेजा गया। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि जैसे ही टीम बताई गई जगह पर पहुँची, ड्रग तस्करों ने टीम को दूर से देख लिया और अंधेरे का फायदा उठाकर पास के जंगल वाले इलाके में भाग गए।

सीबीएन टीम मौके पर खडे ट्रैक्टर-ट्रॉली को प्रतापगढ़ ऑफिस लाई जिसके बाद ट्रैक्टर ट्रॉली की अच्छी तरह से तलाशी ली गई तो तलाशी में कुल 5 बैग अवैध डोडा-चूरा मिले, जिनका वजन 74.820 किलोग्राम था, टीम ने कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बरामद अवैध डोडा-चूरा को ट्रैक्टर-ट्रॉली के साथ जब्त कर लिया गया। प्रकरण में आगे की जांच प्रक्रिया जारी है।

कोटा में सायबर ठगी गैंग के मुख्य मास्टरमाइण्ड को गिरफ्तार किया

- दो सायबर ठगों से कैथून पुलिस टीम ने पूछताछ के बाद कार्रवाई की

कोटा, (निसं)। मंडाना पुलिस टीम द्वारा नाकाबंदी के दौरान की गई कार्रवाई में पकड़े गये दो सायबर ठगों से कैथून पुलिस टीम ने पूछताछ व मामले में अनुसंधान कर कार्रवाई करते हुए सायबर ठगी के मुख्य मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि मंडाना पुलिस टीम ने पूर्व में नाकाबंदी के दौरान सायबर ठगी के मामले में जावेद एवं मोहम्मद इरशाद को गिरफ्तार किया था, मामले में अनुसंधान कैथून थानाधिकारी मनोज सिकरवार को सौंपा गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि कैथून थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम ने पूरे मामले में अनुसंधान करते हुए त्वरित कार्रवाई की और इन सायबर अपराधियों को म्यूल अकाउंट (किराए के बैंक खाते और डेबिट कार्ड) उपलब्ध करवाने वाले मुख्य मास्टरमाइंड जिला झालावाड़ के थाना कामखेडा के आफुखेड़ी निवासी शाबिद खान उर्फ शाबिर (36) को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। गिरोह के अन्य नेटवर्क और बैंक खात्तों के संबंध में विस्तृत अनुसंधान जारी हैं।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि 13 मई को मंडाना पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान एक संदिग्ध कार को रोककर उसकी तलाशी ली तो पुलिस टीम ने कार में से 1,71,000 नगद, दो पेटीएम पीओएस मशीनें, 4 मोबाइल फोन और विभिन्न बैंकों के 4 डेबिट कार्ड बरामद किए गए थे। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपी नावली थाना फिरोजपुर झिरका जिला नूह हरियाणा निवासी जावेद (25) एवं मोहम्मद इरशाद (30) को गिरफ्तार किया मामले में अनुसंधान कैथून थानाधिकारी मनोज सिंह सिकरवार को सौंपी गई।

जोधपुर जेल में एंड्राइड फोन मिला

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर केंद्रीय कारागार में जेल प्रशासन ने बैरकों की तलाशी ली। एक दंडित बंदी ने अपने बिस्तर पर लोहे का पीपा रखा हुआ था। पीपे पर उसका एंड्राइड फोन मिला, जिसे जेल प्रशासन ने बरामद कर रातानाडा पुलिस को सौंपा। इस बारे में दंडित बंदी के खिलाफ केस दर्ज कराया गया। रातानाडा थानाधिकारी दिनेश लखावत ने बताया कि जेल प्रशासन ने शुक्रवार को कारागार में तलाशी ली थी। तब एक बैरिक में दंडित बंदी रमेश प्रजापत पुत्र जोगराम के बिस्तर पर लोहे का पीपा रखा हुआ था। पीपे पर एक एंड्राइड फोन बरामद हुआ, जिसे जब्त किया गया। दंडित बंदी रमेश प्रजापत के खिलाफ केस दर्ज कराया गया।

चाकू मारकर युवक से नगदी लूटी

टोंक, (निसं)। मुख्यालय स्थित गहलोद पुलिया पर शनिवार को दो बदमाशों ने चाकू मारकर युवक से 7 हजार रूपये लूटकर फरार हो गये।

प्राप्त जानकारी के अनुसार परिवादी आरिफ पुत्र मो. तारिफ निवासी गोल मस्जिद सैय्यद कॉलोनी जो बैटरी डायनुमा का काम करके वापस गहलोद से कक्राज गांव वाले कच्चे रास्ते से आ रहे थे। तभी रास्ते में मोटरसाइकिल पर सवार दो बदमाशों ने इन्हें रोक लिया और पूछा कि तेरे पास कितने पैसे हैं। सन्तुष्टपूर्वक जबाव नहीं देने पर आरिफ को चाकू मार दिया। घटना में बदमाशों ने आरिफ को हाथ पर चाकू मारकर उसकी जेब में रखे 7 हजार रूपये निकालकर फरार हो गए। जिसके बाद वहां से गुजर रहे राहगीरों ने घायल आरिफ को सआदत चिकित्सालय भर्ती कराया। परिजनों ने बदमाशों के खिलाफ थाने में प्रकरण दर्ज करा दिया है।

सड़क पार कर रहे युवक को ट्रक ने 100 फीट घसीटा

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर के भुवाणा सुखेर के बीच शनिवार दोपहर तेज रफ्तार ट्रक ने रोड क्रॉस कर रहे युवक को कुचल दिया। ट्रक ड्राइवर 100 फीट तक युवक को घसीटता हुए ले गया। हादसे में युवक का एक पैर गंभीर रूप से चोटिल हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक सड़क पार कर रहा था, उसी दौरान तेज गति से आ रहे ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। हादसा देखकर मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। लोगों के चिल्लाने के बाद ट्रक ड्राइवर वाहन की चाबी लेकर मौके से फरार हो गया।

सुखेर थानाधिकारी भरत योगी ने बताया कि ट्रक की चपेट में आने वाला युवक आगरा निवासी मुकेश पाठक (30) है। वह यहां चीरवा के पास एक होटल में काम करता है। योगी ने बताया कि एम्बुलेंस से उसे एमबी अस्पताल ले गए, जहां उसका इलाज चल रहा है। वहां मौजूद लोगों का कहना है कि ट्रक ने युवक को इस कदर घसीटा की उसका एक पैर गंभीर रूप से चोटिल हो गया। हादसे के बाद युवक ट्रक के नीचे फंसा हुआ था। मौके पर मौजूद लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए ट्रक को पीछे करवाकर घायल युवक को बाहर निकाला। प्रत्यक्षदर्शियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायल को तुरंत इलाज के लिए एमबी हॉस्पिटल ले गए। घटना के बाद सड़क पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे कुछ देर तक यातायात भी प्रभावित रहा। सुखेर थाना पुलिस ने यातायात को सुचारू करवाया। पुलिस फरार ट्रक चालक की तलाश में जुटी हुई है।

जयपुर से स्कॉर्पियो लूटकर भाग रहे लुटेरे को पावटा में दबोचा

गिरफ्तार बदमाश के पास से पुलिस ने लूट की स्कॉर्पियो, एक मोबाइल बरामद किया

- गाड़ी में एक फोन जो कि साइलेंट मोड पर था, जिस पर फोन की लोकेशन लेकर पुलिस को सूचना मिली थी

पावटा, (निसं)। जयपुर में नारायण विहार से काले रंग की स्कॉर्पियो लूट कर भाग रहे एक लुटेरे को प्रागपुरा थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाश के पास से पुलिस ने लूट की स्कॉर्पियो, एक मोबाइल बरामद किया है।

प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम ने बताया कि काले रंग की स्कॉर्पियो को लूटकर भाग रहे बदमाश को पता नहीं था कि गाड़ी में एक फोन जो की साइलेंट मोड पर था, जिस पर फोन की लोकेशन लेकर पुलिस को सूचना मिली थी कि जयपुर में नारायण विहार इलाके में लुटेरा एक काले रंग की स्कॉर्पियो को लूटकर भाग रहा हैं।

इसी सूचना पर प्रागपुरा थाना पुलिस ने थाना प्रभारी भजनाराम के नेतृत्व में नाकाबंदी कर सर्च अभियान शुरू किया था। पुलिस ने बदमाशों का पीछा करना शुरू किया, वहीं स्कॉर्पियो लूटने के बाद लुटेरा नाकाबंदी देखकर उसे तोड़ते हुए गोवर्धनपुरा, पाथरेड़ी, संतोषी, ग्राम राजनौता में जालम सिंह की ढाणी की तरफ तेजी से भाग रहा था। इसी क्रम में प्रागपुरा थाना पुलिस ने चालक सुरेश कुमार मीणा की तत्परता से 3 किलोमीटर पीछाकर ग्राम राजनौता में धौलाजी मंदिर के पास खेतों में लगे पिलरों को तोड़ते हुए गाड़ी क्षतिग्रस्त होने पर पैदल भाग रहे एक बदमाश अभय सिंह पुत्र रोहिताश निवासी ढाणी श्योग्राम तन खुर्दी कोटपुतली को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी लादेन गैंग से जुड़ा हुआ है।

श्रीगंगानगर में पांच करोड़ के नशीले पदार्थों को जलाया

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिला पुलिस ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 5 करोड़ 10 लाख 90 हजार रुपए के नशीले पदार्थों को जलाया है। कोर्ट के आदेश पर यह कार्रवाई की गई है।

एसपी हरीशंकर ने बताया कि सदर थाना क्षेत्र के कालियां स्थित ईंट-भट्ठा श्याम क्लिन कंपनी में जलाकर नष्ट किया गया। ईंट-भट्ठे में जलाए गए नशीले पदार्थों में 569 किलो 104 ग्राम पोस्त, 16 किलो 539 ग्राम गांजा, 1 किलो 979 ग्राम हेरोइन, 5365 नशीली गोलियां हैं। ये सभी पदार्थ जिले के विभिन्न थानों में दर्ज 91 एनडीपीएस प्रकरणों में जब्त किए गए थे। कार्रवाई में एडिशनल एसपी दीपक शर्मा, रामप्रताप (पुनि. अपराध सहायक) शामिल थे। सहायक उप निरीक्षक हरप्रीत सिंह सैनी, प्रभारी एनडीपीएस सेल की अहम भूमिका रही। इस दौरान एसपी ने कहा कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी और कारोबार करने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है। ऐसे सभी सामान को समय-समय पर नष्ट किया जाएगा, ताकि ये बाजार में दोबारा न पहुंच सकें।

घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी, मामला दर्ज

निवाई, (निसं)। शहर के जिरात बाबा रोड पर स्थित एक घर के बाहर खड़ी मोटर साइकिल को अज्ञात चोर चुरा ले गए। वहीं उप जिला अस्पताल में एक मरीज की जेब काटकर 3 हजार 500 रूपए की नकदी व आवश्यक कागजात ले गए। उप जिला अस्पताल में एक मरीज की जेब कट गई। जेब कतरे ने 3 हजार 500 रूपए की नकदी व आवश्यक कागजात निकाल लिए। पीड़ित बंटी जायसवाल ने बताया कि वह दवाई लेने के लिए अस्पताल में गया था। इसी दौरान किसी जेब कतरे ने उसकी जेब से पर्स पार कर लिया। उसने बताया कि पर्स में 3 हजार 500 रुपए की नकदी, एटीएम कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस व क्रेडिट कार्ड सहित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज रखे हुए थे। पीड़ित ने इस मामले में पुलिस थाने में अज्ञात जेब कतरे के विरुद्ध मामला दर्ज करवाया है। इसी प्रकार पीड़ित अल्ताफ हुसैन पुत्र जमील हुसैन ने बताया कि वह शुक्रवार को दोपहर में अपने घर के बाहर मोटरसाइकिल खड़ी कर अन्दर चला गया। खाना खाने के बाद वापस लौटा तो मोटरसाइकिल गायब मिली, जिसकी आसपास तलाश की लेकिन कहीं नहीं मिली।

भरतपुर में वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

देर रात को अपने गांव से ससुराल जा रहा था युवक

रुदावल/भरतपुर, (निसं)। रुदावल-बयाना स्टेट हाईवे पर हनुमान मंदिर गेट से आगे गांव जरीला के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

रुदावल थाने के एएसआई जगदीश ने बताया कि मृतक की पहचान गांव जटमासी थाना रूपवास निवासी वीरेंद्र सिंह जाटव (34) पुत्र कुमर सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वीरेंद्र सिंह अपनी बाइक पर सवार होकर अपने गांव जटमासी से बयाना स्थित अपनी ससुराल जा रहा था। जैसे ही वह रुदावल-बयाना स्टेट हाईवे पर स्थित जरीला गांव के पास पहुंचा, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वीरेंद्र सिंह उछलकर सड़क पर जा गिरा और उसे गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत इस घटना की सूचना पुलिस और एम्बुलेंस को दी। हालांकि, अस्पताल ले जाने से पहले ही अत्यधिक खून बह जाने के कारण युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने मृतक के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी है। परिजनों के आने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस ने हाईवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से फरार वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

एक लाख का गांजा बरामद, आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। महिला अनुसंधान अधिकारी एएसपी कमल प्रसाद के निर्देशन और वृताधिकारी टोंक मृत्युजंय मिश्रा के सुपरविजन में जिला स्पेशल टीम व कोतवाली थाना पुलिस टीम ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई करते हुए कोतवाली क्षेत्र के कंपू क्षैत्र से एक युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से करीब एक लाख रुपए का गांजा जब्त किया है।

पुलिस जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना क्षेत्र में पुलिस को मुखबिर और तकनीकी माध्यम से सूचना मिली थी कि आरोपी अवैध मादक पदार्थ लेकर सप्लाई के लिए जा रहा है। इसके बाद टीम ने इलाके में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कंपू इलाके में घेराबंदी कर क्षैत्र से आरोपी किशन पुत्र रामावतार माली निवासी नैन सुख की बगिया, शंकर चौराहा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1.880 किलो अवैध गांजा व इलेक्ट्रॉनिक कांटा और मोबाइल फोन जब्त किया गया।

अजमेर में सड़क हादसे में घायल की इलाज नहीं मिलने से मौत का आरोप

- जेएलएन अस्पताल के बाहर कथित वार्ड बॉय और ट्रॉलीमैन मरीज को दूसरे अस्पताल भिजवा दिया था
- घायल की मां का आरोप है कि सरकारी अस्पताल में इलाज के बजाय निजी अस्पताल भेज दिया, आखिरकार बेटे की मौत हो गई
- मामले को लेकर जेएलएन अस्पताल के उप अधीक्षक ने शिकायत की जांच करवाई और कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं

अजमेर, (कासं)। अजमेर संभाग के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल जवाहर लाल नेहरू अस्पताल के आपातकालीन विभाग को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। सड़क हादसे में घायल युवक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि अस्पताल के बाहर सक्रिय कुछ कथित वार्ड बॉय और ट्रॉलीमैन ने इलाज के नाम पर उन्हें गुमराह कर निजी अस्पताल पहुंचा दिया, जहां मोटी रकम जमा करवाने के बाद भी युवक की जान नहीं बच सकी।

मामला केकड़ी क्षेत्र के कादेड़ा निवासी गोविंद महावर से जुड़ा है, जो मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। परिजनों के अनुसार, कुछ दिन पहले रात के समय गोविंद सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया था। स्थानीय लोगों ने उसे पहले केकड़ी के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां हालत गंभीर होने पर उसे अजमेर के जेएलएन अस्पताल रेफर कर दिया गया। मृतक की मां मधु महावर और उनके परिचित का आरोप है कि जब वे घायल गोविंद को एम्बुलेंस से रात करीब 11 से 12 बजे के बीच जेएलएन अस्पताल के आपातकालीन विभाग लेकर पहुंचे, तब वहां मौजूद तीन-चार लोगों ने, जो वार्ड बॉय और ट्रॉलीमैन जैसे दिख रहे थे, उन्हें मरीज को अंदर ले जाने से रोकते हुए कहा कि यहां आपके मरीज का सही इलाज नहीं होगा, आप उसे किसी निजी अस्पताल में ले जाइए। हम एम्बुलेंस की व्यवस्था करवा देते हैं। परिजनों के मुताबिक, कुछ ही देर में एक एम्बुलेंस बुलवाई गई और उन्हें पुष्कर रोड स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया।

परिजनों ने आरोप लगाया कि पुष्कर रोड स्थित निजी अस्पताल पहुंचते ही उनसे कहा गया कि इलाज शुरू करने से पहले 30 हजार रुपए जमा करवाने होंगे। बेटे की जान बचाने की उम्मीद में परिवार ने तत्काल राशि जमा करवा दी। इसके बाद गोविंद को निजी हॉस्पिटल में वेंटिलेटर पर रखा गया और करीब दो दिन तक अस्पताल में भर्ती रखा गया, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ। आखिरकार परिजन उसे वापस जेएलएन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां कुछ समय बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बेटे की मौत से बदहवास मां मधु महावर व कास्ट एनजीओ की हवा पाराशर ने आरोप लगाया कि पूरे मामले में गरीब और परेशान परिवार की मजबूरी का फायदा उठाया गया। उनका कहना है कि यदि समय पर जेएलएन अस्पताल में सही उपचार मिल जाता तो शायद उनके बेटे की जान बच सकती थी। परिजनों ने जेएलएन अस्पताल के आपातकालीन विभाग के बाहर सक्रिय कथित कमीशनखोरी नेटवर्क और निजी अस्पताल की भूमिका की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

मामले को लेकर जेएलएन अस्पताल के उप अधीक्षक डॉ. अमित यादव ने कहा कि परिजनों की ओर से शिकायत प्राप्त हुई है। शिकायत की जांच करवाई गई और सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच के बाद और शिकायतकर्ता द्वारा दिए पहचान करने के बाद संबंधित एजेंसी को उक्त कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं और जब तक यह जांच चलेगे यह कर्मचारी ड्यूटी पर नहीं आएंगे।

वहीं इस मामले में सम्पर्क हॉस्पीटल के सीईओ मनीष जैन से जानकारी चाही तो उन्होंने बताया कि मरीज को जब उसके परिजन एम्बुलेंस की मदद से यहां लेकर पहुंचे तो उन्हे बताया दिया गया था कि मरीज की हालत गंभीर है। उसके बाद ही हमने उसे यहां भर्ती कर उपचार शुरू किया, लेकिन दूसरे दिन दोपहर में मरीज गोविन्द के परिजन ने कहा कि हम यहां उपचार करवाने में असमर्थ हैं, मरीज को लेकर अन्य अस्पताल में जाना चाहते हैं, तब यहां से वो यहां से डिस्जार्च लेकर गये हैं।

गंगापुर सिटी में ट्रेन की चपेट से वृद्धा की मौत

गंगापुर सिटी, (निसं)। रेलवे स्टेशन पर शनिवार दोपहर एक वृद्ध महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। यह हादसा प्लेटफॉर्म नंबर 2ध्3 पर हजरत निजामुद्दीन-इंदौर समर स्पेशल ट्रेन (09310) से हुआ।

- शिनाख्त के लिए मोर्चरी में रखवाया शव

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लगभग 70 वर्षीय महिला श्रीमहावीरजी की तरफ से आ रही ट्रेन की चपेट में आ गई। सूचना मिलते ही जीआरपी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को एम्बुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल पहुंचाया और मोर्चरी में रखवाया। फिलहाल महिला की शिनाख्त नहीं हो पाई है और पुलिस परिजनों की तलाश कर रही है। मृतका ने लाल रंग की चुनरी और नीले रंग के छीट के कपड़े पहने थे। शव के पास से एक बेंत भी मिला है। जीआरपी थाना गंगापुर सिटी मामले की जांच में जुटा है। पुलिस आसपास के थानों में भी मृतका के हुलिए के आधार पर शिनाख्त करवाने का प्रयास कर रही है। जीआरपी थाना गंगापुर सिटी ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को महिला के बारे में जानकारी हो तो वे उनसे संपर्क करें।

खेतड़ी कस्बे में पेयजल समस्या से आमजन परेशान

- पानी की सप्लाई सही करने के लिए लोगों ने तहसीलदार को ज्ञापन दिया

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी कस्बे में भीषण गर्मी के मौसम में पेयजल की समस्या से आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने तहसील कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन कर नियमित रूप से पेयजल सप्लाई करने की मांग की है। इस दौरान ग्रामीणों ने तहसीलदार को ज्ञापन दिया।

एडवोकेट विजेंद्र सैनी ने बताया कि वार्ड नंबर 21 ,एसडीएम कोर्ट के सामने स्थित कॉलोनी में सीवरेज लाइन के साथ पानी सप्लाई की लाइन डालने के पश्चात पानी की आपूर्ति बहुत ही कम मात्रा में हो गई है। पीने की पानी की भारी किल्लत होने के कारण कस्बेवासियों ने प्रदर्शन किया व अधिकारी के नाम नायब तहसीलदार को ज्ञापन दिया। मुकेश सैनी ने बताया कि पानी की सप्लाई पिछले कुछ दिनों से अनियमित व कम मात्रा में हो रही है, जिसके चलते घर में हाथ धोने के लिए भी पानी नहीं है। पेयजल की नियमित सप्लाई नहीं होने से मजबूरन हफ्ते में दो बार पानी का टैंकर डलवाना पड़ता है। जिसकी कीमत एक बार में 600 रूपये आती है। पेयजल की समस्या को लेकर जब जलदाय कर्मचारी को अवगत कराया जाता है तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया जाता है। उन्होंने बताया कि पेयजल की समस्या के चलते आर्थिक रूप से नुकसान उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि जल्द नियमित रूप से सप्लाई नहीं की गई तो जलदाय विभाग के कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस मौके पर विजेंद्र सैनी, विजेश चेजारा, मुकेश सैनी, बुधराम, रोशन लाल कुमावत, भरत सैनी, रोहिताश, मुकेश देवी, प्रेमलता, ममता, किरणा देवी, सुमन चंद्रकला आदि मौजूद रहे।

सीकर में नीट की तैयारी कर रहे छात्र की मौत

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। प्रतियोगी परीक्षाओं की अव्यवस्था, लगातार बदलते फैसले और छात्रों पर बढ़ते मानसिक दबाव ने एक और युवा की जान ले ली। सीकर में नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे झुंझुनूं जिले के गुढ़ागौड़जी कस्बे के बाड्या नला निवासी 22 वर्षीय प्रदीप माहीच की मौत ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। गुढ़ागौड़जी थाने से मिली जानकारी के अनुसार परिवार का आरोप है कि परीक्षा रद्द होने की खबर के बाद वह गहरे तनाव में चला गया था। गरीब परिवार से आने वाला प्रदीप तीन बहनों का इकलौता भाई था। वह पिछले तीन-चार वर्षों से सीकर में रहकर निजी कोचिंग संस्थान में मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहा था। परिवार ने सपनों की खातिर आर्थिक तंगी झेली, लेकिन बेटे की पढ़ाई नहीं रुकने दी। इस बार घरवालों को उम्मीद थी कि प्रदीप डॉक्टर बनकर परिवार की तकदीर बदल देगा।

परिजनों के अनुसार, तीन मई को हुई नीट परीक्षा के बाद प्रदीप बेहद खुश था। उसने खुद कहा था कि उसका पेपर बहुत अच्छा हुआ है और करीब 650 अंक आने की संभावना है। परिवार और गांव में चयन को लेकर उत्साह था, लेकिन परीक्षा को लेकर फैली अनिश्चितता और रद्द होने की चर्चाओं ने उसकी मानसिक स्थिति को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। बताया जा रहा है कि पिछले चार दिनों से वह तनाव में था और कम बोल रहा था।

एम्स दिल्ली और जोधपुर की टीम कोटा के जेके लोन और नए अस्पताल पहुंची

कोटा में प्रसूताओं की मौत और किडनी फेल्योर के मामलों के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाई लेवल जांच कमेटी गठित की है

कोटा, (निसं)। मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल और जेके लोन हॉस्पिटल में प्रसूताओं की मौत और किडनी फेल्योर के मामले में जांच जारी है। पूरे घटनाक्रम के बाद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से बात की थी। इसके बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा के निर्देश पर एक हाई लेवल कमेटी गठित की गई है। इस कमेटी में एम्स दिल्ली और जोधपुर के डॉक्टर शामिल हैं। यह पूरी टीम शनिवार कोटा पहुंची और अस्पताल का जायजा लिया। इसकी अध्यक्षता एम्स दिल्ली की गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ. रीता माहे कर रही हैं।

कमेटी में पीएसएम, हॉस्पिटल मैनेजमेंट, गाइनेकोलॉजिस्ट, माइक्रोबायोलॉजी, एनेस्थीसिया व पीडियाट्रिक्स के चिकित्सक शामिल हैं। कमेटी ने जेके लोन और मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में घंटों तक निरीक्षण किया। अस्पताल में भर्ती मरीजों का रिकॉर्ड लिया गया, जिन प्रसूताओं की मौत हुई उनके ट्रीटमेंट का रिकॉर्ड देखा गया। नर्सिंग केयर की जानकारी ली गई। ऑपरेशन थिएटर और लेबर रूम की व्यवस्थाओं को समझा गया। कमेटी ने मरीजों की एंट्री से लेकर एग्जिट तक के पूरे प्रोसेस और उपचार में लगे समय की जानकारी ली। टीम ने उपचार में लगे डॉक्टरों और नर्सिंग कर्मियों को बुलाकर पूछताछ भी की।

जेके लोन अस्पताल की अधीक्षक डॉ.निर्मला शर्मा के अनुसार कमेटी प्रसूताओं की मौत और गंभीर बीमार होने के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। नर्सिंग रिकॉर्ड को बारीकी से देखा गया। सभी मेडिकल इन्वेस्टिगेशन और मरीजों को हैंडल करने की प्रक्रिया की जानकारी ली गई। इसके अलावा ठीक हुए केसों के बारे में भी पूछताछ की गई। इस कमेटी में हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन के डॉ. रंजन सिंह, पीडियाट्रिक्स के डॉ. अंकित वर्मा, एनेस्थीसिया के डॉ. दालिम सिंह, माइक्रोबायोलॉजी के डॉ. गगनदीप सिंह और एम्स जोधपुर की गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ. मनीषा झीरवाल शामिल हैं।

कोटा मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल और जेके लोन हॉस्पिटल में प्रसूताओं की मौत और किडनी फेल्योर के मामले में हाई लेवल कमेटी ने जांच की।

- **कमेटी ने जेके लोन और मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में निरीक्षण किया और भर्ती मरीजों का रिकॉर्ड लिया, जिन प्रसूताओं की मौत हुई उनके ट्रीटमेंट का रिकॉर्ड भी देखा**

झुंझुनूं में एक व्यक्ति ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दी

सुसाइड करने से दो मिनट पहले व्हाट्सऐप स्टेटस पर तीन पेज का नोट डाला

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के न्यू हाउसिंग बोर्ड के पास एक घटना में एक व्यक्ति ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान वाहिदपुरा हाल रीको निवासी विमल उर्फ विमलेश शर्मा के रूप में हुई है। वह सीकर में नौकरी करता था और रोजाना ट्रेन से अपडाउन करता था। शनिवार को भी सीकर जाने वाली ट्रेन स्टेशन पर खड़ी थी, जिसमें बैठकर उसे काम पर जाना था, लेकिन वह उसमें नहीं बैठा और दूसरी ओर से आ रही सीकर-रेवाड़ी ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को मृतक के पास से तीन पेज का सुसाइड नोट मिला।

बताया जा रहा है कि आत्महत्या से महज दो मिनट पहले उसने यही सुसाइड नोट अपने व्हाट्सऐप स्टेटस पर भी लगाया था। सुसाइड नोट में उसने कथित ठगी और सूदखोरी से परेशान होकर यह कदम उठाने की बात लिखी है। सुसाइड नोट में मृतक ने चूरू निवासी मुकेश चौहान, स्वाति चौहान, उज्जवल लोहिया और योगेश भाटी सहित अन्य लोगों पर उसके भाई से शेयर में निवेश के नाम पर करीब डेढ़ करोड़ रुपए हड़पने का आरोप लगाया है। उसने लिखा कि जब मुनाफा मांगा गया तो आरोपियों ने पैसे लौटाने से इनकार कर दिया। इसके बाद कर्ज चुकाने के लिए उसने अनिल सुंडा और विकास वर्मा से ब्याज पर रुपए लिए। लेकिन मूल रकम से ज्यादा ब्याज चुकाने के बावजूद कर्ज खत्म नहीं हुआ। उसने लिखा कि घर, जमीन और गहने तक बिक चुके हैं और वह पूरी तरह टूट चुका है। नोट में मृतक ने लिखा अगर पुलिस सही तरीके से जांच करती और मुझे न्याय मिलता, तो शायद मुझे यह कदम नहीं उठाना पड़ता। उसने यह भी लिखा कि वह अपने परिवार और बच्चों के लिए कुछ नहीं कर पाया। सुसाइड नोट में सुरेंद्र और उसके दोस्त विजेंद्र का भी जिक्र करते हुए लिखा कि किसी की गरीबी और मजबूरी का फायदा नहीं उठाना चाहिए। नोट के अंत में उसने लिखा।

बताया जा रहा है कि आशु उसकी छोटी बेटी और बाबू उसका बड़ा बेटा है। घटना के बाद परिजनों ने पहले आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई होने तक शव लेने से इनकार कर दिया, लेकिन बाद में समझाइश के बाद वे मान गए। मृतक के भाई बाबूलाल शर्मा ने बताया कि वर्ष 2024 में इस संबंध में मामला दर्ज करवाया गया था। लेकिन कोतवाली पुलिस ने एफआर लगा दी। बाद में फाइल दोबारा खुलवाकर जांच शुरू करवाई गई तो सदर पुलिस ने भी एफआर लगा दी। उन्होंने बताया कि करीब एक महीने पहले यह फाइल आईजी जयपुर रेंज ने अपने पास मंगवा ली थी।

- **सुसाइड नोट में कथित ठगी और सूदखोरी से परेशान होकर कदम उठाने की बात लिखी**

गंभीर नदी में डूबे युवक का शव मिला

हिंडौन सिटी, (निसं)। जट नगला स्थित गंभीर नदी में शुक्रवार रात एक युवक का शव मिला। सूरौठ थाना पुलिस ने जिला अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमॉर्टम कराया है। मृतक की पहचान जट नगला निवासी 23 वर्षीय अनूप जाटव पुत्र रामलाल के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, शुक्रवार रात करीब 8 बजे युवक का शव नदी में मिला। सूचना मिलने पर सूरौठ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। करौली से सिविल डिफेंस टीम के इंचार्ज प्रदीप कुमार भी अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और रेस्क्यू कर शव को नदी से बाहर निकाला। शव को जिला अस्पताल ले जाया गया और मोर्चरी में रखवाया गया। परिजनों ने बताया कि अनूप शाम को घर से निकला था और बाद में नदी में डूबने से उसकी मौत की सूचना मिली। मामले में परिजनों ने कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई है, जिसके बाद पुलिस ने मृग दर्ज किया है। मृतक अनूप विवाहित था, घटना के समय उसकी पत्नी पीहर में थी। उसकी कोई संतान नहीं थी। वह मजदूरी करके अपना जीवन-यापन करता था।

डूंगरपुर में डंपर की टक्कर से दो युवकों की मौत, एक घायल

डूंगरपुर-आसपुर रोड पर हुआ हादसा, डंपर ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर-आसपुर रोड पर तिजवड स्कूल के पास शुक्रवार देर शाम तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों में एक युवक गुजरात से गांव में शादी समारोह में शामिल होने के लिए दो दिन पहले ही लौटा था। हादसे के बाद इलाके में शोक की लहर फैल गई। पुलिस ने डंपर ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सदर थाना एएसआई ने बताया कि सत्तू देवकी निवासी सुन्तिलाल पारगी की ओर से रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। रिपोर्ट के अनुसार उसका बेटा राहुल पारगी गुजरात में कारीगरी का काम करता था। गांव में शादी समारोह होने के कारण वह दो दिन पहले ही अपने घर लौटा था। राहुल बाइक लेकर डूंगरपुर गया था। उसके साथ हेमेंद्र कलासुआ पुत्र दिनेश कलासुआ निवासी ऊपर गांव और विशाल परमार पुत्र हरीश परमार निवासी सिदडी, खेरवाड़ा भी मौजूद थे। देर शाम तीनों युवक बाइक से वापस अपने गांव लौट रहे थे। तिजवड स्कूल के पास पहुंचते ही तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में तीनों के सिरए हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को गंभीर हालत में डूंगरपुर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद राहुल और हेमेंद्र को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल विशाल का अस्पताल में इलाज जारी है।

राहुल के घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं और परिवार खुशियों में डूबा हुआ था, लेकिन हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। गांव में भी शोक का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। पुलिस ने मृतक के पिता की रिपोर्ट पर डंपर ड्राइवर के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने और दुर्घटना का मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार

झुंझुनूं, (निसं)। पुलिस थाना कोतवाली झुंझुनूं ने लंबे समय से फरार चल रहे एक स्थाई वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। 11 वर्ष पुराने प्रकरण में वांछित स्थाई वारंटी मुखराम उर्फ मुखिया को पुलिस ने आसूचना के आधार पर दबिश देकर कस्बा झुंझुनूं से गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशानुसार जिले में वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन तथा वृत्ताधिकारी शहर गोपाल सिंह ढाका के सुपरविजन में कोतवाली थानाधिकारी श्रवण कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार एसीजेएम न्यायालय झुंझुनूं के प्रकरण के तहत आरोपी मुखराम उर्फ मुखिया पुत्र रतिराम निवासी मोहल्ला खटीकान, वार्ड नंबर 17, झुंझुनूं लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस टीम ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई टीम में श्रवण कुमार, थाना अधिकारी कोतवाली झुंझुनूं, सुभाषचन्द्र, रमेश, पवन, अंकित शामिल रहे।

अजमेर के नागोला स्कूल में भीषण गर्मी से 12 बच्चे बीमार

अजमेर, (निसं)। जिले में पड़ रही भीषण गर्मी और लू के बीच भिनाय क्षेत्र के नागोला गांव स्थित एक विद्यालय में 12 बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। बच्चों ने एक साथ पेट दर्द की शिकायत की, जिससे विद्यालय परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। विद्यालय प्रशासन ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए सभी बच्चों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया।

चिकित्सकों के अनुसार तेज गर्मी और लू के कारण बच्चों के शरीर में पानी की कमी हो गई थी, जिससे उन्हें पेट दर्द की शिकायत हुई। अस्पताल में बच्चों को आवश्यक उपचार और ग्लूकोज चढ़ाया गया। उपचार के बाद सभी बच्चों की स्थिति में तेजी से सुधार हुआ। स्वास्थ्य सामान्य होने पर चिकित्सकों ने सभी बच्चों को छुट्टी दे दी। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि सभी बच्चे अब पूरी तरह स्वस्थ और सुरक्षित हैं।

- **पानी की कमी से बच्चों तबीयत बिगड़ी, उपचार के बाद सभी स्वस्थ**
- **बच्चों ने एक साथ पेट दर्द की शिकायत की, सभी को अस्पताल पहुंचाया**

डूंगरपुर में दामाद ने पत्नी, सास और ससुर पर हमला किया, तीनों घायल

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के देवल गांव में एक घरेलू विवाद के चलते दामाद ने अपने ससुर, सास और पत्नी पर धारदार हथियार और पत्थरों से हमला कर दिया। इस हमले में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आमझरा निवासी शंकर ने बताया कि उनकी पुत्री सुकना का विवाह देवल निवासी ललित मनात के साथ हुआ था। पति ललित ने अपनी पत्नी सुकना के साथ मारपीट की थी। मारपीट की सूचना मिलने पर सुकना के पिता शंकर और माता अमरी अपनी बेटी को लेने आंमझरा गांव से देवल पहुंचे। माता-पिता पहले देवल चौकी गए और वहां से अपनी पुत्री सुकना को साथ लेकर इको वाहन से वापस अपने गांव आंमझरा जाने के लिए रवाना हुए। जैसे ही परिवार बेटी को लेकर देवल चौकी के पास पहुंचे, घात लगाकर बैठे दामाद ललित मनात ने उनका रास्ता रोक लिया। ललित ने गुस्से में आकर अपने ससुर शंकर, सास अमरी और पत्नी सुकना पर धारदार हथियार और पत्थरों से हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले में तीनों को संभलने का मौका नहीं मिला और वे घायल होकर वहीं गिर पड़े। तीनों को गंभीर अवस्था में एक निजी वाहन की मदद से तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया,जहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है।

रिटायर्ड वेटरनरी अधिकारी को डिजिटल अरेस्ट कर 57 लाख रुपये ठगे

अजमेर, (कासं)। अजमेर सायबर थाना पुलिस ने रिटायर्ड वेटरनरी अधिकारी को डिजिटल अरेस्ट कर लाखों रुपए की ठगी करने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों ने सायबर ठगों को इस्तेमाल के लिए फर्म के नाम पर करंट अकाउंट उपलब्ध करवाए थे। पुलिस जांच में इन खातों में करीब 1 करोड़ 82 लाख रुपए के ट्रांजैक्शन सामने आए हैं।

सायबर थाने के सीओ शमशेर खां ने बताया कि वेटरनरी विभाग से सेवानिवृत्त अधिकारी जगदीश कुमार को सायबर ठगों ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तारी का भय दिखाया था। आरोपियों ने उन्हें 13 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट कर रखा और इसी दौरान करीब 57 लाख रुपए की ठगी कर ली। पीड़ित अधिकारी ने जनवरी 2026 में सायबर थाने में मामला दर्ज करवाया था।

शिकायत के बाद पुलिस ने विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने ठगी में इस्तेमाल हुए बैंक खातों की डिटेल खंगाली और रकम के ट्रांजैक्शन का विश्लेषण किया। जांच के आधार पर पुलिस ने नॉर्थ ईस्ट दिल्ली निवासी सलमान खान और योगेंद्र सिंह को नागौर जेल से गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी आपस में दोस्त बताए जा रहे हैं।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने सायबर ठगों को उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से फर्म के नाम पर करंट अकाउंट खुलवाए थे। इन खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर होती थी और बदले में दोनों आरोपियों को करीब 2 प्रतिशत कमीशन दिया जाता था।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि रिटायर्ड अधिकारी से ठगे गए करीब 10 लाख रुपए आरोपियों द्वारा उपलब्ध करवाए गए खातों में ट्रांसफर हुए थे। खातों में कुल 1.82 करोड़ रुपए से अधिक के संदिग्ध लेनदेन मिले हैं। फिलहाल सायबर थाना पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस गिरोह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

- **सायबर थाना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, खातों में 1.82 करोड़ का ट्रांजैक्शन मिला**
- **सायबर ठगों ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पीड़ित को गिरफ्तारी का भय दिखाया था**
- **जांच के आधार पर पुलिस ने नॉर्थ ईस्ट दिल्ली निवासी सलमान खान और योगेंद्र सिंह को नागौर जेल से गिरफ्तार किया, दोनों दोस्त बताए जा रहे हैं**

तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े चार युवकों को कुचला, एक की मौत

हादसे में तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए, पुलिस और एंबुलेंस ने अस्पताल पहुंचाया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र के हरिपुरा चौराहे के पास शुक्रवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े चार युवकों को कुचल दिया। टक्कर इतनी भयानक थी कि चारों युवक लहूलुहान होकर दूर जा गिरे और मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और 108 एंबुलेंस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद आरोपी चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शुक्रवार देर रात हरिपुरा चौराहे के समीप चार युवक सड़क किनारे खड़े थे। इसी दौरान एक अज्ञात कार अत्यधिक तेज गति से आई। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि चालक उस पर से नियंत्रण खो बैठा और कार सीधे युवकों को अपनी चपेट में लेते हुए निकल गई। धमाके की आवाज और युवकों की चीखें सुनकर आसपास के होटल व ढाबों से लोग तुरंत सहायता के लिए दौड़े। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही 108 आपातकालीन सेवा मौके पर पहुंची। एंबुलेंस के पायलट प्रभु प्रजापत, केनपाल गुर्जर तथा मेल नर्स दीपक दाधिच एवं कमलेशी देवी गुर्जर ने तत्परता दिखाते हुए तत्कालों घायलों को संभाला और बिना समय गंवाए उन्हें उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया। हादसे में घायल सलमान फकीर (23), संजय (20) और टीपू (22) को प्राथमिक उपचार दिया गया। वहीं गंभीर रूप से घायल मोनु पोल को डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घायलों की हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए रेफर कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मांडल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया।

- **हादसे के बाद आरोपी चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया**

भीलवाड़ा : चार राज्यों में आतंक मचाने वाला शातिर नकबजन जिम्मी गिरफ्तार

आरोपी के खिलाफ अलग-अलग राज्यों में 60 आपराधिक मामले दर्ज हैं

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की रायला थाना पुलिस टीम ने क्षेत्र के बंशी विहार (बापूनगर) में हुई एक बड़ी चोरी की वारदात का महज़ कुछ ही दिनों में पर्दाफाश करते हुए देश के चार राज्यों में सक्रिय अंतर्राज्यीय शातिर नकबजन जिम्मी उर्फ दीपक शर्मा को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी आदतन अपराधी और महाराष्ट्र के नंदुरबार थाने का हिस्ट्रीशीटर है, जिसके खिलाफ अलग-अलग राज्यों में 60 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

थानाधिकारी मूल चंद वर्मा ने बताया कि गत गत 11 जनवरी को प्रार्थी अनिल कुमार जाट, निवासी बंशी विहार कॉलोनी, बापूनगर रायला ने थाने में एक रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार, 11 जनवरी को शाम पांच से सवा छह बजे के बीच जब परिवार बाहर था, तब अज्ञात बदमाशों ने उनके सूने मकान का ताला तोड़कर तिजोरी में रखे 67 हजार रुपये नकद, सोने का मांग टीका, सोने की दो अंगूठियां, तीन जोड़ी चांदी की पायलें और चांदी के कड़े सहित अन्य जेवरात चोरी कर लिए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। चोरी की गंभीर वारदात को देखते हुए वृताधिकारी गुलाबपुरा जितेंद्र सिंह के सुपरविजन में रायला थानाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने जांच के दौरान सामने आया कि डूंगरपुर की कोतवाली पुलिस ने हाल ही में एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है, जो जिला कारागृह डूंगरपुर में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहा है। इस पर रायला पुलिस टीम डूंगरपुर पहुंची और आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर प्राप्त कर पूछताछ की, जिसमें आरोपी ने रायला में चोरी करना स्वीकार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी की कार्यप्रणाली को लेकर चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं।

थानाधिकारी मूल चंद वर्मा ने बताया कि आरोपी जिम्मी उर्फ दीपक बेहद शातिर किस्म का बदमाश है। वह दिल्ली से मुंबई और मुंबई से दिल्ली तक का सफर मोटरसाइकिल से तय करता है। इस दौरान हाईवे और रास्ते में आने वाले शहरों व गांवों में वह सूने और बंद मकानों की रेकी करता है। मौका पाकर वह कटर या अन्य औजारों से ताला तोड़कर घर में प्रवेश करता और कीमती आभूषण व नकदी पार कर देता। चोरी के माल को बेचकर वह अपने महंगे शौक, नशे पर खर्च करता था। पकड़े गए अभियुक्त जिम्मी उर्फ दीपक (32) पिता बिपिन शर्मा, निवासी नंदुरबार महाराष्ट्र, हाल सूरत गुजरात के खिलाफ अपराध का लंबा रिकॉर्ड है। उसके खिलाफ महाराष्ट्र के नंदुरबार, शहादा, धुले और नासिक में 31 मामले, हरियाणा के रेवाड़ी और झज्जर जिलों में 12 मामले, गुजरात के नवसारी, सूरत, तापी, भरूच और अंकलेश्वर में 13 मामले, राजस्थान के उदयपुर प्रतापनगर, डूंगरपुर और भीलवाड़ा के रायला में 4 मामले दर्ज हैं। पुलिस अब आरोपी से कड़ाई से पूछताछ कर रही है, जिससे राज्य और अन्य जिलों में हुई कई और वारदातों के खुलने की संभावना है।

- **रायला थाना पुलिस टीम ने क्षेत्र के बंशी विहार (बापूनगर) में हुई एक बड़ी चोरी की वारदात का पर्दाफाश कर शातिर नकबजन को गिरफ्तार किया**
- **पकड़ा गया आरोपी आदतन अपराधी और महाराष्ट्र के नंदुरबार थाने का हिस्ट्रीशीटर है**

जोधपुर में पति ने पत्नी को जलाया

जोधपुर, (कासं)। शहर के अंदर सिवांची गेट स्थित मूलियों की चौकी में एक व्यक्ति ने पारिवारिक विवाद के चलते शुक्रवार की सुबह घर में पत्नी पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी। उसकी पत्नी 40 फीसदी तक झुलस गई। बाद में उसे एमजीएच बर्न यूनिट में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने पर्चा बयान पर अग्रिम कार्रवाई आरंभ की है। आरोपी पति घटना के बाद से फरार है। मामला खांडाफलसा थाना क्षेत्र का है।

थाना प्रभारी एएसआई मनोहर लाल ने बताया कि सिवांची गेट मूलियों की चौकी में रहने वाले मोहिनुद्दीन का शुक्रवार की सुबह आठ बजे अपनी पत्नी 24 वर्षीय फिरोदा के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। पारिवारिक विवाद ने बाद में उग्र रूप ले लिया। इस पर मोहिनुद्दीन ने अपनी पत्नी फिरोदा पर घर में रखे किसी ज्वलनशील पदार्थ उस पर डाल दिया और आग लगा दी। इससे वह आग से झुलस गई।

एसआई भर्ती परीक्षा 2021 के आवेदन संशोधन प्रक्रिया शुरू

अजमेर, (निसं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 को लेकर अभ्यर्थियों के लिए आवेदन संशोधन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आयोग की ओर से परीक्षा का पुन: आयोजन आगामी 20 सितंबर से प्रदेशभर के निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर किया जाएगा। इसके लिए अभ्यर्थियों को आवेदन में आवश्यक संशोधन करने का अवसर देते हुए 16 मई से 30 मई तक ऑनलाइन संशोधन विंडो खोली गई है।

आयोग के अनुसार अभ्यर्थी इस अवधि में अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर, ई-मेल आईडी तथा पत्राचार पते सहित अन्य जानकारियों में सुधार कर सकेंगे। जिन अभ्यर्थियों ने अपनी एसएसओ आईडी बदल ली है, वे 'फेच एप्लीकेशन फॉर्म' विकल्प के माध्यम से पुराने आवेदन का डाटा नई प्रोफाइल में स्थानांतरित कर सकेंगे। इससे पूर्व आवेदन संबंधी रिकॉर्ड सुरक्षित रूप से नए प्रोफाइल से जुड़ जाएगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि सभी अभ्यर्थियों को वन टाइम रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया अपडेट करना आवश्यक होगा। आयोग ने बताया कि केवल वही 3 लाख 83 हजार 97 अभ्यर्थी पुन: परीक्षा में शामिल हो सकेंगे, जिन्होंने पूर्व में आयोजित लिखित परीक्षा के दोनों प्रश्न पत्रों में उपस्थिति दर्ज करवाई थी। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन अभ्यर्थियों के खिलाफ उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 की शुचिता भंग करने के मामले दर्ज हैं, उन्हें आवेदन अपडेट प्रक्रिया में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

- **पेपर लीक आरोपियों को आवेदन अपडेट की अनुमति नहीं**

वैशाली नगर पुलिस ने दबोचा मनचला

जयपुर। वैशाली नगर थाना पुलिस ने 'महिला सुरक्षा संकल्प' अभियान के तहत बडी कार्रवाई करते हुए राह चलती युवती का पीछा कर छेड़छाड़ करने वाले एक मनचले को गिरफ्तार किया है।

नाम परिवर्तन

मैं चन्दूवती पत्नि महावीर प्रसाद घोषणा करती हूँ कि मेरे पति की पॉलिसी (22637230) में मेरी सास का नाम राम दुलारी है जबकि मेरे पति के मृत्यु प्रमाण पत्र पर मेरी सास का नाम सावित्री है। दोनों एक ही है।

मैंने अपना नाम जुली से बदलकर जुली नस्कर पत्नी श्री अर्जुन नस्कर रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जायें। पता-बी-51-बी मदर टैरेसा नगर मालवीय नगर जयपुर

I No JC285435F Subedar Shekhawat Datar singh Fateh Singh (Retired) resident of 52 kumhar mohalla, Village-Surana, Tehsil - Shahpura, District - Jaipur that i want to change my daughter name from ANAMIKA To ANAMIKA SHEKHAWAT vide affidavit dated 13 may 2026 before sub divisional majistrate Jaipur city north

I army no JC164932H Ex Sub Munshi singh S/O Ganga singh resident of ward no 3 narnouliya mohalla bhonawas Jaipur that i want to change name of my dependent from RATAN KAUR To RATAN KANWAR vide affidavit dated 15 may 2026 before sub divisional magistrate Jaipur city south

I Anita D/O army no JC221656 Naib Subedar Late Pooran mal kalyania resident of plot no 22 mahant colony khatipura phatak ke pass jhotwara jaipur that i want to change my name from ANITA To ANITA KUMARI KALYANIA vide affidavit dated 14 may 2026 before sub divisional majistrate Jaipur city north

खोया पाया

मेरा मकान सं. 26/ए-2/410 अनुपंन अपार्टमेन्ट प्रताप नगर सांगानेर जयपुर का मूल आवंटन पत्र कहीं गुम हो गया है मिलने पर सम्पर्क करें। मो. 9468650126

आम सूचना

दिनांक-15.05.2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य रामनिवास यादव पुत्र श्री प्रभुदयाल यादव निवासी मोहनपुरा कोटपूतली का रहने वाला है जो कि मेरे अभिभाष्य के एक लड़का है जिसका नाम अंकित यादव है, जो कि शादी शुदा है जिसकी पत्नि का नाम शिवानी यादव है व मेरे अभिभाष्य के एक पोता खियान्श व पोती परी है। मेरे अभिभाष्य का पुत्र अंकित मेरे अभिभाष्य के कहे अनुसार नही चलता है आये दिन लड़ाई झगडा करता है व मेरे अभिभाष्य का पुत्र अंकित आवारा किस्म का है जो कि आवारा लड़को की संगत में घुमता रहता है मेरा अभिभाष्य अंकित को समझाता है तो लडाई झगडा करता है व मुकदमें में फंसाने की धमकी देते है व उसकी पत्नि समझाती तो उससे भी लडाई झगडा मारपीट करता है यदि कोई भी व्यक्ति अंकित से किसी भी तरह का लेन देन, संव्यवहार करेगा तो मेरा अभिभाष्य किसी भी तरह से जुम्मेदार नहीं होगा। मेरे अभिभाष्य ने अपनी सम्पूर्ण चल व अचल सम्पत्ति से अंकित को बेदखल कर दिया है। आज के पश्चात अंकित का व मेरे अभिभाष्य का पिता पुत्र का कोई संबंध नहीं रहा है। ना ही भविष्य में रहेगा। मेरे अभिभाष्य की सम्पूर्ण चल व अचल सम्पत्ति मेरे अभिभाष्य की मृत्यु के पश्चात मेरे अभिभाष्य की पुत्र वधु शिवानी व पोते की रहेगी।

कृष्ण कुमार शर्मा, एडवोकेट
कोटपूतली
मो.नं. 9660710701, 9829731505

आम सूचना जयपुर विकास प्राधिकरण (जे.डी.ए.) व हर आम को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री अभिषेक कटेवा पुत्र स्वर्गीय विरेन्द्र सिंह कटेवा निवासी प्लाट नंबर 38 कान्ती नगर स्टेशन रोड जयपुर ने अरविन्द कुमार जाट व मुकेश कुमार पुत्रान जगदीश प्रसाद निवासीयान ग्राम पीपला भरत सिंह (जाटों की ढाणी) तहसील सांगानेर जिला जयपुर को ऋण दिया हुआ है तथा ऋण अदायगी पेटे उपरोक्त दोनों भाईयों (अरविन्द कुमार व मुकेश कुमार) ने जयपुर विकास प्राधिकरण से स्वयं के पट्टा विलेख (फ्री होल्ड) भूखण्ड संख्या 11/B(b)17 क्षेत्रफल 50 स्कवायर मिटर 11/IC(i)/74 क्षेत्रफल 12.50 स्कवायर मीटर 11/IC(i)/80 क्षेत्रफल 12.50 स्कवायर मीटर 11/IC(i)/83 क्षेत्रफल 12.50 स्कवायर मीटर 11/OB/115B, क्षेत्रफल 12.50 स्कावायर मीटर 11/IC(b)16 क्षेत्रफल 50 स्कवायर मीटर 11/IC(i)/77 क्षेत्रफल 12.50 स्वायर मीटर 11/IC(i)/86 क्षेत्रफल 12.50 स्कवायर मीटर 11/IC(i)/92 क्षेत्रफल 12.50 स्कवायर मीटर 11/OB/115A क्षेत्रफल 12.50 स्कावायर मीटर जरिये आवंटन क्रमांक F-JDA/JONE-11/2026/9470, F-JDA/JONE-11/2025/7195, F-JDA/JONE-11/2025/7186, F-JDA/JONE-11/2025/7206, F-JDA/JONE-11/2025/7183, F-JDA/JONE-11/2026/9472, F-JDA/JONE-11/2025/7185, F-JDA/JONE-11/2025/7214, F-JDA/JONE-11/2025/7196, F-JDA/JONE-11/2025/7212 है। उपरोक्त भूखण्डों के मूल पट्टे (जे.डी.ए. द्वारा जारी रजिस्ट्रीस्टर्ड शुदा) मेरे पास ऋण अदायगी पेटे गिरवी, रहन रखे हुये है। जयपुर विकास प्राधिकरण इनके डुप्लीकेट पट्टे जारी नहीं करें तथा कोई व्यक्ति या संस्था इनको क्रय नहीं करें। सूचनार्थ प्रेषित हैं।

प्रेषक-राजेन्द्र सिंह महला एडवोकेट
एस-10ए अम्बाबाडी जयपुर, मोबाईल-9351648480

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

www.jda.rajasthan.gov.in

क्रमांक-जविप्रा/उपा. जोन-8/2026/डी-2170 दिनांक-06.02.2026

सार्वजनिक सूचना

आवेदक श्री प्रताप सिंह सैनी पुत्र श्री गिर्राज प्रसाद सैनी द्वारा जयपुर विकास प्राधिकरण के जोनल प्लान 10 की 60 मीटर सैक्टर सड़क में आ रही राजस्व ग्राम मोहनपुरा के खसरा नम्बर 401/8 रकबा 0.1200 हैक्टेयर भूमि के एवज में विकसित भूमि के भूखण्ड आवंटन किये जाने हेतु जविप्रा अधिनियम 1982 की धारा 44 के तहत समर्पण करते हुए राज्य सरकार की प्रचलित नीति/आदेश/परिपत्र के तहत विकसित भूमि प्राप्त करने हेतु आवेदन, समर्पणनामा व क्षतिपूर्ति बंध पत्र जोन कार्यालय में प्रस्तुत किया गया है। ग्राम मोहनपुरा के खसरा नम्बर 401/8 रकबा 0.1200 हैक्टेयर किस्म बारानी 1 राजस्व जमाबंदी अनुसार श्री प्रताप सिंह सैनी के नाम दर्ज है। अतः हितधारियों/संबंधितजनों को जरिये सार्वजनिक सूचना सूचित किया जाता है कि यदि उक्त समर्पित भूमि बावत कोई न्यायिक प्रकरण/स्थगन/वाद विवाद/स्वामित्व संबंधित विवाद हो तो जविप्रा में उपायुक्त जोन-8 कार्यालय में विज्ञप्ति प्रकाशन से 07 कार्य दिवस में मय समुचित संबंधित दस्तावेजात आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उक्त निर्धारित समयावधि के पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

उपायुक्त जोन-8, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन-13, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांक: 90A/JDA/2026-27/100676 **लोक सूचना** दिनांक: 15.05.2026

श्री SHIVRAM MEENA पुत्र श्री MURARI LAL MEENA जाति MEENA निवासी B-2102, SKY TERRACE, SHIPRA PATH, OPPOSITE IIS SCHOOL MANSAROVAR, JAIPUR ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का फार्म हाउस प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (हैक्टे.)	निर्मित क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1	कूकस, आमेर (जयपुर)	1.) शिवराम मीणा पुत्र मुरारीलाल मीणा हिस्सा पूर्ण जाति मीणा मकान संख्या B 2102 कॉलोनी स्काई टैरिस शिप्रा पथ आईआईएस स्कूल के सामने क्षेत्र / स्थान मानसरोवर शहर जयपुर पिन कोड 302020 जिला JAIPUR राज्य RAJASTHAN खातेदार	2673/548	0.332000	0.332
2			2676/551	0.004100	0.0041
				कुल	0.3361

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी SSO ID से लॉग इन कर JDA के 90-A मॉड्यूल अथवा जे.डी.ए. पोर्टल (https://jda.rajasthan.gov.in/) पर 'विज्ञप्ति के विरुद्ध अपनी आपत्ति दर्ज करें' Option में जाकर जारी सार्वजनिक सूचना के विरुद्ध अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज कराएं। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 15-05-2026 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी जोन-13 जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

देरी से भुगतान पर बीमा कंपनियों पर लगेगी 12 प्रतिशत की पेनल्टी

वर्ष 2018 से 2022 तक के 33.15 करोड़ रुपये के फसल बीमा क्लेम अभी तक लंबित : कृषि मंत्री

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत देरी से क्लेम भुगतान पर फसल बीमा इंश्योरेंस कंपनियों को सख्त नोटिस जारी किए गए हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों के हित में निरंतर निगरानी रख रही है और यह सुनिश्चित कर रही है कि प्रत्येक पात्र किसान को उसका उचित फसल बीमा क्लेम समय पर प्राप्त हो। किसानों के फसल बीमा क्लेम के भुगतान में हो रही अनावश्यक देरी को लेकर राजस्थान सरकार ने बेहद गंभीर रुख अपनाया है।

■ **प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के बीमा क्लेम समय पर भुगतान के लिए राज्य सरकार गंभीर : डॉ. किरोड़ीलाल**

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल ने बताया कि एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड, क्षेमा जनरल इंश्योरेंस कंपनी तथा इंडसइंड (रिलायन्स) जनरल इन्श्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड को सख्त नोटिस जारी करते हुए लंबित क्लेमों का तत्काल भुगतान करने तथा 12 प्रतिशत पेनल्टी सहित भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 से 2022 तक के 33.15 करोड़ रुपये के फसल बीमा क्लेम अभी तक लंबित हैं, जबकि किसान आवश्यक दस्तावेज जमा कर चुके हैं। राज्य सरकार के बार-बार निर्देशों और भारत सरकार द्वारा 16 फरवरी 2024 को जारी दिशा-निर्देशों के बावजूद कंपनी द्वारा कोई सार्थक कार्रवाई नहीं की जा रही है।

परिचालन मार्गदर्शिका 2023 के अनुसार निर्धारित 21 दिनों में क्लेम का भुगतान न करने पर बीमा कंपनी पर 12 प्रतिशत वार्षिक पेनल्टी लगाने का स्पष्ट प्रावधान है। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा करना राजस्थान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। फसल बीमा क्लेमों के भुगतान में किसी भी प्रकार की देरी को सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी।

कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने बीमा कंपनी को 3 कार्यदिवस के अंदर अपना पक्ष रखने को कहा है कि क्यों न लंबित क्लेमों पर देयता की तारीख से भुगतान की तारीख तक 12 प्रतिशत पेनल्टी लगाई जाए।

साथ ही सभी लंबित क्लेमों का तुरंत भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यदि कंपनी ने समय पर भुगतान नहीं किया तो केंद्र सरकार को रिपोर्ट करने सहित सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रीको की प्रत्यक्ष आवंटन योजना बनी गेम चेंजिंग स्कीम

योजना के दसवें चरण में 465 औद्योगिक भूखण्डों के लिए लगभग 800 आवेदन प्राप्त

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना हेतु उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रीको द्वारा संचालित प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 को निवेशकों का लगातार उत्साहजनक समर्थन मिल रहा है। योजना के दसवें चरण में 465 औद्योगिक भूखण्डों के लिए लगभग 800 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इन भूखण्डों का कुल क्षेत्रफल लगभग 294 एकड़ तथा अनुमानित मूल्य करीब 550 करोड़ रुपये है।

इस चरण में जोधपुर के औद्योगिक क्षेत्र कांकाणी के लिए सर्वाधिक 267 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त अजमेर स्थित आईजीपी अजयमेरू पालड़ा विस्तार के लिए 48, अलवर के आईजीपी रूंध सोखरी के लिए 43, पचपदरा रिफाइनरी के पास विकसित किये गये औद्योगिक क्षेत्र बोरावास कलावा प्रथम के लिए 31 तथा बोरानाडा विस्तार औद्योगिक क्षेत्र के लिए 58 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

■ **इस योजना के माध्यम से राज्य में निवेश एवं रोजगार के नए अवसर सृजित हो सकेंगे**

रीको ने असंतृप्त औद्योगिक क्षेत्रों में भूखण्ड आवंटन के लिए फ्लेक्सिबल लैंड लीज एवं किराया नीति में आंशिक संशोधन कर यह प्रावधान किया है कि जिन औद्योगिक क्षेत्रों में दो प्रयासों के बाद भी 25 प्रतिशत से अधिक भूखण्डों का आवंटन नहीं हो पाया है, वहां भूखण्डों का आवंटन प्रचलित दर के 60 प्रतिशत अथवा आरक्षित दर, जो भी अधिक हो, पर किया जायेगा। नौवें चरण में 60 प्रतिशत दर पर उपलब्ध कराए गए 22 भूखण्डों के लिए 25 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें सर्वाधिक आवेदन अजमेर के अजयमेरू पालड़ा विस्तार क्षेत्र के लिए आए थे। वहीं दसवें चरण में ऐसे असंतृप्त औद्योगिक क्षेत्रों के लिए पहले से कहीं अधिक 113 आवेदन प्राप्त हुए हैं। अजयमेरू पालड़ा विस्तार (अजमेर), सरदारशहर विस्तार (चूरू), कचारिया (किशनगढ़), लोहावट एवं सियामाली (मंडौर) सहित विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में इसी संबंध में बडी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं।

राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप रीको लगातार निवेश-अनुकूल नीतियों पर कार्य कर रहा है। निवेशकों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से किए जा रहे सुधार एवं नीतियों का सरलीकरण राज्य में औद्योगिक निवेश को नई गति प्रदान करेंगे तथा नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना को बढ़ावा देंगे। रीको द्वारा प्रक्रियाओं को सरल बनाने एवं उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

एक्टिंग सीजे ने छोड़ी एस्कॉर्ट, जस्टिस जैन आए साइकिल से हाईकोर्ट

जयपुर। पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से ऊर्जा संरक्षण को लेकर देशवासियों से किए गए आव्हान का असर अब न्यायपालिका में भी दिखाई देने लगा है। बीते दिनों कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा ने अपने एस्कॉर्ट वाहन को छोड दिया। अब जस्टिस समीर जैन लंबी दूरी तय कर साइकिल के जरिए हाईकोर्ट पहुंचे।जस्टिस समीर जैन ने अपने सरकारी लग्जरी वाहन का उपयोग छोडकर साइकिल से हाईकोर्ट पहुंचकर ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ फिटनेस का संदेश भी दिया। गांधीनगर स्थित अपने सरकारी निवास से साइकिल के जरिए हाईकोर्ट पहुंचने के दौरान शूट किए वीडियो में उनके साथ कोई सुरक्षाकर्मी भी नजर नहीं आ रहा है। दूसरी ओर निचली अदालतों के कई पीठासीन अधिकारी भी कारपूलिंग कर अदालत पहुंच रहे हैं। सरकारी आवास से बनीपार्क स्थित सेशन कोर्ट की दूरी काफी अधिक होने के कारण न्यायिक अधिकारियों ने साइकिल के बजाए कारपूलिंग चुना है।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त प्रथम राजस्थान आवासन मण्डल प्रताप नगर जयपुर

क्रमांक-739 दिनांक-06.05.2026

जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास संख्या 266/145 (LIG) का आवंटन श्रीमती सीमा शर्मा पत्नी श्री अमर नाथ शर्मा को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 1265 दिनांक 08.06.2006 के द्वारा जारी किया गया था। श्रीमती सीमा शर्मा द्वारा श्री प्रदीप कुमार शर्मा पुत्र श्री मूल चन्द शर्मा को दिनांक 15.10.2009 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री प्रदीप कुमार शर्मा द्वारा श्रीमती सीमा शर्मा के पक्ष में पंजीयन निष्पादन दिनांक 15.12.2009 को करवाया गया। श्री प्रदीप कुमार शर्मा द्वारा मुख्त्यारआम की हैसियत से पंजीयन पश्चात उक्त आवास को विक्रय कर श्रीमती गीता देवी शर्मा पत्नी श्री प्रदीप कुमार शर्मा को दिनांक 15.12.2009 विक्रय पत्र उप पंजीयक सांगानेर प्रथम जयपुर में पंजीकृत करवाया गया। क्रेती श्रीमती गीता देवी शर्मा द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास पर अपना नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय मं 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकार्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है श्रीमती गीता देवी शर्मा का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज.आवा. मण्डल, जयपुर

कार्यालय उपायुक्त (विद्याधर नगर जोन) नगर निगम जयपुर

(अम्बाबाड़ी सर्किल अम्बाबाड़ी जयपुर)

क्रमांक:- एफ-55 () वि.जोन/ ज.न.नि./ 2026/240 दिनांक:- 11.05.2026

सार्वजनिक सूचना

भूखंड सं. 24, बने विहार, जोशी मार्ग झोटवाड़ा जयपुर (करतारपुरा गृह.नि.स.स) का श्री बोदूराम पुत्र श्री मूरलीधर को दिनांक 11.07.2007 क्षेत्रफल 277.95 वर्गगज भूमि का लीज डीड पट्टा जारी किया गया था। मूल आवंटी द्वारा जरिये रजि. मुख्त्यारनामा दिनांक 21.07.2007 के द्वारा भूखंड श्री शौकत अली खां पुत्र श्री कासम अली खां के पक्ष में कर दिया गया। तत्पश्चात श्री शौकत अली खां पुत्र श्री कासम अली खां द्वारा जरिये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 03.02.2009 को श्री मोहम्मद हुसैन पुत्र श्री अब्दुल रज्जाक तंवर के पक्ष में कर दिया गया। तत्पश्चात श्री मोहम्मद हुसैन पुत्र श्री अब्दुल रज्जाक तंवर द्वारा जरिये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 04.07.2017 को क्षेत्रफल 138 वर्गगज श्रीमती शकीला बानो पत्नी श्री मोहम्मद मुजफ्फर के पक्ष में विक्रय कर दिया गया। तत्पश्चात श्रीमती शकीला बानो पत्नी श्री मोहम्मद मुजफ्फर द्वारा जरिए रजि. विक्रय पत्र दिनांक 06.03.2021 को भूखंड संख्या 24ए (भूखंड सं. 24 का उत्तरी भाग) क्षेत्रफल 136.66 वर्गगज श्री मकसुद अहमद पुत्र श्री सदीक मोहम्मद के पक्ष में विक्रय कर दिया गया। आवेदक श्री मकसुद अहमद पुत्र श्री सदीक मोहम्मद द्वारा भूखंड संख्या 24ए (भूखंड से. 24 का उत्तरी भाग), बने विहार, झोटवाड़ा जयपुर (करतारपुरा गृह.नि.स.स) क्षेत्रफल 136.66 वर्गगज का नाम हस्तांतरण अपने पक्ष में जारी किये जाने हेतु कार्यालय उपायुक्त विद्याधर नगर जोन, नगर निगम जयपुर में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। इस बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म अथवा कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन दिनांक से 7 दिवस के भीतर कार्यालय उपायुक्त, विद्याधर नगर जोन, नगर निगम जयपुर, अम्बाबाड़ी सर्किल, अम्बाबाड़ी, जयपुर में दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि समाप्ति उपरांत विधिवत नियमानुसार नाम हस्तांतरण की कार्यवाही सम्पन्न कर ली जावेगी। आवेदक

श्री मकसुद अहमद पुत्र श्री सदीक मोहम्मद
भूखंड सं. 24ए, बने विहार, जोशी मार्ग, झोटवाड़ा, जयपुर।

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना

(साधारण प्रारूप)
(व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4)
न्यायालय अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजि. क्रम 2 जयपुर महानगर द्वितीय
बसन्ती देवी विरुद्ध राजेश शर्मा
वाद/प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा ता. पेशी 22.05.2026
प्रार्थना-पत्र संख्या - 13/2026
CIS-36/26 सन् 2026

नाम राजेश शर्मा पुत्र रामावतार शर्मा जाति ब्राह्मण पता गीत महल, एडल रिर्सोट के सामने, राजावास सीकर रोड, जयपुर

उक्त ..... ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि..

अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 22 माह 05 सन् 2026 को 10.00 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश को सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।

यह आज दिनांक 14 माह 05 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

मोहर अदालत

अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-2 जयपुर महानगर द्वितीय

भारतीय शिक्षा बोर्ड ने अपनाई नई राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा रूपरेखा

नेशनल करिक्यूलम फ्रेम वर्क (एनसीएफ 2023) लागू करने वाला देश का पहला बोर्ड बना

हरिद्वार। आज़ादी के 75 साल बाद भी भारत "मैकाले की शिक्षा पद्धति" की 'गुलामी' से आजाद नहीं हो पाया है। इस शिक्षा की गुलामी को उखाड़ फेंकने का संकल्प कुछ वर्ष पहले स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने लिया और उनकी सोच को बीएसबी बोर्ड बनाकर भारत सरकार ने साकार कर मजबूती प्रदान की। अब यही बोर्ड, देश को भारतीय शिक्षा बोर्ड के रूप में नई दिशा देते हुए दिख रहा है।

■ **बालवाटिका से माध्यमिक स्तर तक स्कूली शिक्षा के सभी चरणों में राष्ट्रीय पाठ्य चर्चा होगी लागू**

■ **मैकाले की 'गुलामी' वाली शिक्षा पर भारतीय शिक्षा बोर्ड की करारी चोट होगी : डॉ. एन.पी. सिंह**

यह बात यूं ही नहीं कही जा रही बल्कि इसके पीछे मजबूत आधार यह है कि भारतीय शिक्षा बोर्ड (बीएसबी) ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए शैक्षिणक सत्र 2026-27 से बालवाटिका से माध्यमिक स्तर तक स्कूली शिक्षा के सभी चरणों में राष्ट्रीय पाठ्य चर्चा रूपरेखा-विद्यालयी शिक्षा 2023 (एनसीएफ 2023) तथा राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा रूपरेखा आधारभूत स्तर 2022 (एनसीएफ-एफएस 2022) को लागू करने की घोषणा की है। जिसका सीधा मायने यह है कि मैकाले की शिक्षा की गुलामी से अब भारत आजाद होगा।

भारत सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत यह पहल करने वाला भारतीय शिक्षा बोर्ड देश का पहला विद्यालयी बोर्ड बन गया है। जिसने संपूर्ण विद्यालयी शिक्षा क्रम में राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा रूपरेखा का व्यापक एवं समग्र कार्यान्वयन सुनिश्चित किया है। यह कार्यान्वयन रटंत शिक्षा पद्धित से आगे बढ़ते हुए दक्षता आधारित, अनुभवात्मक तथा समग्र शिक्षा की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है।

भारतीय शिक्षा बोर्ड से संबद्ध विद्यालय अब शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षण पद्धितयों, बहुभाषी शिक्षा दृष्टिकोण तथा विभिन्न आयु-स्तरों के अनुरूप पाठ्यचर्चा संरचना को अपनाएंगे, जिससे विद्यार्थियों में अवधारणात्मक समझ के साथ-साथ ज्ञान के व्यावहारिक जीवन में उपयोग की क्षमता विकसित होगी।

भारतीय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन एवं रिटायर्ड आईएएस डॉ. एनपी सिंह का कहना है कि सच्ची शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों और परीक्षाओं तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह मन, शरीर और आत्मा का पोषण करती है तथा व्यक्तियों को 21वीं सदी के आवश्यक कौशलों से सुसज्जित करती है, जिससे वे आधुनिक विश्व में समाज और राष्ट्र पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकें। इसलिए यह पहल राष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो शिक्षा नीति को कक्षा-स्तर की वास्तविक शिक्षण प्रक्रिया में प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में भारतीय शिक्षा बोर्ड को अग्रणी संस्था के रूप में स्थापित करती है।

विधानसभा के 75 वर्ष पर लोगो का विमोचन व द्वार नामकरण होगा

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया है कि राजस्थान विधान सभा की स्थापना के 75 वें वर्ष के अवसर पर विधान सभा के प्रतीक चिन्ह का विमोचन और विधान सभा के ऐतिहासिक द्वारों के नामकरण की पट्टिकाओं का अनावरण विधान सभा में सोमवार 18 मई को होगा। विधायक कक्ष में सोमवार को प्रातः 10:30 बजे आयोजित होने वाले इस समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल सहित विधायक गणों को आमंत्रित किया गया है। समारोह का सजीव प्रसारण विधानसभा के यूट्यूब चैनल पर किया जाएगा। सोलहवीं राजस्थान विधान सभा के स्पीकर वासुदेव देवनानी ने गत ढाई वर्षों में राजस्थान विधान सभा में बेहतरीन पहले कर नवाचारों की श्रंखला बना दी हैं। इससे राजस्थान विधान सभा की देश में अनूठी पहचान बनी है। यह विधान सभा देश की सर्वश्रेष्ठ विधान सभा भी बन गई है। देवनानी ने गुलाबी नगर की पहचान के अनुरूप विधान सभा सदन के स्वरूप में नवाचार कर उसे गुलाबी किया है। विधान सभा की डिजिटल एवं पेपरलेस व्यवस्था, डिजिटल संग्रहालय, संविधान दीर्घा, वंदेमातरम दीर्घा, लोगों को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से जोड़ने के लिए जनदर्शन कार्यक्रम. शौर्य वाटिका, नक्षत्र वाटिका, हर्बल वाटिका, ऑनलाइन उपस्थिति, विधान सभा में महिला दिवस जैसे आयोजनों ने विधान सभा को नई पहचान दी है। उत्तरदायित्व की प्रश्नोत्तरी, सेन्ट्रल हॉल की परिकल्पना, विधान सभा सदन में चर्चा का समय बढ़ा, सुरक्षा हुई चाक चौबन्द, सोशल मीडिया इन्फ्लुएसर्स मीट और कॉन्स्टिटयूशन क्लब को बनाया विचार-विमर्श का केन्द्र सहित अनेक नवाचारों से राजस्थान विधान सभा के स्वरूप में अदभुत निखार आ गया है।

संख्यांक 2

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
श्रीमान सिविल जज (पश्चिम) महा. द्वितीय
मोहम्मद सलीम विरूद्ध अब्दुल वहीद
वाद बाबत सुखाचार में अवरोध हटाने बाबत
वाद सं. 308सन् 2014

नाम (1) शाहीना पत्नी स्व. अब्दुल वहीद (2) मोहम्मद कासिफ (3) कुमारी इन्शारा (4) कुमारी मनतशा पुत्र अब्दुल वहीद जरिये प्राकृतिक संरक्षिका माताजी शाहीना बानो निवासियान 104-बी, गली नं. 3, मदिना मस्जिद, नाहरी का नाका, शास्त्री नगर, जयपुर के आपके विरूद्ध... के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय मे दिनांक 18.05.2026 को दिन में सुबह 8 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या ना हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह वाद ता. 16 माह 05 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

रीडर

मोहर अदालत

सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट पश्चिम, जयपुर महानगर द्वितीय

सम्मन बनाम कायम मुकाम

(आदेश 22 नियम 4 जाप्ता दीवानी)
न्यायालय...किराया अधिकरण जयपुर महानगर (द्वितीय) जयपुर
कमल कान्त गुप्ता विरूद्ध प्रेम चन्द जैन
दावा बाबत इन्विखलाय
मुकदमा नम्बर 1015/सन् 2015

बनाम

मुसम्मी..1/1 श्रीमति राजकुमारी धर्म पत्नि स्व. श्री प्रेमचन्द, 1/2 श्री अजय जैन पुत्र स्व. श्री प्रेमचन्द जैन, 1/3 श्रीमति आशा धर्म पत्नि श्री प्रेम लुहाडिया पुत्री स्व. श्री प्रेमचन्द, 1/4 श्रीमति अंशु धर्म पत्नि श्री संजय गोदीका पुत्री स्व. श्री प्रेमचन्द, 1/5 श्रीमति अंजली धर्म पत्नि श्री संजय बड़जात्या पुत्री स्व. श्री प्रेम चन्द, समस्त जाति जैन, मार्फत केसर लाल आईस सप्लायर्स, दुकान नम्बर 28, नमक की मण्डी के पास, किशनपोल बाजार, जयपुर चूंकि...अर्जीदार..ने इस अदालत में तारीख 08 माह 12 सन् 2015 को..कमल कान्त गुप्ता..बनाम..प्रेमचन्द...दायर की जो कि बाद में प्रत्यर्थी प्रेमचन्द फोत हो गया और चूंकि...अर्जीदार...मजकूर के दरख्वात अदालत हाजा में यह जाहिर करने की आप मुतवफ्फी...प्रत्यर्थी प्रेमचन्द...मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इस्तदुआ की है बजाय उसके आप उपरोक्त 1/1 लगायत 1/5 बनाय जावें।

लिहाजा अजरिये हाजा बगज जवाब देही...प्रार्थना पत्र...आपको तारीख 24 माह 7 सन् 2026 को अदालत हाजा में उपस्थित होने के लिए तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर न होने पर मुकद्मा आपकी गैर हाजिरी में सुना व फैसल किया जावेगा।

बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत ने आज तारीख 16 माह 05 सन् 2026 को जारी किया गया।

यह आज दिनांक 16 माह 05 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

मोहर अदालत

आज्ञा से-किराया अधिकरण जयपुर महानगर-द्वितीय

त्रुटिपूर्ण प्रश्नों और गलत उत्तर कुंजी पर हाईकोर्ट गंभीर

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने भर्ती परीक्षाओं में त्रुटिपूर्ण प्रश्नों और गलत उत्तर कुंजी को लेकर बार-बार याचिकाएं आने को गंभीरता से लिया है। इसके साथ ही अदालत ने मुख्य सचिव को कहा है कि वे कार्मिक सचिव की अध्यक्षता में वरिष्ठ आईएएस अफसरों की एक हाई लेवल कमेटी का गठन करें। यह कमेटी इस विषय पर गहन परीक्षण कर भविष्य की भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुचिता सुनिश्चित करने के लिए एसओपी बनाने के साथ ही अन्य सुधारात्मक उपाय भी निर्धारित करे। अदालत ने कहा है कि कमेटी यह भी परीक्षण करेगी कि क्या ऐसे प्रश्न और उत्तर कुंजी तैयार करने वाले अधिकारियों और विशेषज्ञों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई आरंभ की जा सकती है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती-2022 लेवल द्वितीय को लेकर दायर 45 याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए।

■ **पारदर्शिता और जवाबदेही तय करने के लिए हाई लेवल कमेटी का गठन कर एसओपी बनाने के निर्देश दिए**

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि वर्तमान में बेरोजगारी ने अत्यंत गंभीर रूप धारण कर लिया है और प्रतिस्पर्धा असाधारण स्तर पर पहुंच गई है। ऐसे में एक-एक प्रश्न भी अत्यधिक महत्व रखता है और एक प्रश्न से सैकडों अभ्यर्थियों का भविष्य प्रभावित होता है। इसलिए प्रश्न पत्र तैयार करने और उत्तर कुंजी बनाने में अत्यधिक सावधानी, निष्पक्षता व सतर्कता जरूरी है। अदालत ने कहा कि भर्ती एजेंसियों को परीक्षा संचालन में लापरवाही करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। उन पर संवैधानिक दायित्व है कि वे सक्षम विषय विशेषज्ञों के माध्यम से प्रश्न पत्र व उत्तर कुंजी पूर्ण शुचिता से तैयार करें, ताकि किसी भी गलती की संभावना नहीं हो। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने बताया कि साल 2022 की तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती लेवल 2 के परिणाम के बाद नियुक्तियां हुई। वहीं बाद में कोर्ट के आदेश से संशोधित परिणाम जारी हुआ। इसके याचिकाकर्ताओं के अंक पूर्व में नियुक्त अभ्यर्थियों से अधिक हो गए, लेकिन नई कट ऑफ में शामिल नहीं हो सके। ऐसे में उनसे कम अंक वालों को मिली नियुक्ति के चलते उन्हें भी नियुक्ति दी जाए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रशिक्षण वर्ग आज से

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजस्थान क्षेत्र में 17 मई से प्रदेश के 12 स्थानों पर 14 प्रशिक्षण वर्ग प्रारंभ होंगे। इनमें 10 संघ शिक्षा वर्ग, तीन घोष वर्ग और एक कार्यकर्ता विकास वर्ग प्रथम शामिल है। इन वर्गों में विद्यालयीन एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थी, तरुण तथा विभिन्न व्यवसायों से जुड़े स्वयंसेवक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजस्थान क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेश अग्रवाल ने बताया कि संघ शिक्षा वर्गों में स्वयंसेवकों को साधना, स्व-अनुशासन, त्यागपूर्ण जीवन तथा सामूहिक जीवन के सामंजस्य का प्रशिक्षण दिया जाएगा। वर्गों में शारीरिक, सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण की व्यवस्था रहेगी। साथ ही पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण अवधि में प्लास्टिक के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा तथा जल संरक्षण को व्यवहार का हिस्सा बनाया जाएगा।उन्होंने बताया कि इस वर्ष राजस्थान क्षेत्र का कार्यकर्ता विकास वर्ग प्रथम (सामान्य) जयपुर के राजापार्क में आयोजित होगा।

लोग पूछते हैं संघ ने स्वतंत्रता के लिए क्या किया, तो यह जानने के लिए उन्हें अध्ययन करना चाहिए : राज्यपाल

जयपुर (कासं)। जयपुर स्थित बिड़ला ऑडिटोरियम में शनिवार को युग प्रवर्तक डॉ. हेडगेवार, संघ सृजन का नाट्य अविष्कार शीर्षक से नाटक का भव्य मंचन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार पर मंचित इस नाटक से आपको उनके जीवन का परिचय होगा। उन्होंने स्कूल में अंग्रेज महारानी द्वारा बाँटी गई मिठाई ग्रहण नहीं की क्योंकि वो हमारी महारानी नहीं थी। डॉ. साहब ने कांग्रेस के अधिवेशन में घोषणा की कि यही हिन्दू राष्ट्र है।

■ **बिड़ला सभागार में डॉ. केशव हेडगेवार पर नाटक का मंचन**

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शनिवार को जयपुर के बिड़ला सभागार में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार पर मंचित नाट्य कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा, लोग बोलते हैं कि स्वतंत्रता के लिए संघ ने क्या किया तो यह जानने के लिए उन्हें अध्ययन करना चाहिए। संघ ने सुराज के लिए एकजुटता की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. साहब अंतिम समय काफ़ी बीमार रहे।

1940 में तृतीय वर्ष के संघ शिक्षा वर्ग में आए तो सभी स्वयंसेवकों को देख कर उन्होंने कहा, मैं यहां भारत का छोटा रूप देख रहा हूँ। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने आर्गेनाइजर में लेख लिखा था, जिसमें बताया कि मैं आज जो कुछ हूँ, संघ के प्रचारक नारायणराव तर्टे के कारण हूँ। डॉ. साहब ने ही नानाजी देशमुख को पिलानी में प्रचारक बनने के लिए भेजा। उन्होंने कहा, एक प्रचारक कभी अपने अनुभव भूलता नहीं है। एक-एक रुपया जमा कर विवेकानंद जी का स्मारक बनाया। मोरोपन्त पिंगले ने स्वयंसेवकों को प्रेरित किया कि ऐसा अचार विचार का वातावरण बनाना है, जिससे विकास का मार्ग प्रशस्त हो। संघ का काम देश सेवा का बहुत बडा काम है। अपना काम तन्मयता से करते रहें तो काम बड़ा होता है। स्वयंसेवकों ने संघर्ष के कठिन दिन देखे हैं।

कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. रमेशचंद अग्रवाल ने कहा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का काम नदी के पुण्य प्रवाह की तरह चल रहा है। संघ का विशाल स्वरूप इसी भक्ति भाव का प्रतीक है। महामंडलेश्वर गणेश दास महाराज ने कहा डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार दूरदर्शी व्यक्ति थे जो आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत व मार्गदर्शक हैं। विशिष्ट अतिथि उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा यह नाट्यय प्रस्तुति राष्ट्रीय चेतना की सांगठनात्मक शक्ति का प्रवाहक है।

डॉ. हेडगेवार ने कहा था कि राष्ट्रीय चेतना व्यक्ति निर्माण का महत्वपूर्ण अंग है। प्रज्ञा प्रवाह द्वारा आयोजित कार्यक्रम संस्कृति व संस्कारों से समाज को जोडने का काम कर रहा है। आइये हम सभी समृद्ध सांस्कृतिक व प्रेरणादायी भारत का निर्माण करें।नादब्रह्म के प्रचार प्रमुख रवींद्र सहस्त्रबुद्धे ने आभार व्यक्त किया। डॉ. अजय प्रधान द्वारा लिखित इस नाटक का निर्देशन सुबोध सुरजीकर ने किया है। निर्माता पद्माकर धनोरकर हैं। संगीत शैलेश दाणी का रहा। नागपुर की नादब्रह्म टीम ने यह नाटक तैयार किया है। नादब्रह्म नागपुर के 45 स्वयंसेवकों का संगठन है।

जूनियर समर कैम्प का शुभारम्भ

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र की ओर से आयोजित जूनियर समर कैम्प 2026 का शुभारम्भ 16 मई को पर्यटन, कला एवं संस्कृति शासन सचिव तथा जेकेके की महानिदेशक शुचि त्यागी द्वारा किया गया। त्यागी ने बच्चों की प्रतिभा, कला के प्रति उनके रुझान एवं सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए सृजनशीलता और रचनात्मकता को बढ़ावा देने पर बल दिया।

कार्यालय नगरपालिका किशनगढ़बास (खैरथल-तिजारा)

Mail Id: npkishangarhbas@gmail.com PH-01460-242233
क्रमांक- न.पा.कि.बास/2026/695 दिनांक-15.05.2026

आपत्ति सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार के अन्तर्गत 69-क व 90-अ के एक्ट के तहत ऑनलाईन पट्टा बनवाने हेतु निम्न प्रकार ऑनलाइन पत्रावली इस कार्यालय में प्राप्त हुई है। अत इस सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति संस्था या किसी को भी कोई भी आपत्ति हो तो 07 दिवस में इस कार्यालय में अपनी आपत्ति मय सबूत इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। मयाद निकलने के बाद कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र.सं.	आवेदक का नाम	पिता/पति/पत्नी का नाम	पता 90-क	खसरा नं.
1	चमन लाल	बहादुर सिंह	वार्ड नं. 20 बासडा कि. बास	694
2	जुम्मी	अकील	ग्राम दयालपुर कि. बास	257
3	मेघवाल विकास समिति		किशनगढबास	437
4	सालिमन	आबिद	ग्राम दयालपुर कि. बास	257
5	मीनू यादव	पवन कुमार यादव	बासडा कि बास	693
6	घनश्याम	रामसिंह	वार्ड नं. 20 बासडा कि. बास	686
7	कविता	सतीश कुमार	वार्ड नं. 20 बासडा कि. बास	702
8	रेखा कुमारी	यशवंत सिंह	बासडा बस्ती के पीछे कि. बास	770
			69-क	
1	मेघराज	रामकवार	अहमद बास कि. बास	535

उपरोक्त व्यक्ति को 69-क व 90-अ एक्ट पट्टा के लिए कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन से 07 दिवस में इस कार्यालय में आपत्ति प्रसतुत कर सकते है। उपयुक्त व्यक्ति का पट्टा जारी कर दिया जावेगा।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका किशनगढबास

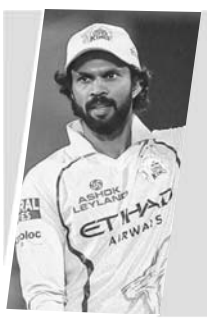

प्रतिद्वंद्वी टीम के बल्लेबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया उन्होंने कहा कि टीम 160 से 170 रन के स्कोर की उम्मीद कर रही थी, लेकिन 180 तक पहुंचना संतोषजनक रहा।

- रुतुराज गायकवाड़

चैन्नई कप्तान, अपने टीम के प्रदर्शन को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अर्शदीप सिंह

आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच खेले गए मुकाबले के बाद एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें पंजाब के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और मुंबई के बल्लेबाज तिलक वर्मा बातचीत करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में अर्शदीप सिंह को तिलक वर्मा के लिए ओए अंधेरे शब्द का इस्तेमाल करते सुना गया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर बहस शुरू हो गई हैं। वीडियो सामने आने के बाद कई सोशल मीडिया यूजर्स ने अर्शदीप सिंह की भाषा पर सवाल उठाए और इसे आपत्तिजनक बताया हैं।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय फुटबॉल टीम के प्रमुख रिकॉर्ड्स में पूर्व कप्तान सुनील छेत्री का नाम सबसे आगे आता है, जो भारत के लिए सबसे ज्यादा (150 से अधिक) मैच खेलने वाले और सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले खिलाड़ी हैं।

आईपीएल : धर्मशाला में आज पंजाब किंग्स और आरसीबी के बीच होगी भिड़ंत

धर्मशाला, 16 मई । धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में कल रविवार को पंजाब किंग्स इलेवन और रॉयल चैलेंजर बैंगलोर (आरसीबी) के बीच भिड़ंत होगी। अपने दूसरे घर धर्मशाला में पंजाब का यह तीसरा मैच है। कल खेले जाने वाले इस मुकाबले को खासकर पंजाब किंग्स इलेवन के लिए काफी अहम माना जा रहा है। पिछले पांच मैचों में लगातार मिली हार से पंजाब को प्लेऑफ में बने रहने के लिए होने वाला यह मुकाबला हर हाल में जीतना होगा अन्यथा वह प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो सकता है। उधर दूसरी ओर किंग कोहली और उनकी टीम आरसीबी के हौसले इस समय बुलंद हैं। अभी तक इस सीजन में खेले गए 12 मैचों में से 8 जीत दर्ज कर आरसीबी टेबल पॉइंट में टॉप पर बनी हुई है। वहीं पंजाब की शानदार शुरुआत के बीच पहले लगातार छह जीत और बाद में लगातार पांच हार से वह फिलहाल चौथे स्थान पर है। वहीं कल होने वाले इस मुकाबले में आरसीबी की टीम पिछले मैचोंमें जीत की लय को बरकरार रखते हुए इस मैच को जीतकर टेबल में नम्बर एक पर बने रहना चाहेगी वहीं लगातार पांच हार के बाद पंजाब इस मैच को जीतकर प्ले ऑफ की उम्मीदें जिंदा रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। पंजाब किंग्स अपने इस दूसरे घरेलू मैदान का फायदा उठाना चाहेगी।

पिच और मौसम की चुनौतियां बढ़ाएंगी रोमांच: हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन का यह स्टेडियम दुनिया के सबसे खूबसूरत मैदानों में से एक है, लेकिन यहां की परिस्थितियां खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण होती हैं। हर बार की तरह धौलाधार की पहाड़ियों के साये में तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त स्विंग और उछाल मिलने की पूरी संभावना है। शाम के समय तापमान में गिरावट और ओस गिरने की संभावना के चलते टॉस की भूमिका सबसे अहम होगी। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि टॉस जीतने वाली टीम लक्ष्य का पीछा करना पसंद करेगी। ऐसा ही पिछले दो मैचों में दिखा भी है। इन दोनों मैच में पंजाब ने टॉस हारा और उसे पहले बल्लेबाजी करनी पड़ी और वह दोनों मैच हार गया।

धीमी ओवर गति के कारण कप्तान ऋषभ पंत पर 12 लाख रुपये का भारी जुर्माना

नई दिल्ली, 16 मई। इंडियन प्रीमियर लीग में शुक्रवार, 15 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स ने भले ही मैदान पर धमाकेदार जीत दर्ज की हो, लेकिन मैच के बाद उनके कप्तान ऋषभ पंत को बड़ा झटका लगा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टीम की धीमी ओवर गति के कारण कप्तान ऋषभ पंत पर 12 लाख रुपये का भारी जुर्माना लगाया है। आईपीएल संस्था ने एक बयान में कहा, "चूंकि यह इस सीज़न में की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का पहला उल्लंघन था - जो न्यूनतम ओवर गति के उल्लंघनों से संबंधित है - इसलिए ऋषभ पंत पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।" पंत इस सीज़न में ओवर गति के उल्लंघन करने वाले कप्तानों की लंबी सूची में शामिल हो गए हैं, क्योंकि बीसीसीआई ने कई कप्तानों पर जुर्माना लगाया है।

प्रज्ञानानंद ने विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर सिंदारोव को हराया

बुखारेस्ट, 16 मई । भारत के ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने ग्रैंड चेस टूर के सुपर चेस क्लासिक रोमानिया 2026 के दूसरे दौर में शुक्रवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर जावोखिर सिंदारोव को काले मोहरों से मात दी। डिफेंडिंग चैंपियन प्रज्ञानानंद ने पहले दौर में फ्रांस के अलीरेज़ा फिरोज़ा के खिलाफ मुश्किल स्थिति से ड्रॉ बचाया था। दूसरे दौर में जीत दर्ज करने के बाद वह 2 मुकाबलों में 1.5 अंक के साथ शुरुआती बढ़त हासिल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। गौरतलब है कि पहले दौर की सभी पांच बाजियां ड्रॉ रही थीं।यह जीत प्रज्ञानानंद के लिए बदले जैसी भी रही, क्योंकि 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में सिंदारोव ने उन्हें दोनों मुकाबलों में हराया था। उन मुकाबलों में उज़्बेकिस्तान के खिलाड़ी सिंदारोव ने घोड़े की कुर्बानी देकर आक्रामक खेल दिखाया था।

हालांकि इस बार भी सिंदारोव ने घोड़े की बलि दी, लेकिन प्रज्ञानानंद ने शांत और सटीक बचाव करते हुए अतिरिक्त मोहरे का फायदा उठाया और मुकाबला अपने नाम कर लिया। सुपर चेस क्लासिक रोमानिया 2026, 10 खिलाड़ियों के बीच खेला जा रहा क्लासिकल राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट है और यह 2026 ग्रैंड चेस टूर का दूसरा टूर्नामेंट है।

सिलहट टेस्टः सिर पर चोट लगने के बाद स्ट्रेचर पर बाहर गए हसन अली

सिलहट, 16 मई। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हसन अली को शनिवार, 16 मई को सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, सिलहट में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन मैदान से स्ट्रेचर पर ले जाया गया। हसन को अपने ही ओवर में अपनी ही गेंदबाजी पर कैच लेने की कोशिश करते समय सिर में चोट लगी थी। हसन ने नवोदित सलामी बल्लेबाज तंजीद हसन तमीम को लेंथ बॉल फेंकी, जिसे तमीम ने अपनी दाहिनी ओर से गेंदबाज की तरफ वापस खेलने की कोशिश की। हसन ने दाहिनी ओर छलांग लगाई, लेकिन संतुलन खो बैठे और उनके सिर का दाहिना हिस्सा जमीन पर लग गया।हसन पिच के पास ही औंधे मुंह पड़े रहे और थोड़े अचंभित लग रहे थे। फिर उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया, जिससे पाकिस्तान के खिलाड़ियों और प्रशंसकों में चिंता की लहर दौड़ गई। वह अपना ओवर पूरा नहीं कर सके क्योंकि सलमान अली आगा ने आखिरी गेंद फेंकी।

केकेआर ने रोका गुजरात टाइटंस का विजय रथ, हाईस्कोरिंग मैच में 29 रनों से रौंदा

कोलकाता, 16 मई। केकेआर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुजरात को 29 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ केकेआर ने अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को बरकरार रखा है जबकि गुजरात टाइटंस के प्लेऑफ में पहुंचने के इंतजार को लंबा कर दिया। गुजरात के लिए कप्तान शुभमन गिल, जोस बटलर और साई सुदर्शन ने अच्छी बैटिंग करते हुए टीम को जीत दिलाने का प्रयास किया, लेकिन ये सभी इसमें सफल नहीं हो पाए। गुजरात को लगातार 5 जीत के बाद इस सीजन में हार मिली।

आईपीएल 2026 के 60वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स का सामना गुजरात टाइटंस के साथ इडेन गार्डन स्टेडियम, कोलकाता में हुआ। इस मुकाबले में गुजरात ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। केकेआर ने पहले बैटिंग करते हुए फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी और कैमरन ग्रीन की तूफानी अर्धशतकीय पारी के दम पर 20 ओवर में 2 विकेट पर 247 रन बनाए और गुजरात को जीत के लिए 248 रन का लक्ष्य दिया। इसके जवाब में गुजरात ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 218 रन बनाए।

फिन एलन, रघुवंशी, कैमरन ग्रीन के अर्धशतक : कप्तान अजिंक्य रहाणे 14 रन पर आउट हो गए जबकि फिन एलन ने 21 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया, लेकिन शतक से चूक गए और 35 गेंदों पर 93 रन की पारी खेलकर आउट हुए। अंगकृष रघुवंशी ने इस मैच में 33 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और वो 82 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि कैमरन ग्रीन ने 26 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और वो 52 रन पर नाबाद पवेलियन लौटे। ठाीन और रघुवंशी के बीच तीसरे विकेट के लिए 52 गेंदों पर 108 रन की नाबाद शतकीय साझेदारी भी हुई। गुजरात के लिए सिराज और साई किशोर ने एक-एक विकेट लिए।

शुभमन गिल, साई सुदर्शन व जोस बटलर के अर्धशतक : साई सुदर्शन 23 रन पर रिटायर हर्ट हो गए और फिर बैटिंग करने आए और 57 रन बनाकर नाबाद रहे साथ ही उन्होंने अपना अर्धशतक 27 गेंदों पर पूरा किया। जबकि निशांत सिंधू एक रन पर ही निपट गए। कप्तान शुभमन गिल ने 33 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और टीम के लिए अहम 85 रन की पारी खेली। जोस बटलर ने भी अपना अर्धशतक 32 गेंदों पर पूरा किया और 57 रन बनाकर आउट हुए। केकेआर ने सुनील नरेन ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

जिनसे भारतीय टीम ने नहीं ली थी ट्रॉफी, वही मोहसिन नकवी अब अहमदाबाद में देखेंगे आईपीएल फाइनल?

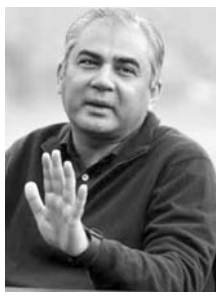

नई दिल्ली, 16 मई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की अहमदाबाद में होने वाली आगामी त्रैमासिक बैठकों ने इस बात को लेकर अटकलों को फिर से हवा दे दी है कि क्या पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी इस महीने के अंत में भारत की यात्रा करेंगे, क्योंकि दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंध तनावपूर्ण हैं। आईसीसी की 21 मई को मुख्य कार्यकारी समिति (सीईसी) की वर्चुअल बैठक होनी है, जिसके बाद 30 और 31 मई को अहमदाबाद में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल सप्ताहांत के दौरान बोर्ड की आमने-सामने की बैठकें होंगी। ये बैठकें मूल रूप से कतर के दोहा में होनी थीं, लेकिन पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के कारण इन्हें भारत में स्थानांतरित कर दिया गया।

पाकिस्तान के गृह मंत्री और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नक़वी को कथित तौर पर आईसीसी बोर्ड की बैठकों और नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले आईपीएल 2026 के फाइनल में शामिल होने का निमंत्रण मिला है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह निमंत्रण पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के कार्यालय को भेज दिया गया है, जो इस बारे में अंतिम निर्णय लेंगे कि नक़वी भारत की यात्रा कर सकते हैं या नहीं। हाल के महीनों में पीसीबी और बीसीसीआई के बीच बढ़ते तनावपूर्ण संबंधों के कारण उनकी संभावित यात्रा को लेकर काफी चर्चा हो रही है।

दुबई में हुए एशिया कप 2025 के फाइनल के बाद मामला और भी गंभीर हो गया, जहां जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद नाक़वी द्वारा दिए गए विवादास्पद बयान के बाद भारतीय टीम ने कथित तौर पर उनसे ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। इस घटना के कारण ट्रॉफी वितरण समारोह के दौरान असहज स्थिति उत्पन्न हो गई, जिसके बाद पीसीबी के निर्देशों पर ट्रॉफी दुबई में ही रह गई। तब से दोनों बोर्डों के बीच संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं, और नक़वी अक्सर सार्वजनिक बयानों में पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की तुलना आईपीएल से करते हैं, जिससे तनाव और बढ़ जाता है।

अहमदाबाद में होने वाली आईसीसी बोर्ड की बैठकों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है, जिनमें शासन सुधार, समय-निर्धारण और राजस्व-साझाकरण मॉडल शामिल हैं। यदि नक़वी की उपस्थिति को मंजूरी मिल जाती है, तो यह भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट संस्थानों के बीच एक दुर्लभ राजनयिक क्षण बन सकता है।

डब्ल्यूपीएल की सफलता को सराहा

भरे स्टेडियम बताते हैं महिला क्रिकेट का नया दौर : कोहली

नई दिल्ली, 16 मई। विराट कोहली का मानना है कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) ने भारत में महिला क्रिकेट का स्वरूप पूरी तरह बदल दिया है। उनका कहना है कि खिलाड़ियों के बढ़ते स्तर और स्टेडियमों में खचाखच भरे स्टेडियम यह दर्शाते हैं कि क्रिकेट प्रशंसकों से कितनी गहराई से जुड़ गया है। आरसीबी पॉडकास्ट पर बोलते हुए, इस अनुभवी बल्लेबाज ने महिला क्रिकेट की इस स्पष्ट प्रगति पर प्रकाश डाला और डब्ल्यूपीएल को युवा भारतीय प्रतिभाओं के विकास में तेजी लाने का श्रेय दिया। डब्ल्यूपीएल ने कहा कि डब्ल्यूपीएल के कारण युवा खिलाड़ियों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ उच्च दबाव वाले मुकाबलों में नियमित रूप से खेलने का मौका मिल रहा है।

कोहली ने कहा कि मैंने पहले भी डब्ल्यूपीएल देखा है। लेकिन इस बार, दर्शकों की उपस्थिति देखिए। एक क्रिकेटर होने के नाते मैं कह सकता हूं कि मुझे फर्क साफ दिख रहा है। लेकिन जब जनता को यह फर्क दिखने लगता है, तब आपको पता चलता है कि क्रिकेट वाकई एक अलग स्तर पर बदल गया है। टूर्नामेंट के दौरान दर्शकों के ज़बरदस्त समर्थन का ज़िक्र करते हुए कोहली ने कहा कि जब बड़ौदा में मैच हुए, तो स्टेडियम खचाखच भरे थे। नवी मुंबई को ही देख लीजिए। मतलब, पूरी तरह से भरे हुए थे। मुझे लगा, वाह, ये तो कमाल है। जब बेंगलुरु में मैच हुए, तो ज़बरदस्त भीड़ उमड़ी। कोहली ने कहा कि प्रशंसकों की बढ़ती भागीदारी इस बात का संकेत है कि भारत में महिला क्रिकेट एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है, जहां दर्शक अब न केवल जिज्ञासावश, बल्कि प्रतियोगिता की गुणवत्ता और रोमांच के कारण भी बड़ी संख्या में आ रहे हैं। पूर्व भारतीय कप्तान ने युवा भारतीय खिलाड़ियों के कौशल स्तर में तेज़ी से हो रहे विकास, विशेष रूप से उनके निडर रवैये और पावर-हिटिंग क्षमता की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा कि स्तर लगातार ऊंचा होता जा रहा है। ये युवा खिलाड़ी आ रहे हैं, आप जानते हैं, वे तेज हैं। वे अधिक विस्फोटक हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले हम दबाव झेलने के लिए पूरी तरह तैयार : सलीमा टेटे

नई दिल्ली, 16 मई । भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले टीम बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) केंद्र में कड़ी मेहनत कर रही है और किसी भी तरह के दबाव का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। अर्जेंटीना दौरे के बाद टीम अपनी तैयारियों को और मजबूत करने में जुटी हुई है।

भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में सलीमा टेटे ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया दौरा आगामी विश्व कप और एशियाई खेलों जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा।

सलीमा ने कहा, ऑस्ट्रेलियाई टीम काफी मजबूत है, इसलिए मुकाबले उच्च स्तर के होंगे। हम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने को लेकर बेहद उत्साहित हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ हॉकी खेलने की कोशिश करेंगे। कोचिंग स्टाफ लगातार हमारे साथ मेहनत कर रहा है और हम सभी उनकी मेहनत के लिए आभारी हैं।

उन्होंने कहा कि टीम लगातार सुधार कर रही है और युवा खिलाड़ियों को भी अवसर दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा नई खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और हमें उनका लगातार समर्थन करना होगा ताकि वे आगे भी बेहतर प्रदर्शन कर सकें। राष्ट्रीय शिविर में चल रही कड़ी फिटनेस ट्रेनिंग पर बात करते हुए सलीमा ने कहा कि फिटनेस टीम की तैयारियों का सबसे अहम हिस्सा है।

उन्होंने कहा, हर खिलाड़ी फिटनेस पर काफी मेहनत कर रहा है। किसी भी टीम को हराने के लिए फिटनेस बेहद जरूरी है। जूनियर टीम भी अपनी फिटनेस बनाए रखने पर पूरा ध्यान दे रही है। हमारी फिटनेस बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने में मदद करेगी। हमने विश्व कप क्वालीफायर में अच्छा खेल दिखाया था, लेकिन अभी और सुधार की गुंजाइश है। टीम की वापसी को देखते हुए फिटनेस हमारे लिए और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

रोबोफेस्ट वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026

घाना का प्रतिनिधित्व करने हेतु जयपुर की 14 वर्षीय छात्रा इनाया अमेरिका रवाना

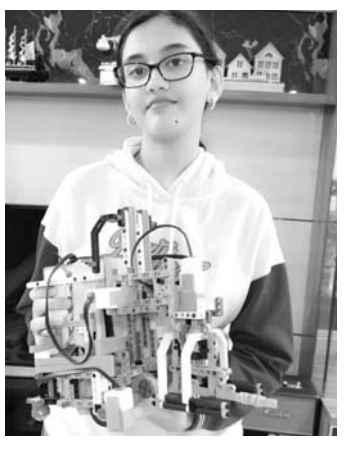

जयपुर, 16 मई। रोबोफेस्ट वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 के अंतर्गत अमेरिका में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर घाना का प्रतिनिधित्व करने हेतु जयपुर की 14 वर्षीय प्रतिभाशाली छात्रा इनाया खान को नेतृत्व क्षमता हासिल हुआ है।

यूनाइटेड स्टेट्स एंबेसी, घाना द्वारा अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इनाया खान की तस्वीर साझा किया जाना उनकी बढ़ती अंतरराष्ट्रीय पहचान, असाधारण नेतृत्व क्षमता और तकनीकी उत्कृष्टता का सशक्त प्रमाण है। इस विश्व-स्तरीय प्रतियोगिता में घाना रोबोटिक्स अकादमी फाउंडेशन के नेतृत्व में घाना की टीम अमेरिका के मिशिगन स्थित लॉरेंस टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी में रोबोफेस्ट वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 आयोजित की गई में भाग ले रही है। यह गौरवपूर्ण क्षण है कि यह दल 12-05-2026 को अमेरिका पहुंचकर इस वैश्विक आयोजन में अपनी सहभागिता दर्ज करा चुका है। इनाया खान के अंकल शकील खान ने बताया कि यह उपलब्धि पूरे प्रदेश एवं देश के लिए अत्यंत गर्व और सम्मान का विषय है। इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर 10 टीमों का प्रतिनिधित्व करते हुए टीम लीडर के रूप में इनाया खान ने एक बार फिर भारत एवं राजस्थान का नाम वैश्विक स्तर पर गौरवान्वित किया है। उनकी असाधारण प्रतिभा, मजबूत नेतृत्व क्षमता, नवाचार की सोच और तकनीकी दक्षता उन्हें आज वैश्विक मंच पर बेटियों के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बनाती है।

लिटन दास के शतक से संभला बांग्लादेश

सिलहट, 16 मई । यहां खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन विकेटकीपर बल्लेबाज़ लिटन दास के शानदार शतक की बदौलत बांग्लादेश ने मुश्किल स्थिति से उबरते हुए मजबूत वापसी की। बांग्लादेश की टीम एक समय 116 रन पर 6 विकेट गंवाकर संकट में थी, लेकिन लिटन दास की 159 गेंदों पर 126 रन की तेज़तर्रार पारी ने टीम को 278 रन तक पहुंचा दिया। जवाब में पाकिस्तान ने दिन का खेल समाप्त होने तक बिना विकेट खोए 21 रन बना लिए। पाकिस्तान अभी भी 257 रन पीछे है। इससे पहले पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी का फैसला किया और तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद अब्बास तथा खुर्रम शहज़ाद ने शुरुआती परिस्थितियों का बेहतरीन फायदा उठाया।

नील कमल क्लब ने भवानी निकेतन स्कूल को हराया

जयपुर 16 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग में आज खेले गए पूल सी के मैच में नील कमल क्लब क्लब ने भवानी निकेतन स्कूल को 5 विकेट से हराया।जयपुरिया ग्राउंड पर भवानी निकेतन स्कूल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए करण प्रसाद के 22 रन, केतन सिंह के 17 रन, दिलीप सिंह के 50 रन, इशांत तिवारी के 23 रन, सुमित सैनी के 20 रन से 44.1 ओवर में 178 रन बनाए। नील कमल क्लब के लिए रचित गुप्ता ने 39 पर 4, पृथ्वी कुमावत ने 24 पर 4, व गौरव वर्मा ने 22 पर एक विकेट लिया।जवाबी पारी में नील कमल क्लब ने पुलकित के 24 रन, आदित्य के 32 रन,आफताब के 41 रन व आरव माथुर के 55 रन नाबाद से 33 ओवर में 5 विकेट पर 183 रन बनाकर मैच जीत लिया। भवानी निकेतन के लिए सार्थ चौधरी ने 45 पर 2, सुमित सैनी व लक्ष्य सिंह ने एक - एक विकेट लिया।

नरेन ने रच दिया इतिहास, आईपीएल में 200 मैच खेलने वाले पहले विदेशी बने

कोलकाता, 16 मई। कोलकाता नाइट राइडर्स के ऑलराउंडर सुनील नरेन ने शनिवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में उतरने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। वह आईपीएल में 200 मैच खेलने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं।

उन्होंने ईडन गार्डन्स में आईपीएल 2026 के 60वें मुकाबले में इस मुकाम तक पहुंचे। इससे पहले 12 भारतीय खिलाड़ी आईपीएल में 200 से अधिक मैच खेल चुके हैं। सुनील नरेन ने 2012 में आईपीएल में अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलते हुए राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ डेब्यू किया था। पिछले 14 सीजन के दौरान सुनील नरेन कोलकाता फ्रेंचाइजी के अहम सदस्य रहे हैं। उन्होंने गेंदबाजी के साथ-साथ पारी की शुरुआत से लेकर बैटिंग में निचले क्रम तक बल्लेबाजी की है। सुनील नरेन ने 200 मैचों में 203 विकेट लिए हैं।

जयपुर जिला तैराकी संघ के गजानन्द शर्मा अध्यक्ष, राजवीर सचिव बने

जयपुर, 16 मई। पूर्व आईएएस अधिकारी गजानन्द शर्मा को शनिवार को यहां जयपुर जिला तैराकी संघ का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। जिला संघ की साधारण सभा की बैठक में अगले चार वर्ष के लिए हुए कार्यकारिणी के चुनाव में राजवीर सिंह को सचिव और अशोक अलग को कोषाध्यक्ष पद पर चुना गया। चुनाव प्रक्रिया के दौरान राजस्थान तैराकी संघ की ओर से अध्यक्ष अनिल व्यास, जिला क्रीड़ा परिषद की ओर से राजेश टेलर और जिला ओलंपिक संघ की ओर से गिर्राज खंडेलवाल पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद थे। चुनाव प्रक्रिया में जयपुर जिला तैराकी संघ से संबद्ध 11 क्लबों के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

अध्यक्ष पद संभालने के बाद गजानन्द शर्मा ने कहा कि नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं और प्रतियोगिताओं के अधिक अवसर उपलब्ध कराने के साथ जयपुर जिले में तैराकी गतिविधियों को मजबूत बनाने का संकल्प व्यक्त किया है। शर्मा ने सभी क्लब प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग और विश्वास से जयपुर में तैराकी खेल को नई दिशा मिलेगी। इस मौके पर उन्होंने बताया कि राज्य संघ की ओर से जयपुर जिले को राज्य सीनियर तैराकी प्रतियोगिता की मेजबानी सौंपी गई है। इस प्रतियोगिता का आयोजन 1 से 3 जून तक सवाई मानसिंह स्टेडियम तरणताल पर किया जाएगा।

एशियन जूनियर इंडिविजुअल स्क्वैश चैंपियनशिप में भारत का 32 सदस्यीय दल

जयपुर की दिव्यांशी और धैर्य टीम में, सुरभि मिश्रा होंगी कोच

जयपुर 16 मई। राजस्थान की दिव्यांशी जैन और धैर्य गोगिया 33वीं एशियन जूनियर चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह प्रतियोगिता 20 से 24 मई तक चीन के पेंझीहुआ में आयोजित की जाएगी। जयपुर की ही पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सुरभि मिश्रा को भारतीय टीम का कोच नियुक्त किया गया है।

सुरभि मिश्रा ने शनिवार को यहां बताया कि एशियन जूनियर चैंपियनशिप में भारत का 32 सदस्यीय दल हिस्सा लेगा। टूर्नामेंट में अंडर-13, अंडर-15, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग के मुकाबले होंगे। उन्होंने बताया कि दिव्यांशी जैन और धैर्य गोगिया का विगत दिनों चेन्नई में आयोजित ट्रायल के आधार पर भारतीय टीम में चयन किया गया है। दिव्यांशी को टूर्नामेंट में दूसरी वरीयता दी गई है।

सुरभि मिश्रा ने बताया कि कोरिया में आयोजित पिछली एशियन जूनियर चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य सहित कुल सात पदक जीते थे। उन्होंने बताया कि पिछले साल अंडर-17 वर्ग का खिताब जीतने वाले भारत के आर्यवीर दीवान इस बार अंडर-19 वर्ग में अपनी चुनौती पेश करेंगे। उन्हें तीसरी वरीयता दी गई है। इसके अलावा बॉयज अंडर-13 में अभ्युदय अरोड़ा और अमार्या बजाज को 3/4 वरीयता मिली है, जबकि अंडर-15 में श्रेष्ठ अय्यर को दूसरी वरीयता दी गई है। गर्ल्स में दिव्यांशी जैन को अंडर-13 में दूसरी तथा शनाया परसरामपुरिया, आद्या बुधिया और अनिका दुबे को अपने-अपने वर्गों में 3/4 वरीयता दी गई है।

प्रदेश के खेलमंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने जयपुर के दोनों खिलाड़ियों दिव्यांशी जैन और धैर्य गोगिया को टूर्नामेंट में अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। खेलमंत्री शुक्रवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित स्क्वैश एकेडमी में पहुंचे और दोनों खिलाड़ियों के साथ खेलकर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान भारतीय टीम की कोच सुरभि मिश्रा भी मौजूद थीं।

भारतीय दल इस प्रकार है

बालक वर्ग : अंडर-13- अभ्युदय अरोड़ा, अमार्या बजाज, धैर्य गोगिया, एरॉन अराम्भन, अंडर-15- ध्रुव बोपाना, श्रेष्ठ अय्यर, ध्रुव जोहरी, वेदांत अग्रवाल, अंडर-17- लोकेश सुब्रमणि, हृदान शाह, राघव वशिष्ठ, शिवेन अग्रवाल, अंडर-19- गुरवीर सिंह, आर्यवीर देवान, युशा नफीस, पुरव राम्भिया।

बालिका वर्ग : अंडर-13- दिव्यांशी जैन, शनाया परसरामपुरिया, रिया दलाल, आलिया कांकारिया, अंडर-15- आद्या बुधिया, गौशिका एम, वसुंधरा नांगरे, दीवा परसरामपुरिया, अंडर-17- सान्वी कलंकी, अनिका दुबे, दीवा शाह, रियांसिका वर्मा, अंडर-19- उन्नित त्रिपाठी, ईशा श्रीवास्तव, आकांक्षा गुप्ता, व्योमिका खंडेलवाल। सपोर्ट स्टाफ- मेखला श्रीवास्तव, अविनाश भावनानी और सात्विक जोशी।

एसएमएस स्टेडियम में शुरू हुई फर्स्ट जयपुर डिस्ट्रिक्ट रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप-2026

जयपुर, 16 मई। टेबल टेनिस हॉल, एसएमएस स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय फर्स्ट जयपुर डिस्ट्रिक्ट रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप-2026 का शुभारंभ शनिवार से हुआ। प्रतियोगिता 16 एवं 17 मई तक आयोजित की जाएगी। पहले दिन विभिन्न वर्गों के मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल और फाइनल में जगह बनाई। पुरुष वर्ग के पहले सेमीफाइनल में भावित बिष्ट ने सौरभ कपूर को हराकर फाइनल में प्रवेश किया, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में हर्षवर्धन सिंह ने अरिंजय कुच्छल को पराजित कर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई।

महिला वर्ग में समृद्धि व्यास ने नंदिनी नागौरी को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमीफाइनल में समायरा शर्मा ने अनुष्का आचार्य को मात देकर फाइनल का टिकट हासिल किया। अंडर-19 बॉयज वर्ग में भावित बिष्ट ने प्रखर बग्गा को तथा हर्षवर्धन सिंह ने तुषार रामचंदानी को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अंडर-19 गर्ल्स वर्ग में समृद्धि व्यास ने ईशान्या शर्मा को हराया, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में आदिश्री ने आरना साहनी को पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। अंडर-17 बॉयज वर्ग के क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में हर्षवर्धन ने आरव साहनी, युवान ने समृद्ध बागड़ा, नैतिकवीर ने प्रखर बग्गा तथा तुषार रामचंदानी ने खुश शुक्ला को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अंडर-17 गर्ल्स वर्ग के क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में डिंपी शर्मा ने ख्याति, मांगीलाल ने ईशान्या शर्मा, आरना साहनी ने प्रत्यूषा शर्मा तथा समृद्धि व्यास ने आदिश्री को हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। प्रतियोगिता के दूसरे दिन अंडर-9, अंडर-11 एवं अंडर-13 वर्ग के मुकाबले खेले जाएंगे। इसके साथ ही विभिन्न वर्गों के फाइनल मुकाबले एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा।

''बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ'', अभियान से सामाजिक परिवर्तन आया- भजनलाल

मुख्यमंत्री ईवी बस में ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम के लिए ठिकरिया गाँव पहुँचे

जयपुर, 16 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसान, मजदूर, महिला और युवाओं के सशक्तीकरण के लिए कार्य कर रहे हैं। इनके सशक्त बनने से देश और प्रदेश विकसित बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने माता-बहनों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ग्राम चौपाल में कहा कि अनावश्यक ईंधन खर्च से बचना चाहिए साझा वाहन उपयोग की आदत विकसित करनी चाहिए, क्योंकि ईंधन की बचत आर्थिक बचत से जुड़ी हुई है।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को बगरू के ठिकरिया गांव में ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम में शामिल हुए।

महत्वपूर्ण योजनाएं भी चलाई हैं। मुख्यमंत्री शनिवार को बगरू के ठिकरिया गांव में ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 'बेटी बचाओ-बेटी पढाओ' अभियान से लिंगानुपात में सुधार के साथ ही सामाजिक परिवर्तन आया। घर-घर शौचालय निर्माण से महिलाओं को सम्मान व सुरक्षा मिली। उज्ज्वला योजना के माध्यम से गैस सिलेंडर तथा हर घर नल से जल पहुंचाने का कार्य किया। जन-धन योजना के माध्यम से बैंक खाते खुलवाकर योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बगरू के ठिकरिया गांव में ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम के लिए मुख्यमंत्री निवास से इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) बस से पहुंचे। मुख्यमंत्री के साथ विभिन्न विभागों एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी यात्रा की।

उन्होंने कहा कि वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ईंधन बचत के आव्हान पर ग्राम-2026 के आयोजन को फिलहाल के लिए स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि अनावश्यक ईंधन खर्च से बचना चाहिए और साझा वाहन उपयोग की आदत विकसित करनी चाहिए, क्योंकि ईंधन की बचत आर्थिक बचत से भी जुडी हुई है।

उन्होंने कहा कि हमने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया, जिसके तहत हुए एमओयू धरातल पर तेजी से उतर रहे हैं, तथा युवाओं को रोजगार मिल रहा है। साथ ही, स्वरोजगार के लिए हम युवाओं को ऋण उपलब्ध करवा रहे हैं।

मुख्यमंत्री से राजीविका की लाभार्थी महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किये। इंद्रा शर्मा ने कहा कि राजीविका की मदद से हम घर और गांव से बाहर निकलकर आर्थिक रूप से सक्षम बनी हैं। हमारे समूहों की महिलाएं सैनेटरी नैपकिन, बगरू प्रिंट, अन्नपूर्णा रसोई और बर्तन बैंक क्षेत्र में काम कर रही हैं। मेरी सालाना आय 10 लाख रुपये से अधिक है, जिससे मैं अब मिलेनियर दीदी बन गई हूं। कोमल शर्मा ने कहा कि मैं वेस्ट सामग्री को रिसाइकिल कर पेपर बनाने का कार्य करती हूं। हमारे गांव में 13 एसएचजी हैं। राजीविका की मदद से हम पेपर प्रोडक्ट बनाने का कार्य कर पा रहे हैं। हम सालाना 10 से 12 लाख रुपये का व्यापार कर रहे हैं, जिसमें से 5-6 लाख रुपये की बचत हमें हो रही है। ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम में सांसद मंजू शर्मा, विधायक कैलाश वर्मा, जिला प्रमुख रमा देवी चौपड़ा सहित, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

केन्द्र सरकार ने एनटीए में नए अधिकारी लगाये

नई दिल्ली, 16 मई। नीट पेपर लीक और परीक्षा अनियमितताओं को लेकर बढ़ ते विवाद के बीच केन्द्र

- **नीट पेपर लीक पर सरकार का एक्शन।**

सरकार ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) में बड़ी प्रशासनिक नियुक्तियां की हैं। एनटीए में चार बड़े अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

सरकार ने एजेंसी में दो नए संयुक्त सचिव और दो संयुक्त निदेशक नियुक्त किए हैं। कार्मिक मंत्रालय के आदेश के अनुसार, भारतीय सांख्यिकी सेवा (आईएसएस) की 1998 बैच की अधिकारी अनुजा बापट और भारतीय राजस्व सेवा (कस्टम्स और इनडायरेक्ट टैक्स) की 2004 बैच की अधिकारी रुचिता विज को एनटीए में संयुक्त सचिव नियुक्त किया , गया है।

दोनों की नियुक्ति पांच साल के लिए की गई है। इसके अलावा, भारतीय राजस्व सेवा (इनकम टैक्स) के अधिकारी आकाश जैन और भारतीय ऑडिट एवं अकाउंट्स सेवा के अधिकारी आदित्य राजेन्द्र भोजगढि या को संयुक्त निदेशक बनाया गया है।

अमेरिका ने ईरान पर हमले का ऑपरेशन एपिक फ्यूरी 2.0 तैयार किया

न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी एक रिपोर्ट में यह दावा किया

- **अखबार ने कहा कि अमेरिका व इज़रायल ईरान के खिलाफ नए सिरे से भीषण हमले करने की तैयारी में जुटे हैं।**

वॉशिंगटन, 16 मई। अमेरिकी सेना कथित तौर पर एक बार फिर ईरान पर हमलों की योजना बना रही है। ईरान के साथ शांति वार्ता के किसी नतीजे पर न पहुंचने के बाद अमेरिका को लग रहा है कि सैन्य हमले ही तेहरान पर दबाव बना सकते हैं। अमेरिका और इज़रायल गठबंधन ने 28 फरवरी को ईरान पर हमले किए थे। इसके बाद दोनों पक्षों में भीषण लड़ाई हुई। 8 अप्रैल को अस्थायी सीज़फायर के बाद दोनों पक्षों की बातचीत के जरिए समझौते पर पहुंचने की कोशिश अभी तक नाकाम रही है। इससे फिर लड़ाई शुरू होने की आशंका ने जोर पकड़ा है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स ने शुक्रवार को अपनी रिपोर्ट में बताया है कि अमेरिकी अधिकारियों ने ईरान के खिलाफ सैन्य हमले फिर से शुरू करने के लिए ऑपरेशन एपिक फ्यूरी 2.0 की योजना तैयार की है। सैन्य समाधान का यह प्लान तब बना है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने चीन का अपना दो दिवसीय दौरा पूरा कर लिया है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में बताया गया है कि पेंटागन आने वाले दिनों में ऑपरेशन एपिक फ्यूरी 2.0 की योजना बना रहा है। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने इस सप्ताह कांग्रेस के समक्ष गवाही देते हुए सांसदों से कहा है कि यदि आवश्यक हुआ तो हमारे पास स्थिति को आगे बढ़ाने, यानी हमले तेज करने की योजना मौजूद है।

पश्चिम एशिया के दो अधिकारियों ने अखबार को बताया कि अमेरिका और इज़रायल के अधिकारी ईरान के खिलाफ हमलों को अगले सप्ताह फिर से शुरू करने की गहन तैयारियों में जुटे हुए हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि ट्रंप फिर हमले शुरू करने का फैसला करते हैं तो ईरान के बुनियादी ढ ांचे को निशाना बनाया जा सकता है।

रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका की योजना मेंतीन विकल्प हैं। इसमें पहला ईरान के सैन्य और बुनियादे ढ ांचे पर हवाई हमलों का है। दूसरा विकल्प यह है कि ईरान की जमीन पर विशेष अभियान के लिए सेना उतारी जाए, ताकि वे जमीन के काफी नीचे गहराई में दबे हुए परमाणु सामग्री के भंडारों को खत्म कर सकें। प्लान का तीसरा विकल्प यह है कि अमेरिकी सेना खर्ग द्वीप पर कब्जा करे। खर्ग ईरानी तेल निर्यात का एक बड़ा केंद्र है। इसमें मुश्किल यह है कि खर्ग पर कब्जा बनाए रखने के लिए काफी ज्यादा सैनिकों की जरूरत पड़ेगी। ईरान को यहां की परिस्थिति से मिलने वाला फायदा अमेरिका की मुश्किल बढ़ाएगा।

नीदरलैंड चोल ताम्रपट्टिकाएं भारत को लौटाएगा

ये पट्टिकाएं 300 वर्षों से नीदरलैंड के लीडन विश्वविद्यालय में रखी हुई हैं

- **विश्वविद्यालय ने ऐलान किया कि प्र.मंत्री मोदी और नीदरलैंड के प्रधानमंत्री की उपस्थिति में एक औपचारिक समारोह में इन पट्टिकाओं को प्रस्तुत किया जाएगा और बाद में किसी अन्य अवसर पर भारत को लौटा दिया जाएगा।**

नई दिल्ली, 16 मई । नीदरलैंड के लीडेन विश्वविद्यालय ने करीब 300 वर्षों से अधिक समय से अपने पास सुरक्षित रखी गईं 11वीं सदी की ऐतिहासिक चोल ताम्रपट्टिकाओं को शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में भारत को लौटाने का ऐलान किया।

विश्वविद्यालय ने अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित लेख में कहा कि शनिवार को हेग में प्रधानमंत्री मोदी और नीदरलैंड के प्रधानमंत्री की उपस्थिति में आयोजित औपचारिक समारोह में इन चोल ताम्रपट्टिकाओं को प्रस्तुत किया जाएगा। इसके बाद किसी अन्य अवसर पर इन्हें आधिकारिक रूप से भारत को हस्तांतरित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय ने अपने लेख में कहा कि उसके कार्यकारी बोर्ड ने चोल ताम्रपट्टिकाओं को भारत लौटाने का निर्णय लिया है। यह फैसला नीदरलैंड की राष्ट्रीय 'औपनिवेशिक संग्रह समिति' की सिफारिश के बाद लिया गया। समिति ने अपनी जांच में पाया कि ये ऐतिहासिक वस्तुएं औपनिवेशिक काल के दौरान दक्षिण भारत से, बिना वास्तविक अधिकारधारकों की सहमति के, बाहर ले जाई गई थीं।

विश्वविद्यालय के अनुसार, भारत सरकार ने वर्ष 2023 की गर्मियों में चोल ताम्रपट्टिकाओं को वापस करने का अनुरोध किया था। इसके बाद विश्वविद्यालय ने स्वतंत्र विशेषज्ञों से इनकी उत्पत्ति और स्वामित्व संबंधी जांच कराई। साथ ही मामले को औपनिवेशिक संग्रह समिति के पास भेजा गया, जिसने अतिरिक्त अध्ययन और पूर्व शोधों की समीक्षा के बाद इन्हें भारत लौटाने की सिफारिश की।

लेख में कहा गया कि चोल ताम्रपट्टिकाएं भारत से संबंधित अत्यंत महत्वपूर्ण ऐतिहासिक अभिलेख हैं। इन तांबे की पट्टिकाओं में नागपट्टिनम स्थित एक बौद्ध विहार और उससे जुड़े मठों को गांवों के राजस्व और भूमि अधिकार देने संबंधी समझौते दर्ज हैं। विश्वविद्यालय के अनुसार, अभिलेख संख्या ओआर.1687 वाली एक वस्तु में 21 तांबे की प्लेटें हैं, जो एक कांस्य वलय से जुड़ी हुई हैं। इस वलय पर 11वीं सदी में शासन करने वाले राजेन्द्र चोल प्रथम की मुहर लगी हुई है। इनमें पांच प्लेटों पर संस्कृत और 16 प्लेटों पर तमिल भाषा में अभिलेख अंकित हैं। दूसरी वस्तु ओआर.1688 में तीन तांबे की प्लेटें हैं, जो एक अन्य कांस्य वलय से जुड़ी हैं, जिस पर कुलोत्तुंग चोल प्रथम की मुहर अंकित है। इन पर तमिल भाषा में लेख दर्ज हैं। विश्वविद्यालय ने कहा कि ये चोल ताम्रपट्टिकाएं 1862 से उसके पास सुरक्षित हैं और दक्षिण भारत में शाही चार्टर का महत्वपूर्ण स्रोत मानी जाती हैं। ये चोल और श्रीविजय साम्राज्यों के बीच संबंधों पर भी ऐतिहासिक जानकारी प्रदान करती हैं। इन प्लेटों का कुल वजन लगभग 30 किलोग्राम है। इन्हें विश्वविद्यालय पुस्तकालय में शोध और शिक्षण कार्यों के लिए उपलब्ध कराया जाता रहा है तथा प्रदर्शनियों में भी प्रदर्शित किया गया।

'भोजशाला पर हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे'

- **ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने यह भी कहा वह इस कानूनी लड़ाई में पूर्ण सहयोग देगा।**
- **बोर्ड के प्रवक्ता डॉ. सैयद कासिम रसूल इलियास ने कहा कि मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के फैसले में एतिहासिक दस्तावेजों की अनदेखी की गई है।**

नई दिल्ली, 16 मई। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने भोजशाला की कमाल मौला मस्जिद के विवाद पर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के हालिया फैसले की कड़ी निंदा की। बोर्ड ने घोषणा की है कि कमाल मौला मस्जिद कमेटी इस फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देगी और मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड इस कानूनी लड़ाई में उसका हर संभव सहयोग करेगा।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता डॉ. सैयद क़ासिम रसूल इलियास ने अपने बयान में कहा कि मप्र उच्च न्यायालय का फैसला ऐतिहासिक साक्ष्यों, राजस्व अभिलेखों, औपनिवेशिक काल के सरकारी दस्तावेजों, गजेटियरों और मस्जिद में सदियों से जारी मुस्लिम इबादत की अनदेखी करते हुए दिया गया। उन्होंने कहा कि यह फैसला पूजा स्थलों की सुरक्षा से संबंधित कानून 1991 की भावना और संवैधानिक मूल्यों के भी प्रत्यक्ष रूप से विरुद्ध है। उल्लेखनीय है कि फैसले में भोजशाला की कमाल मौला मस्जिद परिसर को सरस्वती मंदिर घोषित किया गया है और ऐतिहासिक तथ्यों, सरकारी अभिलेखों, पुरातात्विक साक्ष्यों एवं स्वयं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएलआई) को पूर्व रुख के खिलाफ बताते हुए सख्ती से खारिज कर दिया है।

डॉ. इलियास ने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का पूर्व रुख स्वयं इस स्थल की साझा धार्मिक प्रकृति को स्वीकार करता रहा है। कई दशकों तक एएसआई के आधिकारिक रिकॉर्ड और साइनबोर्ड्स में इस स्थान को भोजशाला/कमाल मौला मस्जिद के नाम से दर्ज किया जाता रहा, जो इसके विवादित और साझा धार्मिक स्वरूप की सरकारी मान्यता थी। इसके अतिरिक्त वर्ष 2003 की प्रशासनिक व्यवस्था के तहत हिंदुओं को मंगलवार के दिन पूजा की अनुमति दी गई थी जबकि मुसलमानों को शुक्रवार की नमाज अदा करने की अनुमति थी। यह व्यवस्था स्वयं इस बात का स्पष्ट प्रमाण थी कि एएसआई दोनों समुदायों के ऐतिहासिक दावों और इबादत के अधिकारों को मान्यता देता था। इसके बावजूद, हाई कोर्ट द्वारा इस व्यवस्था को समाप्त करना एएसआई के पूर्व रुख से हटना है। ?

उन्होंने कहा कि मुस्लिम पक्ष ने अदालत के समक्ष स्पष्ट रूप से यह दलील दी थी कि ऐतिहासिक राजस्व अभिलेखों में इस इमारत को लगातार मस्जिद के रूप में दर्ज किया गया है, जबकि ऐसा कोई निर्विवाद ऐतिहासिक प्रमाण मौजूद नहीं है जो यह सिद्ध करे कि इसी स्थान पर राजा भोज के काल का सरस्वती मंदिर स्थित था। दुर्भाग्यपूर्ण है कि अदालत ने इन प्रामाणिक ऐतिहासिक और सरकारी अभिलेखों को उचित महत्व नहीं दिया।

कक्षा 9 व 10 के विद्यार्थियों के लिये अब तीन भाषा व्यवस्था

नई दिल्ली, 16 मई। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 9-10 के लिए तीन भाषा व्यवस्था लागू कर दी है। इनमें से दो भाषाएं अनिवार्य तौर पर भारतीय होना आवश्यक है। नई व्यवस्था इसी साल एक जुलाई से लागू होगी।

सीबीएसई की ओर से 15 मई को जारी एक परिपत्र का यह निर्देश राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और राष्ट्रीय विद्यालय शिक्षा पाठ्यक्रम (एनसीएफ-एसई) 2023 के अनुरूप है। यह बदलाव 2026-27 शैक्षणिक सत्र के लिए नवीनतम एनसीईआरटी पाठ्यक्रम की समीक्षा के बाद किया गया है।

बोर्ड के अनुसार, विद्यार्थियों को तीन भाषाएं पढ़ नी होंगी। इनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं होना आवश्यक है। हालांकि कक्षा 10 में तीसरी भाषा के लिए कोई बोर्ड परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि तीसरी भाषा का मूल्यांकन पूरी तरह स्कूल स्तर पर और आंतरिक रूप से किया जाएगा। विद्यार्थियों के प्रदर्शन का उल्लेख सीबीएसई प्रमाणपत्र में किया जाएगा।

केन्द्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने बेटे को पुलिस के सुपुर्द किया

- **तेलंगाना पुलिस का कहना है कि मंत्री पुत्र भगीरथ, जो पॉक्सो में आरोपी है, को गिरफ्तार किया गया है यह सरेंडर नहीं था।**

हैदराबाद, 16 मई। केंद्रीय मंत्री बंडीसंजय कुमार ने बेटे भगीरथ को पुलिस के हवाले कर दिया है। उन्होंने एक्स पर जानकारी देते हुए लिखा कि उन्हें कानून पर पूरा भरोसा है और उनकी लीगल टीम का कहना है कि उनके बेटे को जमानत मिल जाएगी। वहीं, तेलंगाना पुलिस का कहना है कि पॉक्सो एक्ट मामले में आरोपी भगीरथ को गिरफ्तार किया गया है।पुलिस ने भगीरथ को देश छोड़कर भागने से रोकने के लिए उनके खिलाफ लुक-आउट सर्कुलर जारी किया था।

अपने बेटे भगीरथ के पॉक्सो केस पर केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने कहा,"आज मैंने अपने बेटे बंदी भगीरथ को जांच के लिए एक वकील के जरिए पुलिस को सौंप दिया है।

पुलिस के मुताबिक उन्हें नारसिंगी पुलिस एकेडमी की पास से अरेस्ट किया गया। तेलंगाना केसाइबराबाद पुलिस कमिश्नर रमेश ने कहा, "पेटबशीराबाद पॉक्सो केस के आरोपी बंडी भगीरथ को हैदराबाद शहर के बाहरी इलाके से पकड़ा गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उसे पुलिस स्टेशन ले जाया जा रहा है। यह सरेंडर नहीं था।"

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने इस मामले में भगीरथ को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया था। इसके एक दिन बाद बंडी संजय कुमार ने बयान में कहा कि उन्होंने पिछले सप्ताह शिकायत दर्ज होने के तुरंत बाद बेटे से पुलिस के साथ सहयोग करने के लिए कहा था।

पुलिस ने भगीरथ के खिलाफ आठ मई को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और बच्चों का यौन अपराधों से संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किया गया था। शिकायत 17 वर्षीय लड़की की मां ने दर्ज कराई थी।

'दुखी हूँ, मीडिया के एक वर्ग ने मेरी बात को गलत तरीके से रखा'

सीजेआई सूर्यकांत ने युवाओं को कॉक्रोच बताने वाली अपनी टिप्पणी पर उठे विरोध को शांत करने की कोशिश की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मई। ऐसा लगता है कि अपनी छवि को सुधारने के प्रयास में, भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने शनिवार को मीडिया के एक हिस्से पर शुक्रवार की उनकी कॉक्रोच वाली टिप्पणी को गलत तरीके से प्रस्तुत करने का आरोप लगाया। इस टिप्पणी का भारी विरोध हुआ था।

सीजेआई सूर्यकांत ने एक बयान में कहा, मुझे यह पढ़कर दुख हुआ कि मीडिया के एक हिस्से ने मेरे मौखिक टिप्पणियों को, जो कल एक तुच्छ मामले की सुनवाई के दौरान की गई थीं, गलत तरीके से पेश किया। यह बयान कानूनी समाचार वेबसाइटों में प्रकाशित हुआ।

उन्होंने कहा, "मैंने विशेष रूप से उन लोगों की आलोचना की थी, जिन्होंने नकली और फर्जी डिग्रियों के सहारे बार (कानूनी पेशा) जैसे पेशों में प्रवेश किया। ऐसे ही लोग मीडिया, सोशल मीडिया और अन्य नेक पेशों में भी छिपकर प्रवेश कर गए हैं, इसलिए ये कीड़े-मकोड़ों (परजीवी) की तरह हैं।"

शुक्रवार को, जब उन्होंने दिल्ली के कुछ अधिवक्ताओं की संभावित फर्जी कानून डिग्रियों की जांच के लिए सीबीआई को चेतावनी दी तो उनमें से कई ने न्यायपालिका के खिलाफ अपमानजनक और घृणास्पद टिप्पणियां पोस्ट की थीं।

सीजेआई ने कहा था, "समाज में पहले से ही ऐसे परजीवी हैं, जो सिस्टम पर हमला करते हैं और आप उनमें शामिल होना चाहते हैं? कुछ युवा कॉक्रोच की तरह हैं। उन्हें कोई रोजगार नहीं मिलता और पेशे में उनकी कोई जगह नहीं है।" वे अधिवक्ता और याचिकाकर्ता संजय दुबे को संबोधित कर रहे थे। सीजेआई ने कहा था, "इनमें से कुछ मीडिया का हिस्सा बन जाते हैं, कुछ सोशल मीडिया में आ जाते हैं, कुछ आरटीआई एक्टिविस्ट बन जाते हैं और कुछ अन्य एक्टिविस्ट बन जाते हैं। ये सभी पर हमला करना शुरू कर देते हैं। शनिवार को अपने बयान, जिसमें उन्होंने अपनी छवि को सुधारने का प्रयास किया, में सीजीआई ने कहा, "यह पूरी तरह से आधारहीन है कि मैंने हमारे देश के युवाओं की आलोचना की। न केवल मुझे हमारे वर्तमान और भविष्य के मानव संसाधन पर गर्व है, बल्कि भारत का हर युवा मुझे प्रेरित करता है। यह अतिशयोक्ति नहीं है कि भारतीय युवा मुझमें बहुत सम्मान और आदर रखते हैं, और मैं भी उन्हें विकसित भारत के स्तंभ के रूप में देखता हूँ।"

- **उन्होंने कहा, एक मामूली से केस की सुनवाई में की गई मौखिक टिप्पणी को गलत तरीके से तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है, जबकि मैंने तो ''फेक डिग्री' लेकर कानूनी पेशे में घुस आए लोगों पर टिप्पणी की थी। ये लोग मीडिया, सोशल मीडिया पर एक्टिविस्ट बन जाते हैं तो क्या आरटीआई या किसी अन्य क्षेत्र के एक्टिविस्ट बन जाते हैं, सब पर हमला करते हैं।**
- **ज्ञातव्य है कि एक वकील संजय दुबे की याचिका पर सुनवाई करते हुए सीजेआई ने कहा था, बेरोज़गार युवा कॉक्रोच जैसे होता है। इस टिप्पणी का भारी विरोध होने पर सीजेआई ने कहा, मुझे भारत के युवा पर गर्व है, यह मुझे प्रेरित करते हैं और यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि भारत के युवा मेरा बहुत सम्मान करते हैं।**

जून के मध्य...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और साथ ही, पार्टी नेतृत्व तेलंगाना जैसे राज्यों पर ध्यान केन्द्रित कर सकता है, जो भाजपा के प्रभाव क्षेत्र से बाहर बने हुये हैं। (महिला कोटे से) डी के अरुणा जैसे नाम केन्द्रीय कैबिनेट में शामिल किए जाने के लिए संभावितों के रुप में चर्चा में हैं। ऐसी संभावना है कि हाल ही में भाजपा में शामिल हुए आप नेता राघव चड्ढा को, अगले वर्ष होने वाले पंजाब विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए, कोई महत्वपूर्ण संगठनात्मक पद दिया जा सकता है। इस बदलाव में उत्तर प्रदेश या बिहार के राज्य नेता या तो सरकार में या पार्टी के राष्ट्रीय स्तर पर शामिल किए जा सकते हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, भाजपा और गठबंधन सहयोगियों के नए चेहरे, युवा सांसद और जिनका संगठनात्मक/राज्यस्तरीय रिकॉर्ड मजबूत है, उन्हें शामिल किया जाएगा। कुछ रिपोर्टों में महिलाओं को मंत्रियों के रुप में शामिल करने की संभावना भी बताई गई है, ताकि 33 प्रतिशत महिला कोटे के लक्ष्य को बढ़ावा दिया जा सके।

अदालती आदेश की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अवमानना याचिका में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने फागी उपखंड के पचाला गांव के आम रास्ते पर प्रभावशाली लोगों की ओर से पक्का निर्माण कर अतिक्रमण करने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने गत 2 अप्रैल को याचिकाकर्ता को कहा था कि वह इस संबंध में जयपुर कलेक्टर के समक्ष अपना अभ्यावेदन पेश करे और कलेक्टर उसे तीन सप्ताह में तय कर विधि सम्मत कार्रवाई करें। अवमानना याचिका में कहा गया कि अदालती आदेश की पालना में याचिकाकर्ता ने गत 8 अप्रैल को समस्त दस्तावेजों के साथ कलेक्टर व स्थानीय अधिकारियों को अभ्यावेदन पेश कर दिया। इसके बावजूद, कलेक्टर की ओर से आज तक उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने कलेक्टर को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

भाजपा अपनी विश्वसनीयता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अस्पताल परिसर में बेरहमी से बलात्कार और हत्या का शिकार बनाया गया था। मामले का विवरण सामने आने के बाद बंगाल में हंगामा मच गया था, व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए थे और इसकी गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दी थी।

भाजपा के मुख्यमंत्री ने एक भीड़भरी प्रेस कॉन्फ्रेंस में तीन उच्च अधिकारियों को निलंबित करने का निर्णय घोषित किया। उन्होंने राज्य पुलिस प्रशासन में कुछ बुनियादी सुधारों से संबंधित कई अन्य उपायों की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री अधिकारी ने दोहराया कि राज्य पुलिस के अधिकारियों ने मामले को संभालने में लापरवाही की। अपने कर्तव्यों को अनुशासित अधिकारी की तरह निभाने के बजाय, उन्होंने गैर-पेशेवर तरीके से काम किया। अधिकारी ने यह भी खुलासा किया कि पुलिस अधिकारियों ने मृतक के माता-पिता को पैसा देने की पेशकश तक की थी।

'अगर आप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत-रूस वार्षिक शिखर बैठक में पीएम मोदी और रूस के राष्ट्रपति पुतिन के बीच हुई मुलाकात के बाद हुआ। एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने लावरोव द्वारा भारत और रूस की विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी में हुई प्रगति के संबंध में दी गई जानकारी की सराहना की।

'पाक तय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देगी, तो सेनाध्यक्ष ने कहा, "अगर आपने मुझे पहले सुना है, तो मैंने कहा था... कि पाकिस्तान, अगर आतंकवादियों को आश्रय देना और भारत के खिलाफ ऑपरेशन करना जारी रखता है, तो उसे तय करना होगा कि वह भूगोल का हिस्सा बनना चाहता है, या इतिहास का।" 'सेना संवाद' कार्यक्रम में उनकी ये टिप्पणियाँ ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ के कुछ ही दिन बाद आईं। जनरल द्विवेदी की टिप्पणियाँ संक्षिप्त थीं, लेकिन पाकिस्तान के लिए स्पष्ट संदेश थीं और आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख को दोहराने वाली थीं।

ज्यादा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इससे पहले सरकार दूसरे बच्चे के जन्म पर 25 हजार रुपये देने की योजना पर भी विचार कर रही थी। 5 मार्च को विधानसभा में मुख्यमंत्री ने बताया था कि राज्य सरकार दूसरे बच्चे के जन्म पर 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने पर विचार कर रही है। हालांकि बाद में स्वास्थ्य मंत्री सत्या कुमार यादव ने कहा कि सरकार अब तीसरे और उससे अधिक बच्चों वाले परिवारों को भी प्रोत्साहन देने का फैसला कर चुकी है।

'पंजाब में निगम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फेर किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि यह निर्णय किसी भी राजनीतिक दल से सलाह-मशविरा किए बिना लिया गया है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908